THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 329 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.6 2079 रविवार, 12 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

पीएम ने लेफ्ट-कांग्रेस पर साधा निशाना

> कहा-दोनों पार्टियों के कारण युवा अपना राज्य छोड़ने पर मजबूर हुए

अगरतला, 11 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज त्रिपुरा में हैं। उन्होंने राधाकिशोरपुर में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने लेफ्ट और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, दोनों पार्टियों ने युवाओं के सपने तोड़ दिए। इससे उन्हें अपना राज्य छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि राज्य में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी और त्रिपुरा में तेजी से विकास होगा। इसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने गोमती में रोड शो किया।

पीएम बोले, भाजपा को दिया एक-एक वोट अनमोल :

पीएम ने राधाकिशोरपुर में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि त्रिपुरा के लोगों से मेरा वादा है कि त्रिपुरा में फिर से भाजपा सरकार बनने पर विकास में और तेजी आएगी। आपके सपने साकार होंगे। भाजपा को दिया एक-एक वोट अनमोल है। आपके वोट की शक्ति आपका और आपके बच्चों का भविष्य सुरक्षित करेगा। पीएम ने कहा, आपने वामपंथियों को हटाया तो उसका नतीजा भी आपके सामने है। आज त्रिपुरा को मुफ्त राशन मिल रहा है, पूरा राशन मिल रहा है। इससे अगर सबसे ज्यादा फायदा किसी को हुआ है तो मेरी माताओं-बहनों को हुआ है। हमने तीन लाख गरीब परिवारों को पक्के घर दिए हैं। मैं आज आपसे एक वादा करता हूं कि जिस भी गरीब को अब तक पक्का घर नहीं मिला है। उन्हें भी भाजपा सरकार बनने के बाद घर देने का काम तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

बीते 5 साल में 5000 गांवों तक सड़क पहुंचाई

पीएम ने कहा, 5 साल पहले आपने हमें सेवा का मौका दिया। मैंने उस समय वादा किया था, एचआईआरए विकास यानी हाईवे, इंटरनेट, रेलवे और एयरवेज से जुड़ा विकास। भाजपा ने बीते 5 साल में इस वादे का जमीन पर उतारने के लिए काम किया है। लेफ्ट और कांग्रेस के शासन में यहां हजारों गांव ऐसे थे जहां कभी सड़क ही नहीं पहुंच पाई थी। बीते 5 साल में हमने यहां लगभग 5000 गांवों तक सड़क पहुंचाई है।

पीएम ने कहा, पहले राज्य में चंदे के नाम पर लूट मची थी :

इससे पहले पीएम ने धलाई जिले के अंबासा में चुनावी रैली को संबोधित किया। पहले त्रिपुरा में एक ही शब्द सुनने को मिलता था 'चंदा'। इन्होंने तीन दशक तक चंदे के नाम पर लोगों को लूटने का लाइसेंस देकर रखा था। हमने त्रिपुरा के लोगों को चंदा-चंदा करने वालों से मुक्त कर दिया है।

पीएम ने कहा कि राज्य में अब डर नहीं, सुरक्षा का माहौल है। त्रिपुरा के गरीबों, युवाओं, माताओं-बहनों, जनजातियों के लिए पार्टी ने नए लक्ष्य तय किए और पार्टी ने उन्हें पूरा करने का संकल्प लिया है। राज्य के लोगों को याद रखना है, आपके एक वोट की शक्ति से त्रिपुरा वामपंथ के कुशासन से मुक्त हुआ है। पीएम ने कहा, पहले त्रिपुरा के पुलिस स्टेशनों पर सीपीएम कैडर का कब्जा था, लेकिन अब भाजपा के शासन में राज्य में कानून का राज है। अब राज्य में महिला सशक्तिकरण है और लोगों के लिए जीवनयापन करना आसान हो गया है।

पीएम बोले, त्रिपुरा पर मां त्रिपुर सुंदरी का आशीर्वाद :

त्रिपुरा पर मां त्रिपुर सुंदरी का आशीर्वाद है। हमारी सरकार त्रिपुरा को त्रि-शक्ति से बढ़ा रही है, वो शक्ति है- आवास, आरोग्य और आमदनी। आवास, आरोग्य और आमदनी त्रिपुरा के लोगों का जीवन आसान बना रही है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा, आज कांग्रेस के दफ्तर से सीपीएम का झंडा निकलता है और सीपीएम के दफ्तर से कांग्रेस का झंडा निकलता है। आज ऐसे भी नेता हैं जो इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगा रहे हैं, लेकिन इन्होंने अपने शासनकाल में कितना खून बहाया है वो 35 साल में हमने देखा है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी 13 फरवरी को फिर त्रिपुरा का दौरा करेंगे।

'आशा के प्रतीक हैं फिजियोथेरेपिस्ट्स, लोगों को आत्मनिर्भर बनाना ही लक्ष्य'

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अहमदाबाद में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट्स (आईएपी) के 60वें अधिवेशन को वर्चुअली संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने देश के फिजियोथेरेपिस्ट्स की जमकर तारीफ की।

बोले, हमारे फिजियोथेरेपिस्ट्स आज आशा का प्रतीक बन चुके हैं। सबसे अच्छा फिजियोथेरेपिस्ट्स वो होता है जिसकी बार बार मरीज को जरूरत ना हो। फिजियोथेरेपिस्ट्स का लक्ष्य लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है। आज जब देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है तो आप लोग समझ सकते हैं कि ये क्यों जरूरी है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, जब कोई व्यक्ति अचानक चोटिल होता है तो उसके लिए यह सिर्फ फिजिकल ट्रॉमा नहीं होता बल्कि यह एक मेंटल ट्रॉमा भी होता है। ऐसे समय में फिजियोथेरेपिस्ट केवल उसका इलाज नहीं करते बल्कि उसे हौसला भी देते हैं। अकसर मुझे भी आपके प्रोफेशन और आपके प्रोफेशनलिज्म से काफी प्रेरणा मिलती है। हमारी सरकार ने फिजियोथेरेपिस्ट को आयुष्मान योजना से जोड़ा है, ताकि आम लोगों की पहुंच भी आप तक बन सके। मेरा अनुभव है कि जब फिजियोथेरेपिस्ट के साथ योग का अनुभव जुड़ जाता है तो उसकी शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। आपको फिजियोथेरेपी के साथ साथ योग भी आपकी कुशलता बहुत बढ़ जाएगी।

भारत के डीएनए में धर्मनिरपेक्षता : नकवी

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। धार्मिक और सामाजिक सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता और सहिष्णुता भारत के डीएनए में हैं और यह एकमात्र ऐसा देश है जहां लगभग सभी धर्मों को मानने वाले शांतिपूर्ण तरीके से रहते हैं। यह बात भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को संत गुरु रविदास की जयंती के मौके पर कही। भारतीय बौद्ध संघ द्वारा आयोजित 'सामाजिक समरसता सम्मेलन' को संबोधित करते हुए नकवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईमानदारी और कड़ी मेहनत ने साबित कर दिया है कि सच्चाई को न तो परेशान किया जा सकता है और न ही उसे हराया जा सकता है। गुरु रविदास की शिक्षाएं, विचारधारा और दर्शन 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रति प्रतिबद्धता के शाश्वत सार हैं।

नकवी ने कहा कि संत रविदास ने सदियों पहले जाति व्यवस्था के बुरे प्रभावों के खिलाफ चेतावनी देते हुए जो कड़ा संदेश दिया था, वह आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि संत रविदास की शिक्षाओं और संदेशों को आत्मसात करते हुए मोदी सरकार ने जाति, समुदाय, क्षेत्र और धर्म की बाधा को तोड़ा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर

जरूरतमंद को बिना किसी भेदभाव के समान रूप से विकास का लाभ मिले। विभिन्न वैश्विक चुनौतियों और संकटों के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत महान संतों और सूफियों की शिक्षाओं और दर्शन की ताकत के कारण पूरी दुनिया को रास्ता दिखा रहा है। नकवी ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता और सहिष्णुता भारत के डीएनए में है। उन्होंने कहा कि भारत पूरी दुनिया के लिए सद्भाव, सहिष्णुता और भाईचारे का आदर्श बन गया है।

औपनिवेशिक आकाओं ने हमें संविधान नहीं दिया : चंद्रचूड़

नागपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शनिवार को भारतीय संविधान को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। नागपुर में महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के पहले दीक्षांत समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि संविधान स्व-शासन, गरिमा और स्वतंत्रता का एक उल्लेखनीय घरेलू उत्पाद है। संविधान की व्याख्या कई लोग जहां प्रशंसात्मक शब्दों में करते हैं, वहीं कई अन्य इसकी सफलता के बारे में निंदक हैं।

भारत के औपनिवेशिक आकाओं ने हमें संविधान नहीं दिया :

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि भारत के औपनिवेशिक आकाओं ने हमें संविधान नहीं दिया बल्कि देश की स्थिति समझने वाले लोगों ने इसका निर्माण किया। चीफ जस्टिस ने कहा कि संविधान ने जबरदस्त प्रगति की है लेकिन अभी भी बहुत काम पूरा करने की

जरूरत है और अतीत में मौजूद गहरी असमानता आज भी बनी हुई है जिसे हमें दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि कानून के युवा छात्रों और स्नातकों को संवैधानिक मूल्यों द्वारा निर्देशित किया जाता है तो वे असफल नहीं होंगे।

चीफ जस्टिस ने प्रस्तावना का किया उल्लेख :

प्रस्तावना का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रस्तावना संविधान का एक छोटा हिस्सा जरूर है लेकिन यह एक वजनदार हिस्सा है। जिसमें कहा गया है कि हम भारत के लोग खुद को यह संविधान देते हैं। यह बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत के लोगों के प्रजा की स्थिति से नागरिकों की स्थिति में परिवर्तन को चिह्नित करता है। औपनिवेशिक आकाओं ने अनुग्रह के कार्य के रूप में हमें संविधान प्रदान नहीं किया। हमारा संविधान एक दस्तावेज है जो स्व-शासन, गरिमा और स्वतंत्रता का एक घरेलू उत्पाद है।

संविधान की क्षमता वास्तव में सूचनात्मक :

सीजेआई ने कहा कि एक सरकारी दस्तावेज के रूप में, संविधान की क्षमता वास्तव में सूचनात्मक है। सीजेआई ने कहा हमारे संविधान की सफलता को आम तौर पर स्पेक्ट्रम के दो विपरीत छोरों से देखा जाता है। कुछ लोग हमारे संविधान के बारे में पूरी तरह से प्रशंसात्मक शब्दों में बात करते हैं, जबकि अन्य लोग हमारे संविधान की सफलता के प्रति उदासीन हैं।

अभिषेक बनर्जी का बीएसएफ पर आरोप

जवानों ने युवक को मारी गोली, न्याय के लिए जाएंगे सुप्रीम कोर्ट

कोलकाता, 11 फरवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने बीएसएफ पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने बीएसएफ पर राजवंशी युवक को गोली मारने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वह बीएसएफ के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। उन्होंने शनिवार को कूचबिहार के माथाभांगा में आयोजित सभा में आरोप लगाया कि बीएसएफ ने राजवंशी युवक की जान ली है।

उन्होंने पूछा, क्या प्रेम कुमार बर्मन उग्रवादी था? मेरे पास प्रेम कुमार की पोस्टमार्टम रिपोर्ट है। बीएसएफ ने अर्धसैनिक बलों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली गोलियों का इस्तेमाल किया है। अभिषेक ने हाल में राजवंशी युवक की मौत के लिए केंद्र को

जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा, इसे लेकर केस दर्ज कर लिया गया है। वह बीएसएफ के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

उन्होंने कहा, ब्लॉक नंबर 1, दिनहाटा के 23 वर्षीय प्रेम कुमार बर्मन बंगलौर में काम करता था। वह युवक बंगलौर से करीब चार वर्ष के बाद घर लौटा था। दिसंबर में एक दिन वह खेत में घूमने निकला था। बहुत करीब से उसे बीएसएफ जवानों ने गोली मारी। उन्होंने कहा कि प्रेम कुमार के शरीर से गोलियों के 180 टुकड़े मिले थे। अधिक खून बहने से उसकी मौत हो गई थी।

इस अवसर पर अभिषेक बनर्जी ने मंच पर मृत प्रेम कुमार के माता-पिता को बुलाया। उनके परिवार के सदस्यों ने भी एक ही आरोप लगाया। अभिषेक बनर्जी ने कहा, उसके पास से कुछ भी बरामद नहीं हुआ। उसे क्यों मारा गया। अभिषेक ने कहा, अगर भारत के प्रधानमंत्री का हाथ ऐसा करने वाले के सिर पर है, तो मैं इसे आखिर तक नहीं छोड़ूंगा। मैं एक से दो महीने में इसका अंत देखूंगा।

सीएम स्टालिन ने गडकरी को लिखा पत्र

कहा-तमिलनाडु एनएचएआई का सहयोग नहीं कर रहा, यह धारणा सच नहीं

चेन्नई, 11 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को केंद्र को पत्र लिखा और कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के जवाब से संसद में यह धारणा बनी कि तमिलनाडु सरकार भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ सहयोग नहीं कर रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण था। स्टालिन ने कहा कि यह सच नहीं है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी को पत्र लिखकर स्टालिन ने चेन्नई से रानीपेट (एनएच-4) तक मौजूदा सड़कमार्ग की स्थिति में सुधार के लिए ध्यान दिलाया है। बता दें, हाल ही में संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा सांसद दयानिधि मारन ने भी इस सड़कमार्ग में सुधार की ओर इशारा किया था।

लेफ्टिनेंट जनरल कलिता ने किया जॉब रैली का उद्घाटन

बोले-सेना और असम सरकार के बीच जल्द होगा एमओयू

गुवाहाटी, 11 फरवरी (एजेंसियां)। सेना के पूर्वी कमान प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता ने शनिवार को कहा कि पूर्व सैनिकों के कौशल प्रशिक्षण के लिए भारतीय सेना और असम सरकार के बीच जल्द एक समझौता होने की उम्मीद है।

उन्होंने शहर के नारंगी सैन्य स्टेशन में दो दिवसीय नौकरी रैली का उद्घाटन किया और उम्मीद जताई कि कार्यक्रम के अंत तक 500 से 600 पूर्व सैन्यकर्मियों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा, पूर्व सैनिकों का कौशल विकास बहुत महत्वपूर्ण है। हम पहले से ही इस संबंध में असम सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं। असम कौशल विकास मिशन (एएसडीएम) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) जल्द ही हो सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह असम पुलिस के कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए अपनी बटालियनों में पुलिस उपाधीक्षक रैंक के सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों की भर्ती करेगी। उन्होंने कहा कि 1,500 से 2,000 पूर्व सैनिकों ने रोजगार रैली में भाग लिया है और दूरसंचार, बुनियादी ढांचा विकास और जीवन बीमा जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 30 कॉर्पोरेट घराने भी मौजूद हैं। लेफ्टिनेंट जनरल कलिता ने आगे कहा, हमें उम्मीद है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से 500-600 पूर्व सैनिकों को प्लेसमेंट मिलेगा, जो पूर्वोत्तर के ऐसे सभी पूर्व सैन्य कर्मियों के लिए खुला है।

इससे पहले इस अवसर पर एक बैठक को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल कलिता ने पूर्व सैनिकों को रोजगार खोजने में मदद करने के लिए असम सरकार के सहयोग की सराहना की। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ पूर्व सैनिकों की मानसिक अनुकूलन क्षमता भी मजबूत है।

शाह बोले-कांग्रेस ने देश विरोध ताकतों को मजबूत किया

कर्नाटक की सुरक्षा केवल भाजपा ही कर सकती है, पीएम मोदी ने पीएफआई पर बैन लगाया

बेंगलुरू, 11 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को कर्नाटक दौरे पर पहुंचे। उन्होंने दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तुर के पंचमुखी अंजनिया मंदिर में प्रार्थना की।

मंदिर के पुजारियों ने शाह को गदा भेंट की। पुत्तूर में जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) के 1700 मेंबर्स को कांग्रेस ने रिहा किया जबकि पीएम मोदी ने पीएफआई पर बैन लगाया और इसे हमेशा के लिए बंद कर दिया। कांग्रेस जिसने देश विरोधी तत्वों को मजबूत किया, कर्नाटक की सुरक्षा नहीं कर सकती। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा देशभक्तों की पार्टी है। शाह ने कहा कि कर्नाटक के पास केरल है। मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं कहना चाहता। यदि आप कर्नाटक को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो केवल भाजपा ही यह कर सकती है।

हर पंचायत में पीएसीएस होगी :

गृह मंत्री ने कहा कि मैंने अभी फिल्म कांतारा देखी है, कांतारा देख कर मुझे पता चला कि ये प्रदेश कितनी समृद्ध परंपराओं का है। देश में बहुत कम क्षेत्र हैं जहां के लोग कठिन परिस्थिति के बाद भी खेती से देश को समृद्ध बनाते हैं। इस बजट में पीएम मोदी ने हर पंचायत में मल्टी डायमेंशनल पीएसीएस (प्राथमिक कृषि साख समिति) स्थापित करने का फैसला किया है। भारत में 3 साल के भीतर 2 लाख नए पीएसीएस स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक पंचायत में एक पीएसीएस होगी।

सहकारी सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय सुपारी और कोको विपणन एवं प्रसंस्करण सहकारी लिमिटेड (कैंपको) के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर पुत्तूर में सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विधानसभा चुनाव से पहले शाह का दक्षिण कन्नड़ में ये पहला दौरा है। कर्नाटक में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

महमूद मदनी बोले, भारत जितना मोदी-भागवत का उतना हमारा

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के चीफ महमूद मदनी ने शनिवार को कहा कि भाजपा और आरएसएस से हमारी कोई धार्मिक मतभेद नहीं है, बल्कि वैचारिक मतभेद है। भारत जितना मोदी और भागवत का है उतनी ही मदनी का भी है।

दिल्ली के रामलीला मैदान में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के 34वां अधिवेशन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी नजर में हिंदु और मुसलमान बराबर हैं। हम इंसान के दरमियान कोई फर्क नहीं करते हैं। जमियत ए उलेमा की पॉलिसी रही है कि भारत के तमाम शहरी बराबर हैं, इनके बीच भेदभाव नहीं होना चाहिए।

इस दौरान उन्होंने भागवत और संघ प्रमुख को न्योता भी दिया। जमीयत चीफ ने कहा, हम आरएसएस और उसके सर संघ चालक को न्योता देते हैं, आइए आपसी भेदभाद और दुश्मनी को भूलकर एक दूसरे को गले लगाए और देश को दुनिया का सबसे शक्तिशाली मुल्क बनाए। हमें सनातन धर्म से कोई शिकायत नहीं है, आपको भी इस्लाम से कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए।

पर्यावरण कार्यकर्ता की चेतावनी

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि आपदा से निपटने की भारत की तैयारी पहले के मुकाबले काफी बेहतर हुई है लेकिन कई ऐसे कारण हैं, जिनके चलते भारत में आपदा का खतरा है। आईयूसीएन में भारत के प्रतिनिधि यशवीर भटनागर का कहना है कि हिमालय की भंगुरता, बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचा, देश में जोशीमठ जैसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार हैं। बता दें कि जोशीमठ को भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्र घोषित कर दिया गया है, वहां जमीन में बड़ी-बड़ी दरारें उभर आई हैं, जिसके चलते कई रिहायशी और व्यवसायिक इलाकों को खाली करा लिया गया है। यशवीर भटनागर ने बताया कि चाहे बाढ़ हो या बादल फटने की घटनाएं या फिर जोशीमठ जैसी घटनाएं, इनके पीछे बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचा में विस्तार और हिमालय की भंगुरता प्रमुख वजह हैं। उन्होंने कहा कि बतौर पर्यावरण कार्यकर्ता, हम नहीं चाहते कि विकास कार्य रुक जाएं लेकिन हम चाहते हैं कि विकास कार्य इस तरह किए जाएं कि इनसे पर्यावरण को नुकसान ना पहुंचे।

75 से अधिक देशों की फौज को भारत दे रहा रक्षा उपकरण

बज रहा धनुष, तेजस और टी-90 टैंक का डंका

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। रक्षा क्षेत्र में भारत ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' की राह पर तेजी से कदम बढ़ाया है। मौजूदा समय में 75 से अधिक मित्र देशों की फौज को भारत, विभिन्न तरह के रक्षा उपकरणों की सप्लाई कर रहा है। 'धनुष, तेजस' व टी-90 टैंक जैसे दर्जनों स्वदेशी रक्षा उत्पादों का डंका बजने लगा है। एसयू-30 एमके1, चीता हेलिकॉप्टर, एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर, डोर्नीयर डीओ-228, हाई मोबिलिटी ट्रक, आईएनएस कलवारी, आईएनएस खंडेरी, आईएनएस चेन्नई और एंटी-सबमेरीन वारफेयर कार्वेट (एएसडब्लूसी) जैसे उपकरण अब 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' से जुड़ी परियोजनाओं का हिस्सा हैं।

आयात बिल को कम करने में हुई कितनी मदद :

मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए परियोजनाओं की स्थिति जानने के लिए लोकसभा सांसद अण्णासाहेब शंकर जोल्ले, तेजस्वी सूर्या, कराडी सनगन्ना अमरप्पा और प्रताप सिम्हा ने दस फरवरी को सवाल पूछा था। सांसदों ने जानना चाहा कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान कार्यक्रमों के तहत रक्षा क्षेत्र में शुरू की गई परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है। इन कार्यक्रमों ने आयात बिल को कम करने में क्या मदद की है। यदि हां तो कुल संख्या में व आयात के प्रतिशत हिस्से संबंधी तत्संबंधी ब्यौरा क्या है। क्या दोनों कार्यक्रमों ने रक्षा क्षेत्र में भारतीय निर्यात को बढ़ाने में भी मदद की है। रक्षा क्षेत्र में वर्ष 2023 और 2024 के लिए विनिर्माण, निर्यात और आयात के क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

क्या उक्त उद्देश्य के लिए शुरू की गई सभी परियोजनाएं लक्ष्यों को पूरा करने के लिए तैयार हैं। अब तक उन योजनाओं में कितनी प्रगति हुई है। रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री अजय भट्ट के मुताबिक, विगत कुछ वर्षों के दौरान देश में 155 एमएम आर्टिलरी गन प्रणाली धनुष, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस, सर्फेस टू एयर मिसाइल प्रणाली आकाश, मेन बैटल टैंक अर्जुन, टी-90 टैंक, टी-72 टैंक, आर्मर्ड पर्सनल कैरियर बीएमपी-11/11के, एसयू-30 एमके1, चीता हेलिकॉप्टर, एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर, डोर्नियर डीओ-228 और हाई मोबिलिटी ट्रक तैयार होने लगे हैं। इनके अलावा आईएनएस कलवारी, आईएनएस खंडेरी, आईएनएस चेन्नई, एंटी-सबमेरीन वारफेयर कार्वेट (एएसडबल्यूसी), अर्जुन आर्मर्ड रिपेयर एंड रिकवरी व्हीकल, ब्रिजलेइंग टैंक और 155 एमएम अम्यूनिशन के लिए बाई-मॉडुलर चार्ज सिस्टम (बीएमसीएस) भी अब मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान की परियोजनाओं का हिस्सा हैं।

बाहर से नहीं आए हैं मुसलमान

भारत जितना मोदी और भागवत का है उतना मेरा भी है: महमूद मदनी

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के रामलीला मैदान में जमीयत उलेमा-ए-हिंद का 34वां सत्र शुरू हो चुका है, जिसकी अध्यक्षता जमीयत चीफ मौलाना महमूद मदनी कर रहे हैं। शुक्रवार को जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख महमूद मदनी ने भारतीय मुसलमानों का मुद्दा उठाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत उतना ही महमूद का है जितना कि पीएम नरेंद्र मोदी और मोहन भागवत का है। उन्होंने ये भी कहा कि भारत में इस्लामोफोबिया के मामले बढ़ रहे, जिस पर चिंता जाहिर की जा रही। जमीयत उलेमा-ए-हिंद प्रमुख ने कहा कि भारत मुसलमानों की पहली मातृभूमि है। ये कहना कि इस्लाम एक ऐसा धर्म है जो बाहर से आया है, ये बात निराधार है। इस्लाम सभी धर्मों में सबसे पुराना धर्म है और भारत हिंदी भाषी मुसलमानों के लिए सबसे अच्छा देश है। कार्यक्रम में मदनी ने इस्लामोफोबिया और नफरत फैलाने वाले भाषणों में कथित वृद्धि पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरत और उकसावे के मामलों के अलावा इस्लामोफोबिया में वृद्धि हाल के दिनों में हमारे देश में खतरनाक स्तर तक बढ़ गई है। उन्होंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा भड़काने वालों के खिलाफ सजा की मांग की। आपको बता दें कि मुस्लिम समुदाय की बड़ी संस्था जमीयत उलेमा-ए-हिंद दिल्ली में अपना अधिवेशन कर रही है। जिसमें यूनिफॉर्म सिविल कोड समेत कई मुद्दों पर चर्चा हो रही। इसके अलावा मुसलमानों के खिलाफ बढ़ रही हिंसा, हेट स्पीच, समाज में उनके प्रतिनिधित्व का भी मुद्दा इसमें उठा।

'ड्रग के मामलों में किसानों को नहीं असल गुनहगारों को पकड़िए'

सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने मध्य प्रदेश सरकार के एएसजी को लगाई फटकार, आरोपी को दी जमानत

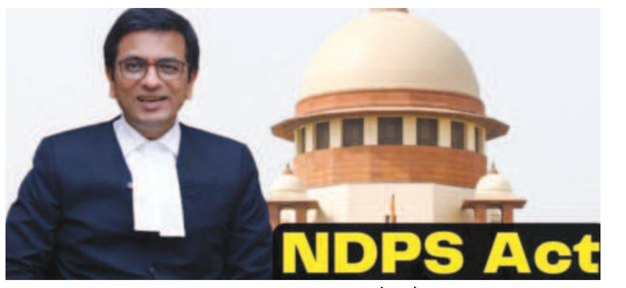

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने एनडीपीएस मामले में एक विचाराधीन कैदी को जमानत देते हुए मध्य प्रदेश सरकार के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) विक्रमजीत बनर्जी पर तीखी टिप्पणी की है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे एएसजी से कहा कि आप लोग छोटे किसानों और ड्रग्स पैडलर को पकड़ते हैं। असल गुनाहगारों को पकड़िए।

क्या था पूरा मामला?

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट साबिर बनाम स्टेट ऑफ मध्य प्रदेश मामले की सुनवाई चल रही थी। मामला अफीम की कथित बरामदगी के मामले में थी। कुछ साल पहले कथित तौर पर सबीर के खेत से अफीम पकड़ा गया था। इस मामले में साबिर पांच साल से जेल में बंद थे। शुक्रवार को सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ सबीर की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए एएसजी बनर्जी जमानत याचिका का विरोध कर रहे थे। हालांकि सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि आरोपी पहले ही पांच साल जेल में बिता चुका है और इस मामले में सजा की अधिकतम अवधि दस साल थी। इसके अलावा, इस मामले में प्रतिबंधित अफीम कथित तौर पर उसके खेत से बरामद की गई थी। वह इसे ले जाते हुए नहीं पकड़े गए थे। एएसजी बनर्जी ने बेंच को याद दिलाया कि साबिक पर पहले के कुछ मामलों में दोषसिद्ध हो चुका है। लेकिन पीठ ने इस तर्क को नहीं माना औ कहा कि आप छोटे-छोटे ड्रग पेडलर्स को पकड़ रहे हैं, लेकिन असल अपराधियों को नहीं। उन लोगों को पकड़िए जो ड्रग सिंडिकेट चला रहे हैं। अपनी इस मौखिक टिप्पणी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी साबिर को जमानत दे दी।

क्या है एनडीपीएस एक्ट?

गैर-कानूनी मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय और सेवन के मामले में नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट यानी एनडीपीएस के तहत कार्रवाई का प्रावधना है। यह एक्ट दो भागों में बंटा है- एनडी और पीएस। एनडी का मतलब होता है नार्कोटिक ड्रग और पीएस का मतलब होता है साइकोट्रॉपिक सबस्टांस। एनडीपीएस एक्ट के तहत ही साल 1986 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का गठन हुआ था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के राजभवन में नए अभिषेक हाल का उद्घाटन किया

भुवनेश्वर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शाम ओडिशा के राजभवन परिसर में नए अभिषेक हाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल तथा मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ राज्य के मुख्य सचिव सुरेश महापात्र समेत राज्य सरकार के अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। 25.23 करोड रुपये की राशि में 47 हजार 390 वर्ग फिट वाले इस नये अत्याधुनिक अभिषेक हाल का निर्माण किया गया है। मुख्य सम्मेलन कक्ष में 900 अतिथि बैठ सकेंगे तथा 1200 लोग खड़े हो सकेंगे। मुख्य सम्मेलन कक्ष के साथ ही बैंक्युएट हास, 5 लाउंज, 4 प्रवेश व प्रस्थान द्वार भी यहां है। इसमें सभी प्रकार के अत्याधुनिक सुविधाएं हैं।

आबादी में इस साल चीन को भी पछाड़ देगा भारत

आखिर किन वजहों से बढ़ रही है जनसंख्या

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। भारत इस साल दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा. ये बात हम नहीं कर रहे, बल्कि वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक प्यू रिसर्च सेंटर की एक रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है. रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस साल चीन को पछाड़ देगा, जो 1950 से सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है. रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र को उम्मीद है कि भारत अप्रैल के महीने में ही चीन से आगे निकल जाएगा. हालांकि, आंकड़ों के विश्लेषण से ऐसा लगता है कि अप्रैल से भी पहले ही भारत चीन को पीछे कर देगा. प्यू रिसर्च सेंटर ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य स्रोतों के आंकड़ों के विश्लेषण के बाद आने वाले दशकों में भारत की जनसंख्या और इसके अनुमानित परिवर्तनों के बारे में महत्वपूर्ण तथ्यों का उल्लेख किया है.

भारत में सबसे ज्यादा युवा आबादी

रिसर्च सेंटर के अनुसार, भारत की जनसंख्या में 1950 के बाद से एक अरब से अधिक लोगों की वृद्धि हुई है. 25 वर्ष से कम आयु के लोग भारत की आबादी का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हैं. भारत के साथ सबसे अधिक आबादी वाली कैटेगरी में चीन और अमेरिका भी हैं, लेकिन दिलचस्प बात ये है कि इन दोनों ही देशों में बूढ़ी आबादी ज्यादा है. ताजा आंकड़ों के अनुसार, चीन की आबादी 141.24 करोड़ है, वहीं भारत की आबादी 140.76 करोड़ है.

प्रजनन दर में चीन-अमेरिका से आगे भारत

भारत में प्रजनन दर चीन और अमेरिका की तुलना में अधिक है, लेकिन हाल के दशकों में इस दर में तेजी से गिरावट आई है. बता दें कि भारत में समुदाय और राज्यों में प्रजनन दर अलग-अलग होती है. डेटा के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में भारतीय महिलाओं का पहला बच्चा ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं की तुलना में 1.5 वर्ष बाद होता है. वहीं पिछले तीन दशकों में भारत में शिशु मृत्यु दर में 70 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार, ये अभी भी काफी ज्यादा है.

तुर्की के बाद भारत में खतरे की घंटी!

सूरत में महसूस किए गए भूकंप के झटके, समुद्र में था केंद्र

सूरत, 11 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में शुक्रवार देर रात भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इंस्टीट्यूट ऑफ सीस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के मुताबिक, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.8 दर्ज की गई, जिस वजह से झटके काफी कमजोर थे। हालांकि, तुर्की में हाल ही में भूकंप से हुई तबाही को देखते हुए भारत में अब छोटे झटकों पर भी अलर्ट रहने की जरूरत बताई गई है। आईएसआर के मुताबिक, सूरत में देर रात 12.52 पर रिकॉर्ड किए गए इन झटकों का केंद्र शहर से 27 किमी दूर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में समुद्र में था। इनसे किसी तरह का जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। गौरतलब है कि गुजरात में इससे पहले कई खतरनाक भूकंप रिकॉर्ड हो चुके हैं। इनमें 1819, 1845, 1847, 1848, 1864, 1903, 1938, 1956 और 2001 में आए भूकंप को सबसे खतरनाक कहा जाता है। 2001 में कच्छ में आया भूकंप भारत में पिछली दो सदियों में सबसे खतरनाक था। इससे 13 हजार 800 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी, जबकि 1.67 लाख लोग घायल हुए थे।

बिजली को लेकर आप-एलजी में रार

एलजी ने दिया डिस्कॉम में सरकार से नामित जस्मीन शाह व अन्य को हटाने का आदेश

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल और आम आदमी पार्टी के बीच जारी गतिरोध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। जस्मीन शाह को डीडीडीसी के बोर्ड से हटाने के निर्देश देने के बाद अब एलजी ने उन्हें बिजली कंपनियों के बोर्ड से हटाने के भी निर्देश दिए हैं। अब एलजी वीके सक्सेना ने आप प्रवक्ता जस्मीन शाह और नवीन एनडी गुप्ता और अन्य निजी व्यक्तियों को निजी स्वामित्व वाली डिस्कॉम-बीवाईपीएल, बीआरपीएल (अनिल अंबानी) और एनबीपीडीसीएल (टाटा) के बोर्ड में सरकार से नामित के रूप में तत्काल हटाने का आदेश दिया है। इनके स्थान पर वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति होगी। आप के इन नेताओं पर आरोप है कि इन्होंने अनिल अंबानी के स्वामित्व वाली डिस्कॉम के बोर्डों में निजी प्रतिनिधियों के साथ सहयोग किया और सरकारी खजाने की कीमत पर 8000 करोड़ रुपये का लाभ पहुंचाया। बताया जा रहा है कि, वित्त सचिव, ऊर्जा सचिव और दिल्ली ट्रांस्को के एमडी अब अनिल अंबानी और टाटा की बिजली कंपनियों में सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिस तरह शीला दीक्षित के सीएम कार्यकाल के दौरान चीजें चलती थीं वैसे ही अब चलेंगी।

आप ने क्या दिया जवाब

एलजी के फैसले के बाद आम आदमी पार्टी ने बयान जारी करते हुए कहा है कि, जस्मीन शाह और नवीन गुप्ता को डिस्कॉम के बोर्ड से हटाने का एलजी का आदेश अवैध और असंवैधानिक है। एलजी के पास ऐसे आदेश जारी करने का अधिकार नहीं है। केवल निर्वाचित सरकार के पास बिजली के विषय पर आदेश जारी करने की शक्तियां हैं। एलजी ने सुप्रीम कोर्ट के सभी आदेशों और संविधान का पूरी तरह मजाक उड़ाया है। वह तो खुलेआम कह रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पालन करने के लिए वह बाध्य नहीं हैं।

नाबालिग के साथ अप्राकृतिक यौनाचार करते थे पड़ोस में रहने वाले लड़के, पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में चार-पांच लड़कों ने एक नाबालिग के साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया. पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है. अभी तक मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है. शुक्रवार को पुलिस को शिकायत मिली कि चार-पांच लड़कों ने एक नाबालिग के साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया है. मामले की जांच करने पुलिस पहुंती तो नाबालिग ने बताया कि वह अपनी मां के साथ रहता है. उसके साथ पिछले काफी समय से पड़ोस में रहने वाले लड़के अप्राकृतिक यौनाचार कर रहे हैं. शिकायत की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने नाबालिग का एएए अस्पताल में मेडिकल कराया. इसके बाद पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी चल रही है.

सिख कैदी गुरदीप सिंह खेड़ा दो महीने के पेरोल पर रिहा

अमृतसर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों से पंजाब में 'बंदी सिंह' या सिख कैदियों की रिहाई की मांग एक राजनीतिक मुद्दा बन गया था. राजनीतिक दल समेत कई संगठन जेल की सजा पूरी होने के बावजूद जेल में बंद आठ सिख कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे थे. उनमें एक थे गुरदीप सिंह खेड़ा, जो जेल में 31 साल पूरे कर चुके हैं. आज उन्हें दो महीने के पेरोल पर रिहा किया गया है. इनके अलावा देविंदर पाल सिंह भुल्लर, लखविंदर सिंह और गुरमीत सिंह और शमशेर सिंह और बलवंत सिंह राजोआना, जिन्होंने 26 साल पूरे कर लिए हैं. जगतार सिंह हवारा, जिनकी जेल की सजा के 25 साल पूरे हो चुके हैं. और परमजीत सिंह भेवरा, जो जेल में 23 साल पूरे कर चुके हैं. अमृतसर के जल्लूपुर खैरा गांव के मूल निवासी 55 वर्षीय खेड़ा पर आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधियां (टाडा) रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था.

दलाई लामा की सुरक्षा में तैनात हुआ नया डॉग

पुराना कुत्ता हुआ नीलाम, जानिए कितनी मिली कीमत

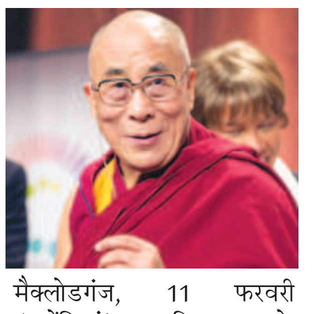

मैक्लोडगंज, 11 फरवरी (एजेंसियां)। तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को सुरक्षा में तैनात सिक्योरिटी डॉग 1,550 रुपये (20 डॉलर) में बेचा गया। डूका स्निफर लैब्राडोर डॉग ने तकरीबन 12 साल तक दलाई लामा की सुरक्षा की। रिटायर्ड होने के बाद उसकी बोली लगाई गई। पुलिस ने दलाई लामा के आवास पर संभावित बम के खतरों को सूंघने के लिए डूका का इस्तेमाल किया।

सुनने की शक्ति खो चुका था डूका

दलाई लामा की सुरक्षा में तैनात पुलिस उपाधीक्षक नितिन चौहान ने मीडिया को बताया कि डूका को विशेष रूप से विस्फोटकों के बारे में पुलिस को चेतावनी देने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। वह दलाई लामा के सार्वजनिक कार्यक्रमों से पहले कार्यक्रम स्थल की रेकी करता था। दलाई लामा की सुरक्षा में लगे अधिकारियों ने बताया कि डूका दलाई लामा का सबसे भरोसेमंद डॉग था। लेकिन वह सुनने की शक्ति खो चुका था।

दलाई लामा की सुरक्षा में तैनात किया गया टॉमी

अब दलाई लामा की सुरक्षा की जिम्मेदारी नौ महीने के टॉमी को दी गई है। टॉमी को पंजाब होमगार्डस कैनाइन ट्रेनिंग एंड ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट द्वारा प्रशिक्षित किया गया और उसे 3 लाख रुपये में खरीदा गया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, डूका को साल 2010 में सात महीने की उम्र में आर्मी ट्रेनिंग सेंटर से 1.23 लाख रुपये में खरीदा गया था। अपने प्रारंभिक प्रशिक्षण के बाद, उसे दलाई लामा की सुरक्षा में तैनात किया गया। वह एक सैनिक के रूप में सेवा दे रहा था।

मैक्लोडगंज में रहते हैं दलाई लामा

दलाई लामा धर्मशाला के उपनगर मैक्लोडगंज में रहते हैं, जो एक बड़ी तिब्बती आबादी का क्षेत्र है और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) का मुख्यालय है। दलाई लामा त्रि-स्तरीय सुरक्षा लेने वाले भारत में अत्यधिक संरक्षित व्यक्तियों में से एक हैं।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार को हाईकोर्ट से बड़ी राहत,

बैंगलूरू, 11 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष को बड़ी राहत दी. रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत ने कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया है. हाईकोर्ट ने 24 फरवरी तक के लिए सीबीआई की कार्रवाई पर रोक लगाई है. कर्नाटक हाईकोर्ट ने सीबीआई को 24 फरवरी को या उससे पहले एक जांच प्रगति रिपोर्ट पेश करने के लिए भी कहा है. पिछले दिनों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिवकुमार को समन जारी किया, जबकि उनकी बेटी को सीबीआई ने नोटिस जारी किया था. डीके शिवकुमार के वकील ने तर्क दिया कि यह केंद्रीय एजेंसियों की ओर से आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस नेता पर मानसिक दबाव बनाने का प्रयास है.

डीके शिवकुमार पर ये हैं आरोप

डीके शिवकुमार के खिलाफ 3 अक्टूबर, 2020 को एक एफआईआर दर्ज की गई थी. इस एफआईआर में दावा किया गया है कि डीके शिवकुमार की संपत्ति में 2013 से 2018 के बीच बेतहाशा वृद्धि हुई थी. यही नहीं एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि डीके शिवकुमार और उनके ऊपर पास अप्रैल 2013 में 33.92 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति थी.

128 करोड़ की संपत्ति अर्जित की

"अप्रैल, 2013 से अप्रैल, 2018 के दौरान, डीके शिवकुमार और उनके परिवार के सदस्यों ने 128.6 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की और 30 अप्रैल, 2018 तक उनके पास मौजूद सभी संपत्तियों का कुल मूल्य 162.53 करोड़ रुपये था. यह भी खुलासा किया गया है कि चेक अवधि के दौरान उनकी कुल आय और प्राप्तियां 166.79 करोड़ रुपये थी और उनका कुल व्यय 113.12 करोड़ रुपये था और इसलिए, उनके पास अनुपात से अधिक संपत्ति पाई गई है। 74.93 करोड़ रुपये, "प्राथमिकी में दावा किया गया.

संघ प्रमुख के बयान पर बरसे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद, क्या-क्या कहा

जबलपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के पंडितों पर दिए गए बयान के बाद देशभर में इसकी आलोचना हो रही है. कई धर्माधिकारी भी आरएसएस प्रमुख के बयान पर नाराजगी जता रहे हैं. इसी बीच ज्योतिष मठ पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जबलपुर में मोहन भागवत के बयान पर खरी-खरी सुनाई है. शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि राजनीतिक लोगों को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए. मीडिया से बातचीत करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विदेश जाकर बराक ओबामा को गीता सौंपते हैं, मतलब गीता में उनका विश्वास तो होगा ही. उसी गीता में साफ-साफ लिखा है कि भगवान कृष्ण कहते हैं कि यह दुनिया उनके द्वारा बनाई गई है. ऐसे में मोहन भागवत का यह बयान निंदनीय है.

राजनीतिक लोग कब से विशेषज्ञ बन गए

मानस की चौपाइयों पर मचे बवाल पर शंकराचार्य ने कहा, कहावत है "बिच्छू का मंत्र पता नहीं और सांप के बिल में हाथ डाल देते हैं" यह कहावत आज के राजनीतिक लोगों के लिए है. ऐसे लोग कोई धर्मशास्त्र तो पढ़ते नहीं, बस बयानबाजी कर देते हैं. फिर उस बात पर पूरे देश में हौव्वा बना दिया जाता है. कहा कि राजनीतिक लोग कब से रामचरित मानस के विशेषज्ञ हो गए हैं.

पंडितों पर आए बयान के बाद आरएसएस प्रमुख ने दूसरा बयान जारी करते हुए कहा, "मेरे कहने का मतलब पंडित नहीं विद्वान से था". इस पर शंकराचार्य ने कहा कि अगर जाति व्यवस्था विद्वानों द्वारा बनाई गई है, तो गलत कैसे है. क्या मोहन भागवत विद्वानों को भी गलत मानते हैं. आपको बता दें कि आरएसएस प्रमुख ने बयान जारी कर कहा था कि समाज में जाति व्यवस्था पंडितों ने बनाई है, जिसके बाद बवाल मचा हुआ है.

इंदौर में फाइबर फैक्ट्री में लगी भीषण आग

लगातार हो रहे ब्लास्ट, कई मजदूर घायल

इंदौर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के एसआर कंपाउंड क्षेत्र में भीषण आग लगने की खबर है, आगजनी में कुछ मजदूर घायल हो गए. फैक्ट्री के अंदर करीब 70 मजदूर मौजूद थे, बताया जाता है कि आग के कारण धुआं फैलने से कई मजदूर अंदर गिर गए. इंदौर। शहर के एसआर कंपाउंड क्षेत्र में फाइबर फैक्ट्री में भीषण आग लग गई, यह घटना शनिवार सुबह करीब 9 बजे हुई, जब फ़ार्गो ग्रेड नामक फाइबर बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक धमाका हुआ. इसके बाद देखते ही देखते एसआर कंपाउंड क्षेत्र स्थित फैक्ट्री में भीषण आग लग गई. तेजाब फैलने के कारण एसआर इलाके में सनसनी फैल गई, लिहाजा फैक्ट्री के आसपास स्थित मकान आग की चपेट में नजर आए. देर से पहुंची फायर ब्रिगेडः आगजनी के बाद मौके पर भगदड़ की स्थिति बन गई, हालांकि फायर ब्रिगेड को सूचना देने से मिल पाने के कारण एवं देवास नाका क्षेत्र में सुबह ट्रैफिक और जाम की वजह से फायर ब्रिगेड घटना के करीब 1 घंटे बाद मौके पर पहुंची. फिलहाल क्षेत्र की लसूड़या थाना पुलिस ने घटनास्थल को कवर किया है. वहीं आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं, फैक्ट्री के एचआर एग्जीक्यूटिव की माने तो फैक्ट्री में फाइबर बनाया जाता है, फिलहाल फैक्ट्री के अंदर ज्वलनशील सामग्री होने के कारण धमाके हो रहे हैं, वहीं क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल है. कई मजदूर हुए घायल

जम्मू-कश्मीर: बठिंडी में बडे स्तर पर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

कई भवन ध्वस्त-इलाके में आवाजाही बंद

जम्मू, 11 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने का अभियान प्रशासन बड़े स्तर पर चला रहा है। शनिवार को बठिंडी इलाके के मलिक बाजार के कई मकानों और भवनों को ध्वस्त किया गया। अप्रिय घटना को ध्यान में रखते हुए सुबह से ही इलाके में सुरक्षाबलों को तैनात कर दिया गया था। इसके अलावा हाईवे पर यातायात के मार्ग को परिवर्तित कर दिया गया था। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के मुताबिक इलाके में कई जगहों पर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। इसे पूरी तरह खाली कराया जाएगा। इससे पहले तवी फार्म बिश्नाह पुल के पास डिल्ली गांव में चारदीवारी सहित 3 अवैध पक्के ढांचों को ध्वस्त किया गया था। 21 कनाल सरकारी जमीन पर प्रशासन ने बोर्ड लगा दिया है। यह जमीन राष्ट्रीय राजमार्ग से लगभग एक किलोमीटर दूर है। इसकी कीमत करोड़ों में है। गांव गोले तहसील जम्मू पश्चिम में 12 कनाल राज्य भूमि से भी कब्जे को हटा दिया गया है। अभियान के दौरान सोमवार को विभिन्न स्थानों से करोड़ों रुपये मूल्य की 63 कनाल से अधिक राज्य भूमि को खाली कराया गया। इसमें पूर्व डिप्टी सीएम कवींद्र गुप्ता के नाम पर भलवाल तहसील के गैंक गांव में 23 कनाल नौ मरले जमीन पर कब्जा किया गया था।

बताते हैं कि पूर्व विधायक के नाम पर गिरदावरी थी। प्रशासन ने जमीन खाली करा राज्य भूमि का बोर्ड लगा दिया। कश्मीर के अनंतनाग में जिला प्रशासन ने श्रीगुफवाड़ा इलाके में भाजपा नेता की ओर से सरकारी भूमि पर कब्जा कर बनाई दो मंजिला इमारत को सील कर दिया गया है। भाजपा नेता सोफी यूसुफ ने बिजबिहाड़ा के श्रीगुफवाड़ा में एक शॉपिंग कांप्लेक्स बनाकर 25 मरला सरकारी भूमि पर कब्जा कर रखा था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 12 फरवरी, 2023

सुविचार

बुरे वक्त में कंधे पर रखा गया हाथ, कामयाबी की तालियों से ज्यादा मूल्यवान होता है।

हैदराबाद की एसएनडीपी ने दिल्ली नगर निगम को प्रभावित किया : केटीआर

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि हैदराबाद देश में रणनीतिक नाला विकास कार्यक्रम (एसएनडीपी) शुरू करने वाला एकमात्र शहर है, नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि इन कार्यों से प्रभावित होकर, दिल्ली नगर निगम ने रुचि दिखाई है और कार्यक्रम के बारे में सीख रहा है। हाल ही में, राज्य के एमए एंड यूडी अधिकारियों ने एसएनडीपी पर एक प्रस्तुति दी है और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों ने कार्यक्रम की सराहना की और विवरण मांगा। मंत्री ने शनिवार को विधानसभा में कहा कि उन्होंने इन कार्यों को करने के लिए तेलंगाना सरकार की सराहना भी की, यह कहते हुए कि यह हैदराबाद को एक जलवायु अनुकूल शहर बना देगा।

हम एसएनडीपी चरण II कार्यों का भी शुभारंभ कर रहे हैं और उसी के अनुसार योजनाएँ तैयार की जा रही हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हैदराबाद बाढ़ के मुद्दों से ग्रस्त नहीं है। रामाराव ने कहा, यह कहते हुए कि शहर भर में किए गए एसएनडीपी कार्यों के परिणामस्वरूप आवासीय क्षेत्रों में बड़ी बाढ़ की घटनाओं के बिना वर्षा जल का मुक्त प्रवाह हुआ है। नाला अतिक्रमण पर, मंत्री ने कहा कि तेलुगु देशम शासन के दौरान गठित किर्लोस्कर समिति ने पूरे शहर में 28,000 अतिक्रमणों की पहचान की है। उन्होंने कहा कि जब सरकार स्पष्ट अतिक्रमण चाहती है तो लोग चुने हुए जनप्रतिनिधियों से शिकायत करते हैं, एसएनडीपी कार्यों को बिना किसी बाधा के निष्पादित करने में विधायकों और अन्य लोगों से सहयोग मांगते हैं। बालकापुर नाले के संबंध में मंत्री ने कहा कि रक्षा भूमि में 9.7 करोड़ रुपये से नाला डायवर्जन कार्य करने की अनुमति प्राप्त की गई है। पिछली बार विधानसभा में, जब मैंने अपनी आवाज उठाई, तो कुछ लोगों ने सैन्य अधिकारियों के प्रति मेरे दृष्टिकोण में दोष पाया। लेकिन मेरे इस तरह बोलने के बाद ही वे लाइन में लग गए।' उन्होंने कहा कि ये सभी काम मानसून से पहले पूरे कर लिए जाएंगे। रक्षा अधिकारियों ने लंगर हौज में एक चेक डैम का निर्माण किया है, जहां बलकापुर नाला हुसैन सागर में गिरता है। यह ढांचा शाहथम टैंक के लिए खतरा पैदा कर रहा था। उन्होंने कहा कि गोलकोंडा किले के पास शाहथम टैंक से पानी के मुक्त प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए कुछ कार्यों की योजना बनाई गई है, लेकिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए अनुमति देने से इनकार कर दिया है। यह कहते हुए कि केंद्र नागरिक कार्यों के लिए भी सामग्री पर जीएसटी बढ़ा रहा है, उन्होंने कहा कि उन्हें केंद्र के लिए उत्पन्न राजस्व पर कोई जानकारी नहीं है, लेकिन यह निश्चित रूप से राज्य सरकार के लिए समस्याएं पैदा कर रहा है क्योंकि परियोजना की लागत काफी बढ़ रही है।

नए सचिवालय का उद्घाटन स्थगित

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 17 फरवरी को निर्धारित नवनिर्मित राज्य सचिवालय भवन का उद्घाटन आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर स्थगित कर दिया गया है। तेलंगाना में एमएलसी चुनाव से पहले लागू हुआ था। भारत के चुनाव आयोग और मुख्य सचिव शांति कुमारी से परामर्श के बाद मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने इस आशय का निर्णय लिया। इससे पहले, राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के जन्मदिन के अवसर पर नवनिर्मित सचिवालय भवन के उद्घाटन के लिए 17 फरवरी की तारीख तय की थी और भव्य तरीके से समारोह आयोजित करने की योजना बनाई थी। कार्यक्रम के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और देश भर के अन्य प्रमुख नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। बीआरएस अध्यक्ष चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भी उस दिन सिकंदराबाद में एक विशाल जनसभा आयोजित करने की योजना बनाई है।

हैदराबाद में आयोजित फॉर्मूला-ई कार रेस के विजेता जीन-एरिक वेर्ने बनें

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आयोजित फॉर्मूला-ई कार रेस के विजेता जीन-एरिक वेर्ने बनें। इस बारे में क्रीडा अधिकारियों ने बताया कि हैदराबाद में आज शाम आयोजित फॉर्मूला-ई ग्रां प्री रेस का समापन हुवा। जिसमें जीन-एरिक वेर्ने इस मुख्य कार रेस के विजेता घोषित हुए। जिसमें न्यूजीलैंड के निक कैसिडी (एनविज़न रेसिंग टीम) दूसरे स्थान पर बने रहे, जबकि स्विस रेसर सेबेस्टियन बुमेई (एनविज़न रेसिंग टीम) तीसरे स्थान पर बने रहे। जिसमें यह भी बताया गया कि, फ्रेंचमैन जीन-एरिक वेर्ने दो बार का फॉर्मूला-ई वर्ल्ड चैंपियन रहे है। हैदराबाद ग्रां प्री रेस में वेर्ने ने अमेरिकी टीम डीएस पेन्स के की ओर से रिंग में एंट्री की। फ़ॉर्मूला-ई रेस 2014 में शुरू हुई थी और तब से वेर्ने इस रेसिंग लीग में अग्रणी रेसर्स में से एक है। ग्रेटर हैदराबाद में आज आयोजित दौड़ में भारत की महिंद्रा और जगुआर टीसीएस रेसिंग टीमों ने भी भाग लिया। महिंद्रा रेसिंग टीम के ओलिवियर रोलैंड छठे स्थान पर रहे जबकि इसी टीम के लुकास डि ग्रासी 14वें स्थान पर रहे। इस बीच, जगुआर टीसीएस रेसिंग टीम उतनी भाग्यशाली नहीं रही। टीसीएस रेसिंग टीम के सैम बर्ड ने मिच इवांस की कार को अपनी कार से टक्कर मार दी। इसके चलते इन दोनों कारों को रेस से बाहर रखा गया। इस बारे में, अगली फॉर्मूला-ई रेस दो सप्ताह में दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में आयोजित की जाएगी।

आंप्र मंत्री अमरनाथ हैदराबाद में जारी फॉर्मूला-ई कार रेस में शामिल

मंत्री केटीआर से भी मुलाकात कर ई-कार रेसिंग की तारीफ की

हैदराबाद,11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आं.प्र. राज्य मंत्री गुडीवाडा अमरनाथ हैदराबाद के फॉर्मूला-ई कार रेस में शामिल हुए। इस संदर्भ में, हैदराबाद में आयोजित फॉर्मूला-ई ग्रां प्री कार रेसिंग में आंध्र प्रदेश मंत्री गुडिवाड़ा अमरनाथ भी शामिल हुए तथा उन्होंने गैलरी से इस प्रतिष्ठित इलेक्ट्रिक कार रेसिंग को देखकर आनंद उठाया। इस दौरान राज्य मंत्री जी. अमरनाथ ने तेलंगाना राज्य मंत्री केटीआर से भी मुलाकात कर ई-कार रेसिंग की तारीफ की। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए मंत्री गुडिवाड़ा अमरनाथ ने कहा कि हमें गर्व महसूस हो रहा है कि हैदराबाद को फॉर्मूला-ई रेसिंग इवेंट के आयोजन से हैदराबाद महानगर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। साथ ही उन्होने कहा कि. हैदराबाद शहर को तेलुगु लोगों का गंगा जमुना संगम नामक शहर कहा जाता है। जिसमें उन्होंने आगे कहा कि फॉर्मूला रेस के आयोजन की दिशा में आंध्र प्रदेश का भी विकास किया जाएगा। यही नहीं विशाखापत्तनम को हैदराबाद शहर की तरह विकसित किया जाएगा।

वैजाग स्टील प्लांट में अग्नि दुर्घटना, 10 घायल

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वैजाग स्टील प्लांट में स्टील मेल्टिंग प्वाइंट-2 विंग में हुई दुर्घटना में 10 कर्मचारी घायल हो गए। जानकार सूत्रों के अनुसार, दुर्घटना उस समय हुई जब एसएमएस-2 से गर्म धातु ले जाया जा रहा था और पानी के संपर्क में आ गया, जिससे कन्वेयर बेल्ट जल गया। हालांकि कोई मौत नहीं हुई, लेकिन कुछ कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए सेवन हिल्स अस्पताल ले जाया गया। कम गंभीर चोटें झेलने वाले अन्य श्रमिकों को चिकित्सा के लिए स्टील प्लांट के सामान्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

घटना से घायल होने वालों में उप महाप्रबंधक अनिल पाहीवाला, वरिष्ठ प्रबंधक जयकुमार, तकनीशियन ईश्वर नायक, चार्जमैन पांडा साहू, और ठेका कर्मचारी बंगारैया, अप्पलाराजू, श्रीनू, पोटैया और सुरीबाबू, उन घायलों में शामिल हैं, जिन्हें विशाखापत्तनम स्टील जनरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

दुर्घटना के जवाब में, अधिकारियों ने कहा है कि वे वर्तमान में घटना की जांच कर रहे हैं और बारीकियों का खुलासा करने के लिए जानकारी एकत्र कर रहे हैं।

हालाँकि, प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि धातु को गलती से एक करछुल के माध्यम से ले जाया गया था, जिससे दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। ट्रेड यूनियन नेताओं ने घटना पर चिंता व्यक्त की है और गहन जांच की मांग की है।

नकली दूध की बिक्री पर लगाम लगाने के लिए विशेष अभियान : तलसानी

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन मंत्री टी. श्रीनिवास यादव ने कहा कि राज्य भर में निजी डेयरियों द्वारा नकली दूध की बिक्री को रोकने के लिए शीघ्र ही स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। मार्च से जुलाई तक कम उत्पादन वाले सीजन के दौरान तेलंगाना में प्रतिदिन 56.51 लाख लीटर का उत्पादन हो रहा था। उन्होंने कहा कि अगस्त से फरवरी तक फ्लश सीजन के दौरान उत्पादन बढ़कर 90 लाख लीटर प्रतिदिन हो जाता है, उन्होंने कहा कि राज्य की कुल दूध की आवश्यकता 116.69 लाख लीटर प्रतिदिन है। कुछ निजी डेयरियों द्वारा नकली दूध की बिक्री पर विधानसभा में बीआरएस विधायक जी वेंकट रमना रेड्डी के एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि इस तरह की अनियमितताओं को रोकने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाएगा।

विजया डेयरी की विस्तार योजनाओं पर, मंत्री ने कहा कि सरकार रंगारेड्डी के इमरथ कांचे, रविरयाल गांव में 5 लाख लीटर प्रति दिन की क्षमता (प्रति दिन 8 लाख लीटर तक बढ़ाई जा सकती है) के साथ एक ग्रीन फील्ड मेगा डेयरी प्लांट स्थापित कर रही है। इसे 246.4 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एनडीडीबी की सहायता से डीआईडीएफ योजना के तहत स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसे इस साल अगस्त में खोला जाएगा।

नलगोंडा जिला परिषद बैठक में हंगामे का नजारा

नलगोंडा, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के उल्लंघन और स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों को कम करके स्थानीय विधायकों के वर्चस्व को लेकर जिला परिषद की आम सभा की बैठक के दौरान शनिवार को राजनीतिक लाइन से ऊपर उठकर जेडपीटीसी और एमपीटीसी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। ज़िला परिषद के अध्यक्ष बंडा नरेंद्र रेड्डी की अध्यक्षता में और जिला कलेक्टर टी. विनय कृष्ण रेड्डी की उपस्थिति में हुई बैठक में नाकरेकल मंडल परिषद की अध्यक्ष (एमपीपी) बचुपल्ली श्रीदेवी ने कहा कि उन्हें प्रोटोकॉल के अनुसार सरकारी कार्यक्रमों में प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। उन्होंने स्थानीय विधायक द्वारा हस्तक्षेप का भी आरोप लगाया और नाकरेकल एमपीडीओ एन. लक्ष्मा रेड्डी के स्थानांतरण की भी मांग की। पेद्दावूरा एमपीपी चेन्नू अनुराधा ने भी इसी तरह के आरोप लगाए हैं, कई अन्य एमपीपी और जेडपीटीसी ने भी अपनी चिंता व्यक्त की है। मामले में हस्तक्षेप करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि वह सरकारी कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश देंगे।

केटीआर ने हैदराबाद में अपनी पहली फॉर्मूला ई रेस की मेजबानी पर खुशी जताई

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद अपनी पहली फॉर्मूला ई रेस की जमकर मेजबानी की। आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामाराव इस आयोजन को लेकर रोमांचित रहे। हाल ही में एक बयान में, केटीआर ने इस आयोजन का समर्थन करने और इसे सफल बनाने के लिए बड़ी संख्या में बाहर आने के लिए तेलंगाना के लोगों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त किया। केटीआर ने इसके कारण उत्पन्न हुई समस्याओं को स्वीकार किया और नागरिकों से माफी मांगी।

अब तक 33,60,301 लोगों की आंखों की जांच हो चुकी

कंटी वेलुगु कार्यक्रम लोगों की मदद में अव्वल

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कंटी वेलुगु के माध्यम से कई लोगों के जीवन शैली में बदलाव आ रहा है। नलगोंडा शहर के पास भास्करला बावी गांव में रहने वाले मुरली का जीवन सिलाई से चलता है। सिलाई के काम से होने वाली आमदनी से जीवन यापन करने वाले मुरली ठीक से देख नहीं पाते थे। इसके साथ ही आंखों की समस्या के चलते वह दिन में केवल दो से तीन घंटे ही काम करते थे। आमदनी कम होने के कारण परिवार का भरण-पोषण करना भी मुश्किल हो रहा था। वह पास के नलगोंडा शहर में जाकर किसी नेत्र रोग विशेषज्ञ को दिखाने का जोखिम भी नहीं उठा सकते थे। इस पृष्ठभूमि में, राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा घोषित और कार्यान्वित कंटी वेलम कार्यक्रम मुरली के लिए उम्मीद का किरण बनकर आ गया। उन्होंने अपने गांव में लगे नेत्र ज्योति चिकित्सा शिविर में जाकर जांच कराई और मौके पर ही उन्हें 2.5 प्वाइंट रीडिंग ग्लास दिया गया। उसने खुशी-खुशी कहा कि वह इन चश्मों से साफ देख सकते है और इन आंखों के रोशनी वाले चश्मों से रोजाना दस घंटे से ज्यादा काम करके वह मोटी कमाई कर रहे है। मुरली ने इतना अच्छा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सीएम केसीआर का आभार व्यक्त किया कि इस अद्भुत नेत्र ज्योति कार्यक्रम से उन जैसे कई गरीब लोगों के जीवन में रोशनी आई है। सिरिसिल्ला जिले के वीरनापल्ली गांव की चंद्रकला नाम की एक महिला के शब्दों में आंखें धुंधली सी लगती थीं। खेत में काम करने में दिक्कत होती थी। अस्पताल में दिखाएंगे तो पैसा नहीं है। मुझे लगा कि मेरी जान चली जाएगी। सरकार के कंटी वेलुगु से मेरी आँखों की समस्या दूर हो गई। जोगुलम्बा गडवाल जिले में, बड़ी संख्या में ग्रामीण कंटी वेलुगु शिविरों में भाग ले रहे हैं क्योंकि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाती हैं और मौके पर ही चश्मा प्रदान किया जाता है। दूर-दराज के गांवों में अनुभवी नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा चलाए जा रहे अत्याधुनिक उपकरणों से संचालित नेत्र शिविरों में लोग उमड़ रहे हैं, जो दवा के मामले में गंभीर रूप से उपेक्षित हैं, और आंखों से संबंधित बीमारियों के लिए उचित चिकित्सा सलाह लेते हैं, चश्मा लगाते हैं, और जिन्हें जरूरत है उनके लिए रेफरल चश्मा प्राप्त करें। इस प्रकार, कांटी वेलम कार्यक्रम को राज्य के सभी 33 जिलों में शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों का कहना है कि कंटी वेलुगु के इस दूसरे चरण के कार्यक्रमों में रिकॉर्ड स्तर पर आंखों की जांच कराई जाएगी और विश्व रिकॉर्ड हासिल किया जाएगा। गांवों, नगरपालिका वार्डों, सचिवालय, विधान सभा, डीजीपी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों और क्षेत्रों के अलावा जहां लोगों का बड़ा समूह है, इन नेत्र प्रकाश शिविरों का विशेष रूप से आयोजन किया जाता है।

परियोजनाओं के निरीक्षण के लिए कांग्रेस विधायकों के दौरे की व्यवस्था करने को सरकार तैयार : हरीश राव

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना में कालेश्वरम और अन्य सिंचाई परियोजनाओं के विकास कार्यों का निरीक्षण करने के लिए कांग्रेस विधायकों के दौरे की व्यवस्था करने के लिए तैयार है। शनिवार को यहां विधानसभा में सिंचाई परियोजनाओं पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक बट्टी विक्रमार्क ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तहत लगभग 18 लाख एकड़ जमीन को सिंचाई सुविधा देने का वादा किया है, लेकिन वह वितरण नहरों का निर्माण करने में विफल रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने विपक्षी दल के नेताओं को कालेश्वरम परियोजना के कार्यों का निरीक्षण करने की भी अनुमति नहीं दी और कार्यों के निरीक्षण की अनुमति से इनकार कर दिया। भट्टी विक्रमार्क की टिप्पणी का जवाब देते हुए, मंत्री हरीश राव ने कहा कि गोदावरी नदी में पिछले साल अभूतपूर्व बाढ़ आई थी और बाढ़ के कारण कुछ लिफ्ट सिंचाई परियोजनाएं जलमग्न हो गईं। अधिकारियों ने महसूस किया कि बाढ़ के दौरान परियोजनाओं का दौरा करने का यह सही समय नहीं था और उन्होंने परियोजनाओं का दौरा करने की अनुमति से इनकार कर दिया था।

हरीश राव ने कहा कि अगर कांग्रेस विधायक कालेश्वरम और अन्य परियोजनाओं का निरीक्षण करना चाहते हैं, तो राज्य सरकार अनुमति देने के लिए तैयार है और संदेह को स्पष्ट करने के लिए अपने दौरे के दौरान अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति करेगी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

By virtue of an affidavit # 63AA470617, sworn before Executive Magistrate, Bhubaneswar, I Bibhuti Bhusan Mishra S/O Late Priya Sundar Mishra, residing at Flat 1105, Tower 14,Prajay Megapolis, KPHB Ph 9, hereby affirm that my name is incorrectly updated in my passport. That, 'Bibhuti Bhusan Harichandan Mishra' and 'Bibhuti Bhusan Mishra' are one and the same person.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बंडा प्रकाश ने परिषद उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी बंडा प्रकाश मुदिराज ने विधान परिषद के उपसभापति पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। मंत्री केटी रामाराव, हरीश राव, येर्राबेल्ली दयाकर राव, महमूद अली, सत्यवती राठौड़ और वेमुला प्रशांत रेड्डी और एमएलसी मधुसूदन चारी और गंगाधर गौड़ और विधायक नन्नापुनेनी नरेंद्र, एमएलसी बंदा प्रकाश की उपस्थिति में यहां विधानसभा सचिव नरसिंहाचार्य को नामांकन पत्र सौंपा गया।

विधान परिषद के उपसभापति का पद पूर्व एमएलसी नेती विद्यासागर का कार्यकाल तीन जून 2021 से समाप्त होने के बाद से रिक्त है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने परिषद के उपाध्यक्ष पद के लिए बंडा प्रकाश के नाम को अंतिम रूप दिया। चूंकि बीआरएस के पास परिषद में बहुमत है, इसलिए प्रकाश के बिना किसी चुनौती के चुनाव जीतने की संभावना है।

आईटीडीए द्वारा 77 आंगनवाड़ी केंद्रों को मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा

कोत्तागुडेम, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंटीग्रेटेड ट्राइबल डेवलपमेंट एजेंसी (आईटीडीए) ने जिले के नौ भद्राचलम एजेंसी मंडलों में आंगनवाड़ी केंद्रों को मॉडल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। अधिकारियों ने इस उद्देश्य के लिए आवश्यक सामग्री की खरीद के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं। प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना के तहत 77 आंगनवाड़ी केंद्रों में बुनियादी ढांचा विकसित करने की योजना है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण जनजातीय आबादी वाले गांवों को आदर्श गांवों में बदलना है। आईटीडीए के सहायक परियोजना अधिकारी (एपीओ-जनरल) डेविड राजू ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र 16 प्रकार के बच्चों के खिलौने, कुकवेयर, शैक्षिक वस्तुओं, बच्चों के लिए टेबल और कुर्सियों और सामान रखने के लिए अलमारी से सुसज्जित होंगे। जहां स्थायी भवन हैं, वहां टेलीविजन सेट लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं के लिए बैठने की व्यवस्था की जाएगी ताकि जब भी वे आंगनवाड़ी केंद्रों का दौरा करें तो आसानी से बालमृतम ले सकें।

नकली कपास बीज की तस्करी के आरोप में तीन गिरफ्तार

मनचेरियल, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तांडूर मंडल के बोयापल्ली गांव में धान के अनाज के परिवहन की आड़ में कपास के नकली बीजों की तस्करी के आरोप में टास्क फोर्स ने शुक्रवार रात तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से दो वाहन व पांच क्विंटल बीज जब्त किया गया है। बीज की कीमत 10 लाख रुपये आंकी गई है। दो अन्य आरोपी फरार हैं। रामगुंडम टास्कफोर्स इंस्पेक्टर ए. अशोक ने कहा कि आरोपी व्यक्ति श्रीरामुला नवीन, ओदनाला राकेश और मोरला वेंकट स्वामी हैं। रेचिनी के बीज व्यापारी कोडिपाका रंजीथ और गंडला महेश अभी भी फरार हैं। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोग रंजीत और महेश से बीज खरीद रहे थे और इसे बेलमपल्ली विधानसभा क्षेत्र में किसानों को बेचने जा रहे थे।

नवादा में ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार को रौंदा, इलाज के दौरान मौत

नवादा, 11 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के नवादा में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है. घटना जिले के रतोई मोड़ के पास की है. जहां तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक की बुरी तरह घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है. परिजनों ने ट्रैक्टर चालक पर जानबूझकर हत्या करने के उद्देश्य से टक्कर मारने का आरोप लगाया है. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

यूपी में ब्रह्मोस ही नहीं आने वाले वक्त में बनेंगे सैटेलाइट

लखनऊ, 11 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यूपी में डिफेंस कॉरिडोर देश को रक्षा के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा प्रयास है। यहां पर आने वाले वक्त में सैटेलाइट भी बनेंगे। राजनाथ सिंह ने यूपी जीआईएस 23 के दौरान 'एडवांटेज उत्तर प्रदेश : डिफेंस कॉरिडोर' विषय पर आधारित महत्वपूर्ण सत्र को संबोधित कर रहे थे। कहा कि जो उत्तर प्रदेश कभी देश की अर्थव्यवस्था को बट्टा लगाता था, आज वही इस देश का ग्रोथ इंजन बन चुका है। हमारी रक्षा व्यवस्था का पूरी तरह भारतीयकरण तभी संभव है जब हम इक्यूपमेंट, पाट्र्स और मैन्यूफैक्च रिंग में भी स्वदेशी तकनीक और सामान का प्रयोग करें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यूपी में किसी भी ऊंचाई तक जाने का पूरा सामथ्र्य है। मैं इस प्रदेश की क्षमताओं से भली भांति परिचित हूं। आने वाले समय में यूपी का डिफेंस कॉरिडोर देश की सामरिक शक्ति का बैकबोन साबित होगा। आज यूपी में लॉ एंड ऑर्डर पर विशेष और उल्लेखनीय उपलब्धि मिली है। इंफ्रास्ट्रक्च र, कनेक्टीविटी पर बहुत तेज गति से काम हुआ है। पहले यहां की व्यवस्था कैसी थी हम सब जानते हैं। योगी सरकार ने आज यूपी को निवेश के लिए पूरी तरह से अनुकूल बना दिया है। यूपी डिफेंस के क्षेत्र में भारत सरकार के विजन को धरातल पर उतारने का कार्य करेगा। यह डिफेंस कॉरिडोर भारत के रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने वाला और ऊंचाई प्रदान करने वाला रनवे साबित होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए सुरक्षा सबसे जरूरी चीज है। कला, संस्कृति, ज्ञान के मामले वही समाज आगे होते हैं जो सुरक्षित होते हैं। वह दिन दूर नहीं जब सुरक्षा के क्षेत्र में भारत पूरी तरह आत्मनिर्भर होगा। इस अवसर पर सीडीएस जनरल अनिल चौहान, रिटायर्ड एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने विचार व्यक्त किए। सत्र में यूपीईडा के सीईओ अरविंद कुमार, पीटीसी इंडस्ट्रीज लि के एमडी सचिन अग्रवाल, रिटायर्ड एयर मार्शल डी सी कुमारिया, जेंसर ऐरोस्पेस के एमडी अरुणाकर मिश्र, आईआईटी टेक्नोपार्क के सीईओ जीएम कामथ, सिडनी यूनिवर्सिटी के सलवास्टोर बाबोन, रिटायर्ड कर्नल के वी कुबेर मौजूद रहे।

काली मंदिर के गर्भगृह का ताला तोड़ लाखों की चोरी

सीसीटीवी भी साथ ले गए चोर

मधुबनी, 11 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के मधुबनी में अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर काली प्रतिमा के चांदी वाले दो मुकुट, एक छतरी और सीसीटीवी का पूरा सेट सहित 20 हजार की नगद राशि चोरी कर ली. घटना कलुआही थाना क्षेत्र के कालिकापुर काली मंदिर की है. ग्रामीणों ने बताया कि 2 साल के अंदर इस मंदिर में तीन बार चोरी की घटना हुई है. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है. पहले भी हो चुकी है काली मंदिर में चोरीः ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी दो बार गकालिकापुर काली मंदिर में चोरी हो चुकी है, लेकिन अभी तक एक भी चोरी की घटना का उद्भेदन कलुआही पुलिस नहीं कर पाई है. मंदिर के पुजारी दुखमोचन झा ने बताया की रोज कि तरह 8 बजे आरती करने के बाद करीब 9 बजे वे घर चले गए. अहले सुबह 4 बजे जब मंदिर परिसर में पहुंचे तो देखा कि मंदिर के गर्भगृह का दोनों ताला को काटकर चोरों ने नीचे रख दिया था. पुजारी ने काली की मूर्ति से चांदी के मुकुट और छतरी गायब पाया.

जेडीयू नेता की गोलियों से भूनकर हत्या

बर्थडे पार्टी से लौटने के बाद अपराधियों ने घर के बाहर किया शूट

गया, 11 फरवरी (एजेंसियां)। जेडीयू जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की अपराधियों ने घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी है. घटना शुक्रवार की देर रात की है. सुनील कुमार सिंह और जेडीयू जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल अपने किसी दोस्त के यहां हुए बर्थडे पार्टी से वापस लौट रहे थे. इसी दौरान अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग करते सुनील को मौत के घाट उतार दिया. घायल सिंह को इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई है. मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भुसुंडा गांव में उनका आवास है.

बर्थडे पार्टी से लौटने के दौरान मारी गोली

जेडीयू प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने बताया कि दोनों साथ में ही अपनी बाइक से बर्थडे पार्टी में गए थे. पार्टी के बाद दोनों वापस लौट रहे थे. सुनील कुमार सिंह का घर गांव में पहले है तो वह अपने घर के पास रुक गए. अवध बिहारी पटेल अपने घर के लिए आगे बढ़े तभी फायरिंग की आवाज सुनाई दी. फायरिंग की आवाज सुनकर उसने सुनील कुमार सिंह के मोबाइल पर फोन किया तब पता चला कि बाइक तो घर में लगी है, लेकिन वह घर नहीं पहुंचे है. वह दौड़ कर सुनील कुमार सिंह के घर पहुंचे तो देखा कि गोली लगी है और वह बुरी तरह खून से लथपथ हैं. उनको तुरंत इलाज के लिए एएनएमएमसीएच लाया गया जहां इलाज के क्रम में मौत हो गई है.

वेलेंटाइन वीक के दौरान ऑनर किलिंग, बहन के प्रेमी की सरेबाजार गोली मारकर हत्या

मेरठ, 11 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के मेरठ में वेलेंटाइन वीक के दौरान आशिक की गोली मारकर हत्या से हड़कंप मच गया. झूठी शान की खातिर प्रेमिका के भाइयों ने प्रेमी की सरे बाजार गोली मारकर हत्या कर दी. हत्याकांड पर जब पुलिस इन्वेस्टिगेशन हुई तो लड़की ने भाइयों की करतूत बयां कर दी. फिलहाल पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. घटना मेरठ के थाना लिसाड़ी के क्षेत्र की है, जहां सरे बाजार मेडिकल स्टोर संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे.

पुलिस अधिकारियों ने जब पूछताछ की और मृतक का मोबाइल फोन खंगाला तो फिर गर्लफ्रेंड का पता चल गया. गर्लफ्रेंड से पूछताछ हुई तो उसने इन्वेस्टिगेशन के दौरान भाइयों की करतूत बता डाली. पुलिस अधिकारियों ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं मुख्य आरोपी समेत दो की तलाश अभी जारी है. बता दें कि आयशा और साकिब की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी. दोनों के बीच डेढ़ साल तक प्रेम प्रसंग चलता रहा, लेकिन मुस्लिम समुदाय की अलग-अलग जातियों से ताल्लुक रखने वाले प्रेमी प्रेमिका का रिश्ता घरवालों को मंजूर नहीं था. लड़की के घर वालों ने कई बार आयशा को पीटा और अब सूरत में काम करने वाले भाई ने अन्य लोगों के साथ मिलकर मेरठ आकर प्रेमी साकिब की हत्या की वारदात को अंजाम दे डाला. फिलहाल पुलिस इस मामले में सबूत जुटा रही है. एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. अन्य दो आरोपियों की तलाश जारी है.

अखिलेश यादव को चुभेगी गृह मंत्री अमित शाह की ये बात

याद दिलाए सपा सरकार के कारनामे

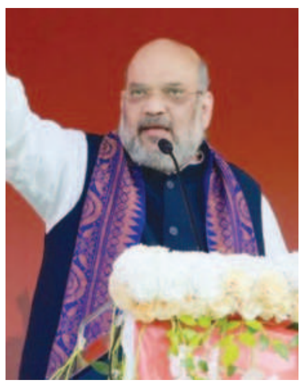

लखनऊ, 11 फरवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर जुबानी हमले किए हैं. लखनऊ में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के उद्घाटन के बाद उन्होंने सपा प्रमुख पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा, राज्य में 'उद्योग' और 'निवेश' के लिए अनुकूल वातावरण बना हुआ है. केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, भाजपा की सरकार में उत्तर प्रदेश में पांच वर्षों में जो परिवर्तन आया है, वह समग्र देश के लिए शुभ है. जब तक उत्तर प्रदेश का विकास नहीं होगा, तब तक हमारा देश बहुत आगे नहीं बढ़ सकता है. गृह मंत्री ने अपने संबोधन में पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए बिना नाम लिए कहा, ''पहले सरकार लखनऊ के बजाय दिल्ली में उत्तर प्रदेश के लिए निवेशक सम्मेलन आयोजित करती थी.''

यूं कसा अखिलेश यादव पर तंज

गृह मंत्री ने तंज करते हुए सवाल किया कि ''कोई उत्तर प्रदेश में निवेश कैसे कर सकता है अगर वह उत्तर प्रदेश नहीं आ सकता है?'' अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा, ''सबसे पहले मैं योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की उप्र सरकार को साधुवाद देना चाहता हूं जिन्होंने यूपी में निवेश लाने के लिए इस सम्मेलन का आयोजन किया. यह तीन दिन आगामी तीन वर्षों के लिए बहुत शुभ और फलदायी होने वाले हैं.'' उन्होंने कहा, राज्य में योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार पारदर्शी तरीके से चल रही है, एक भी आरोप हमारी सरकार पर नहीं है. इसके साथ-साथ उत्तर प्रदेश ने त्वरित फैसले लेने का माद्दा दिखाया है और त्वरित फैसले लिए हैं.किसी भी राज्य यदि उद्योग लाना है, उसे उत्पादन का केंद्र बनाना है, वहां निवेश लाना है तो उसकी पांच योग्यताएं होनी चाहिए. शाह ने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शी तरीके से चलनी चाहिए और पांचवां राज्य के मंत्रिमंडल में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए.

'लड़की हूं लड़ सकती हूं'

प्रियंका गांधी ने जमा कराई महिला ऑटो चालक की बेटी की फीस, पढ़ाई की ली थी जिम्मेदारी

गोरखपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने गोरखपुर की महिला ऑटो चालक कुंती देवी की बेटी मोनी पटेल के स्कूल की फीस जमा करवाई। ''लड़की हूं लड़ सकती हूं'' अभियान के दौरान गोरखपुर में कुंती देवी ने प्रियंका गांधी को गरीबी की वजह से बेटी की पढ़ाई छूटने के बारे में जानकारी दी थी। इसके बाद प्रियंका गांधी ने उसकी बेटी की पढ़ाई का जिम्मेदारी ले ली थी। अक्तूबर 2021 में प्रियंका गांधी चुनावी मुहिम लड़की हूं लड़ सकती हूं के तहत गोरखपुर पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने कुंती देवी से मुलाकात की थी। दरअसल इसके पहले सलमान खुर्शीद कांग्रेस के घोषणापत्र संवाद के दौरान गोरखपुर में ऑटो चालक कुंती देवी के ऑटो में बैठे थे और उनसे बातचीत की थी। इस दौरान कुंती देवी ने गरीबी की वजह से बेटी की पढ़ाई छूटने की जानकारी दी थी। इसके बाद सलमान खुर्शीद ने इसकी जानकारी प्रियंका गांधी को दी थी। इसके बाद प्रियंका गांधी ने चुनावी सभा के दौरान गोरखपुर में कुंती देवी से मुलाकात की और पढ़ाई का सारा जिम्मा ले लिया। इसी क्रम में कुंती देवी की बेटी प्रियंका पटेल की दूसरे साल की फीस (9600 रुपये) जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान के माध्यम से सरस्वती गुलाब इंटर कॉलेज में जमा कराई। इस दौरान जिला प्रशासन प्रभारी तौकीर आलम, जंगल कौड़िया के ब्लॉक अध्यक्ष इरफान अहमद पीपीगंज के नगर अध्यक्ष हरीश चंद्र गुप्ता प्रमोद पाल, हजारीलाल जायसवाल आदि मौजूद रहे।

बीजेपी और सपा में फिर बढ़ेगी तकरार

भतीजे अखिलेश यादव को लेकर चाचा शिवपाल ने दी चेतावनी

लखनऊ, 11 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बीजेपी और समाजवादी पार्टी नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है. रामचरितमानस विवाद समेत तमाम मुद्दों पर दोनों पार्टियों के नेताओं में जमकर बयानबाजी हो रही है. अब शिवपाल सिंह यादव ने अखिलेश यादव को लेकर बीजेपी को सीधे चेतावनी दी है. दरअसल, सपा प्रमुख बीते दिनों लगातार कार्यकर्ताओं के बीच जा रहे हैं.

इस दौरान कुछ जगहों पर उन्हें काला झंडा दिखाया गया. काला झंडा दिखाए जाने के बाद दोनों पार्टी के नेताओं में जुबानी जंग देखने को मिली. लेकिन इस बीच शिवपाल यादव की प्रतिक्रिया आई. उन्होंने इस मामले में बीजेपी को सीधे तौर पर चेतावनी दी है. सपा नेता ने कहा, हम काले झंडे दिखाने पर उतरे तो पता चल जाएगा.

जेल ट्रांसफर के मामला में प्रतिक्रिया

जबकि हत्यारोपी आरपी यादव के जेल ट्रांसफर होने पर शिवपाल यादव ने कहा, सपा कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे किए जा रहे हैं. मेरे पत्र के बाद सपा नेता को एक जेल से दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया. मेरी सरकार आने दीजिए काम करने का तरीका सिखाएंगे. हालांकि इस दौरान वे स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान से खुद को अलग करते नजर आए. हालांकि ये पहला मौका नहीं है जब सपा नेता ने बीजेपी को चेतावनी दी है. इससे पहले भी उन्होंने डिंपल यादव पर अभद्र टिप्पणी को लेकर कहा था, हम 99 बार तक देख रहे हैं, 99 पार हुआ उसके बाद नहीं बर्दाश्त करेंगे. बीजेपी राजनीति में स्वस्थ्य परंपराओं को खत्म कर रही है. तब उन्होंने महाभारत के युद्ध की भाषा में चेतावनी दी थी. बता दें कि शिवपाल यादव सपा के साथ फिर से साथ आने के बाद बीजेपी के खिलाफ जमकर निशाना साध रहे हैं.

4 दिन बाद छपरा में इंटरनेट सेवा बहाल

मृतक की मासूम पुत्री के जवाब से नेता भी मर्माहत

छपरा, 11 फरवरी (एजेंसियां)। दो फरवरी को बिहार के छपरा स्थित मांझी में हुए हत्याकांड को आज दस दिन बीत चुके हैं. अब जाकर मुबारकपुर गांव में स्थिति सामान्य हो रही है. वहीं 4 दिन से बंद इंटरनेट सेवा भी दोबारा बहाल कर दी गई है. उधर मृतक के घर में अभी भी मातमी सन्नाटा छाया हुआ है. मृतक अमितेश सिंह का आज दर्शकर्म है. बूढ़ा बाप सदमे में है, घर परिवार के लोग काफी दुखी हैं लेकिन इन दुखों से कोई अलग है तो मृतक अमितेश सिंह की एक मात्र पुत्री अमृता. जिसे अहसास भी नहीं है कि हुआ क्या है और उसके घर पर इतनी भीड़ क्यों है. मृतक के घर पर लोगों की भीड़ः मृतक अमितेश सिंह के घर पुलिस, नेताओं और लोगों की भीड़-भाड़ के बीच घर वालों के चहरे गमगीन हैं.

बेगूसराय में अपराधियों ने बिजली दुकानदार को किया गोली से छलनी

बेगूसराय, 11 फरवरी (एजेंसियां)। बेगूसराय में बैखौफ तीन अपराधियों ने एक बिजली दुकानदार को गोली से छलनी कर दिया। घटना फुलवरिया थाना क्षेत्र के राजेंद्र रोड स्थित कृष्णा ट्रेडर्स की है। मृतक राजेंद्र रोड निवासी श्याम सुंदर लोहारिका के पुत्र कृष्णा कुमार(37) थे। प्रत्यक्षदर्शी अब्दुल वाहिद ने बताया कि वह कृष्ण कुमार का स्टाफ है। मृतक कृष्णा अपनी दुकान बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहे थे। तभी एक बाइक पर सवार तीन अपराधी वहां पहुंचे। बाइक से दो अपराधी दुकान पर आए और रुपया की मांग करने लगे। अचानक इस तरह से अपराधियों के द्वारा करने से कृष्णा डर गए। भयभीत कृष्णा जैसे ही जेब से रुपये निकालने लगे, तभी उन दोनों अपराधियों ने उनपर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शी अब्दुल वाहिद ने बताया कि अपराधियों ने लगभग 8 से 10राउंड फायरिंग किए।अचानक फायरिंग होते ही आसपास के दुकानदार दुकान बंद कर भागने लगे।

वहीं बेखौफ अपराधी हत्या कर हथियार लहराते हुए घटनास्थल से फरार हो गए। कृष्णा कुमार के शरीर में पांच गोली लगी है। गोली लगते ही कृष्णा कुमार सड़क पर गिर पड़े। घायलावास्था में आसपास के लोगों ने उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

डगमगा रही है नीतीश की नाव

सरकार में शामिल होना होता तो कल ही शपथ ले लेते: प्रशांत किशोर

पटना, 11 फरवरी (एजेंसियां)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की नाव डगमगा रही है. इसी के साथ प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि सरकार में अगर शामिल होना होता तो एक फोन करते और कल ही शपथ ले लेते. बता दें कि बिहार में प्रशांत किशोर जन सुराज पदयात्रा निकाल रहे हैं. इसी के तहत वे सीवान जिले के गोरेयाकोठी में जनता को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान किशोर ने कहा कि बहुत लोगों को लगता है कि प्रशांत किशोर सरकार में आना चाहते हैं. अगर मुझे सरकार में आना होता तो इसके लिए मुझे पैदल चलने की कोई जरूरत नहीं थी. एक फोन करने पर सरकार में आ जाएंगे. उन्होंने कहा कि अभी नीतीश कुमार की नाव डगमग हो रही है. बेचारे रोज मुझे बोलते हैं. कैसे भी मदद कीजिए. उन्होंने आगे कहा कि अगर सरकार में जाना होगा तो कल ही सरकार में आ जाएंगे. यह सरकार बनाने का अभियान नहीं है. यह व्यवस्था को बदलने का अभियान है. प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर बिहार को सुधारना है तो बिना समाज को जगाए हुए बिहार को नहीं सुधार सकते हैं. इसलिए सब कुछ दांव पर लगाकर, अपना घर-परिवार और ऐशो-आराम छोड़कर यह काम करने निकले हैं, ताकि बिहार में एक नई व्यवस्था बनाई जा सके.

पहले भी कई मुद्दों को लेकर बात कर चुके हैं प्रशांत किशोर

बता दें कि इससे पहले प्रशांत किशोर ने गोपालगंज के चैनपट्टी गांव में कहा था कि आप अगर अपने बच्चों की चिंता नहीं करेंगे तो दुनिया में कोई आपके बच्चे की चिंता नहीं करेगा. पांच वर्ष जनता बैठकर शिक्षा और रोजगार से जुड़ी समस्याओं पर बातचीत करती है, लेकिन जिस दिन मतदान होता है, उस दिन जनता सब भूल जाती है. उन्होंने कहा था कि वोट सिर्फ जाति और धर्म के नाम दिया जाता है, जो जात से बच जाते हैं, वह हिंदू-मुसलमान, चीन-पाकिस्तान और पुलवामा के नाम पर वोट देते हैं. प्रशांत किशोर ने पिछले लोकसभा चुनाव की याद दिलाते हुए कहा था कि जिस नेता को चुनाव से पहले तक जनता गाली दे रही होती है, उसी नेता को जनता सब भूलकर वोट दे आती है. उन्होंने यह भी कहा था कि लोगों ने मोदी जी के नाम पर, पाकिस्तान और पुलवामा के नाम पर वोट दिया, जब पुलवामा और पाकिस्तान के नाम पर वोट दीजिएगा तो आपके गांव में स्कूल कैसे बनेगा.

रोज 11 बजे जेल में अब्बास अंसारी से मिलने जाती थीं पत्नी निकहत बानो

जेलर समेत 7 पर एफआईआर

लखनऊ, 11 फरवरी (एजेंसियां)। चित्रकूट जेल में बंद अब्बास अंसारी से उसकी पत्नी की अवैध मुलाकात मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. मामले में चित्रकूट कोतवाली में गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है. विधायक अब्बास अंसारी, उसकी पत्नी निकहत बानो, ड्राइवर नियाज, जेल अधीक्षक अशोक कुमार सागर, डिप्टी उप कारागार अधीक्षक सुशील कुमार, कांस्टेबल जगमोहन और ड्यूटी पर तैनात जेल कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है. सब इंस्पेक्टर श्यामदेव सिंह ने यह एफआईआर दर्ज कराई गई है. एफआईआर के मुताबिक रोज दिन में 11:00 बजे निकहत जेल में अब्बास अंसारी से मुलाकात करने जाती थी. रोजाना 3 से 4 घंटे तक दोनों की जेल में मुलाकात होती थी. पत्नी के मोबाइल से गवाहों और अफसरों को धमकाने का आरोप भी लगा है. आरोप है कि जेल अफसरों और कर्मचारियों ने तमाम तरह की मदद और आराम अब्बास अंसारी को मुहैया कराया. डीजी जेल आनंद कुमार ने बताया कि मामले में सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी. एफआईआर के मुताबिक जेल प्रशासन के साथ सांठगांठ के तहत मुलाक़ात पिछले कई दिनों से हो रही थी. मुलाकात के लिए रजिस्टर में भी कोई एंट्री नहीं होती थी. डीएम और एसपी के छापे में इस बात का खुलासा हुआ. जिसके बाद निकहत को जेल के गेट से गिरफ्तार कर लिया गया.

पहले रेप किया फिर वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा

मुजफ्फरपुर में शादी के बाद लड़की के पति को भेजे गंदे वीडियो; घर से निकाला

मुजफ्फरपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में 19 साल की लड़की के साथ पहले रेप किया गया फिर उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग की जा रही थी। लड़की ने बताया कि वो गांव में ही दूध लेने गई थी, वहां दूध वाले के लड़के ने उसे चाय में नशा मिलाकर पिला दिया। इसके बाद वो बेहोश हो गई। उसने अश्लील वीडियो बना लिए और ब्लैकमेल करने लगा। लड़की की शादी के बाद भी वो उससे संबंध बनाने के लिए कहता था। लड़की ने मना किया तो युवक ने उसके गंदे वीडियो पति को भेज दिए। पति ने भी लड़की को घर से बाहर निकाल दिया है। अब उसने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। मामला जिले के बेनीबाद ओपी क्षेत्र के एक गांव का है। जहां दूध लेने गई लड़की को नशीली चाय पिलाकर बेहोशी की हालत में दुष्कर्म किया।

'बिलाल' को फंसाने के लिए रामदास ने दी थी राम मंदिर उड़ाने की धमकी, पुलिस ने किया खुलासा

अयोध्या, 11 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर को उड़ाने की धमकी देने वाला व्यक्ति कोई बिलाल नहीं, बल्कि बल्कि अनिल रामदास है. इसने बिलाल को फंसाने और जेल भिजवाने के षड़यंत्र के तहत यह धमकी भरा फोन काल किया था. अयोध्या पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपी के पास से नौ मोबाइल फोन के अलावा कई बैंकों की चेकबुक और पासबुक बरामद की है. सीओ अयोध्या शैलेंद्र प्रताप गौतम के मुताबिक रामलला सदन में रहने वाले मनोज कुमार के मोबाइल पर आरोपी ने 2 फरवरी को फोन किया था. इसमें आरोपी ने राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दी थी. मनोज की सूचना पर अयोध्या पुलिस ने मामले की जांच शुरू की. इस दौरान दिल्ली में रहने वाले एक बिलाल का नंबर ट्रैस हुआ. पुलिस ने तत्काल बिलाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की. इस दौरान पता चला कि बिलाल तो बेकसूर है.

उसे तो इस घटनाक्रम की जानकारी ही नहीं, बल्कि उसे फंसाने के लिए किसी और ने इस वारदात को अंजाम दिया है.

आईपी एड्रेस के जरिए आरोपी तक पहुंची पुलिस

सीओ अयोध्या के मुताबिक बिलाल से पूछताछ के बाद पुलिस ने जिस मोबाइल फोन से मंदिर उड़ाने की धमकी दी गई थी, उसके आईपी एड्रेस को ट्रैस किया. पता चला कि यह फोन कॉल इंटरनेट के जरिए चेन्ई से की गई थी. फोन करने वाले व्यक्ति की पहचान अनिल रामदास के रूप में हुई है. वह वहां अपनी पत्नी के साथ रहता था, लेकिन बिलाल की बहन के साथ झगड़ा होने के बाद उसने बिलाल को फंसाने की साजिश रची और इंटरनेट कॉल करते हुए मंदिर को उड़ाने की धमकी दे दी.

मंदिर को लेकर अलर्ट है पुलिस

अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर को लेकर पुलिस काफी अलर्ट है. पुलिस अपने तंत्रों से हरेक गतिविधियों पर नजर तो रख ही रही है, बाहरी तंत्रों के जरिए आने वाली सूचनाओं का भी बिना देरी किए सत्यापन किया जा रहा है. सीओ अयोध्या के मुताबिक ताजा मामला बाहरी तंत्र के जरिए रिकार्ड हुआ था. लेकिन सूचना मिलते ही इसे गंभीरता से जांच करते हुए मामले का खुलासा कर दिया गया है.

श्रीनगर में बर्फबारी से हवाई व यातायात सेवा प्रभावित

गांदरबल के सोनमर्ग में हिमस्खलन

जम्मू, 11 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर जम्मू-कश्मीर के मौसम में लगातार बदलाव जारी है। शनिवार को जम्मू संभाग में हल्की धूप खिली रही जबकि घाटी में बारिश और बर्फबारी हुई। श्रीनगर में हो रही बर्फबारी का असर यातायात और हवाई सेवाओं पर पड़ रहा है। इससे कई उड़ानें लेट होने के साथ प्रभावित भी हुई। जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर सुबह से भूस्खलन होने का असर यातायात पर पड़ा। उधर, गांदरबल जिले के सोनमर्ग के हंग क्षेत्र के पास हिमस्खलन हुआ है। फिलहाल प्रारंभिक तौर पर किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। पुलिस और अन्य दल मौके पर पहुंच गए हैं। जिस इलाके में हिमस्खलन हुआ है वहां सड़क से बर्फ हटाने का काम जारी है। जम्मू कश्मीर के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर पत्थर गिरने के यातायात प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा कम दृश्यता के कारण श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आने वाली उड़ानों में देरी हुई है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि दृश्यता में सुधार के बाद उड़ानें शुरू होंगी। कश्मीर घाटी में ज्यादातर जगहों पर सुबह से ही बर्फबारी जारी है। यातायात नियंत्रण विभाग के अधिकारी ने बताया कि 270 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को बहाल करने का काम चल रहा है। रामबन जिले में पंथ्याल और रामसू के बीच भूस्खलन के बाद वीरवार और शुक्रवार को भी हाईवे यातायात के लिए ठप हो गया था। इससे विभिन्न स्थानों पर यात्री वाहनों सहित 1,000 से अधिक वाहन फंस गए थे। अधिकारियों के अनुसार पंथ्याल और कैफेटेरिया मोड़ के आसपास सड़क साफ करने का काम जोरों पर चल रहा है। रामबन प्रशासन ने फंसे हुए यात्रियों को भोजन और अन्य सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

बेंगलुरु से अलकायदा का आतंकी पकड़ा गया

प्रोफेशन से साफ्टवेयर इंजीनियर घर से काम कर रहा था

बेंगलुरु, 11 फरवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु यहां से अलकायदा का एक आतंकी गिरफ्तार किया गया है। कर्नाटक की इंटरनल सिक्योरिटी डिविजन (आईएसडी) और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) के एक ज्वाइंट ऑपरेशन के बाद प्रतिबंधित आतंकी संगठन अलकायदा से जुड़े इस संदिग्ध आतंकवादी को बेंगलुरु से पकड़ा गया है।

मार्च में इराक के रास्ते सीरिया जाने की प्लानिंग कर रहा थ

शुरुआत जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आतंकी आरिफ प्रोफेशन से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। वह एक निजी कंपनी के लिए घर से काम कर रहा था। उसकी मार्च में इराक होते हुए सीरिया जाने की योजना थी। आतंकी की गिरफ्तारी 11 फरवरी सुबह होना बताई जाती है। आईएसडी को शक है कि आरिफ आईएसआईएस के संपर्क में था और उसने आतंकी संगठन में शामिल होने की तैयारी की थी। आरोपी पहले से अलकायदा के संपर्क में था। एनआईए ने जांच के लिए उनके लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त कर लिया है, जबकि अधिक सबूतों की तलाश के लिए शहर के थानिसंद्रा इलाके में उनके घर पर तलाशी जारी है। एनआईए सूत्रों के अनुसार, यह आतंकवादी इंटरनेट के जरिये संगठन कनेक्ट था। बताया जाता है कि यह पिछले 2 साल से अलकायदा से जुड़ा हुआ था।

पिछले कुछ समय से लगातार पकड़े जा रहे अलकायदा आतंकी

सितंबर, 2022 में बांग्लादेश में स्थित आतंकवादी समूह और उप-महाद्वीप में अल कायदा (एक्यूआईएस) से रिलेटेड अंसारुल्ला बांग्ला टीम (एबीटी) के साथ संबंध होने के संदेह में असम में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। मुसादिक हुसैन और इकरामुल इस्लाम को मोरीगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इकरामुल इमाम था। ये एबीटी के मोरीगांव मॉड्यूल का हिस्सा थे। अक्टूबर, 2022 में उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने अल कायदा और इसके सहयोगी जमात-उल-मुजाहिदीन से जुड़े आठ संदिग्ध आतंकवादियों को अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया था। पकड़े गए आतंकी की पहचान लुकमान, गागलहेड़ी के मोहम्मद अलीम, मनोहरपुर के कारी मुख्तार, देवबंद के कामिल, सहारनपुर जिले के रहने वाले, शामली जिले के झिंझाना के शहजाद और हरिद्वार (उत्तराखंड) के मुदस्सिर के रूप में हुई थी। बांग्लादेशी नागरिक अली नूर और झारखंड के नवाजिश अंसारी को भी गिरफ्तार किया गया था। नवंबर, 2022 में जम्मू और कश्मीर पुलिस पश्चिम बंगाल से ताल्लुक रखने वाले एक अल-कायदा ऑपरेटिव को जम्मू-कश्मीर के रामबन इलाके से पकड़ा था। उसके पास से एक ग्रेनेड बरामद किया गया था।

नकली किन्नरों से परेशान असली किन्नर

पुलिस में दर्ज कराई शिकायत, लगाए ये आरोप

दमोह, 11 फरवरी (एजेंसियां)। दमोह में असली और नकली किन्नरों का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। किन्नर के ग्रुप का कहना है कि कुछ लोग नकली किन्नर बनकर लोगों से बधाई मांगते हैं और उन्हें जबरन परेशान करते हैं। इस बात की खबर अब किन्नर समाज के प्रमुखों को भी लग चुकी है। शुक्रवार दोपहर पथरिया में सागर के दर्जनों किन्नर पहुंचे, जिन्होंने नगर में एक जुलूस निकाला और लोगों को यह संदेश दिया कि कोई भी नकली किन्नर यदि उनके दरवाजे आता है, तो उसे बधाई न दी जाए और उसे पकड़कर पुलिस के हवाले किया जाए। पुलिस थाने में ज्ञापन देने पहुंचे किन्नर समाज की प्रमुख किरण बुआ ने बताया, उनके गुरु पूर्व महापौर कमला बुआ के निधन के बाद उन्हें शाहपुर, सागर, पथरिया और गढ़ाकोटा में बधाई लेने का जिम्मा दिया गया है। उन्हें पता चला कि कुछ लोग नकली किन्नर बनकर बधाई के नाम पर लोगों से वसूली कर रहे हैं, जिसमें एक आरती नाम का व्यक्ति शामिल है, जिसके साथ दया, महाराज, इरफान और सद्दू खान के अलावा कुछ अन्य लोग भी शामिल हैं। यह लोग लोगों को परेशान करते हैं और चोरियां भी करते हैं। किन्नर किरण बुआ ने बताया कि जब इन असामाजिक तत्वों को उन्होंने रोकने का प्रयास किया, तो उन्हें भी धमकी दी गई है। यह लोग लड़ने झगड़ने को तैयार रहते हैं और क्षेत्रों में जाकर किन्नर समाज को बदनाम कर रहे हैं।

शिवराज बोले- विकास यात्राएं कर्मकांड नहीं, जनता की जिंदगी बदलने का महायज्ञ

भोपाल, 11 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान सरकार ने शनिवार को कहा कि हमारी विकास यात्राएं निरंतर जारी है। यह केवल कर्मकांड नहीं बल्कि जनता की जिंदगी बदलने का हमारा महायज्ञ है। इसमें सिर्फ सभाएं नहीं हो रही है, बल्कि लोकार्पण-शिलान्यास के साथ ही हितग्राही मूलक योजनाओं में जोड़े गए नामों को लाभ वितरण और छूटे हुए नामों को जोड़ने का काम भी हो रहा है।

पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती के लिए जल्द मांगे जाएंगे आवेदन, 752 पदों पर होगी नियुक्ति

जम्मू, 11 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) गृह विभाग में पुलिस उप निरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) के 752 पद भरेगा। ये पद गृह विभाग ने जेकेएसएसबी को स्थानांतरित कर दिए हैं। इनमें आरबीए वर्ग के 75, एससी के 61, एसटी के 75, एएलसी के 30, पीएसपी के 30 और ओएससी वर्ग के 30 पद हैं। जो अभ्यर्थी सेवानिवृत्त हुए हैं, उन्हें जेएंडके आरक्षण नियम के तहत छह फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। निर्धारित पदों में उनके लिए 45 पद रखे गए हैं। बाकी पद सामान्य वर्ग के लिए रखे गए हैं। सरकार के अवर सचिव की ओर से जारी अधिसूचना में बताया गया है कि ये अराजपत्रित पद हैं।

त्र्यंबकेश्वर शिवलिंग पर बर्फ

जांच समिति ने इसे तीन 'पुजारियों' का कृत्य बताया; केस दर्ज

नासिक, 11 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नासिक जिले के प्रसिद्ध त्र्यंबकेश्वर मंदिर में पिछले साल जून में 'शिवलिंग' पर बर्फ के सिलसिले में पुलिस ने तीन व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. फिलहाल जांच समिति ने इस घटना को फर्जी करार दिया है और इस कृत्य के लिए तीन पुजारियों पर आरोप लगाया है. शिवलिंग पर बर्फ का वीडियो, जो कथित रूप से 30 जून, 2022 को सोशल मीडिया पर पहली बार दिखा था. हालांकि, विशेषज्ञों और अंधविश्वास विरोधी कार्यकर्ताओं ने इसके समय को लेकर सवाल उठाया, क्योंकि यह गर्मी का महीना था और इस तरह के बर्फ के निर्माण के लिए अनुकूल जलवायु संबंधी दशाओं का अभाव था. एक पदाधिकारी ने कहा कि मंदिर न्यास की ओर से इस मामले में जांच के लिए गठित समिति सीसीटीवी फुटेज की छानबीन करने के बाद तीन पुजारियों तक पहुंची है, जो कथित रूप से इसमें शामिल थे. इस घटना की जांच तब शुरू की गई, जब अमरनाथ यात्रा चल रही थी. मंदिर के न्यासी प्रशांत गैधानी ने कहा, 'तीनों पुजारियों ने बर्फ के टुकड़े को शिवलिंग पर रखा और इसका एक वीडियो प्रसारित किया. उन्होंने अमरनाथ गुफा मंदिर (जम्मू कश्मीर) के उद्घाटन के साथ-साथ यहां भी भक्तों को आकर्षित करने के लिए कथित तौर पर इस कार्य को अंजाम दिया था.' उन्होंने विस्तार से बताया कि 'पुरोहित' मंदिर में अनुष्ठान और प्रार्थना करते हैं, जबकि 'पुजारी' पवित्र गर्भगृह के रखरखाव और प्रबंधन में शामिल होते हैं, जिसमें 'निर्मलया' की सफाई शामिल है. रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस जुलाई 2022 से इस घटना की जांच कर रही है. इस दौरान उन्होंने मौसम विभाग से राय भी मांगी थी, जिसके बाद त्र्यंबकेश्वर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

मामले की शिकायतकर्ता राशवी जाधव मंदिर में जनसंपर्क अधिकारी के तौर पर काम करती हैं. पुलिस को दी अपनी शिकायत में उन्होंने कहा था, 'उस सुबह (30 जून 2022) जब मैं मंदिर पहुंची, तो मैंने देखा कि गर्भगृह में बर्फ जैसा पदार्थ बनने की चर्चा हो रही थी. मैं मंदिर के अंदर गई और घटना का जायजा लिया.' उन्होंने पुलिस को बताया, 'यह असामान्य था. मंदिर के ट्रस्ट के साथ काम करने वाले लोगों ने पूछताछ शुरू कर दी और बाद में हमने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें यह देखा जा सकता है कि ट्रस्ट के दो कर्मचारियों ने 29 जून 2022 को रात 9:40 बजे मंदिर का दरवाजा बंद कर दिया था और चले गए थे.' त्र्यंबकेश्वर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा कि मंदिर के पदाधिकारी राशवी जाधव की शिकायत के आधार पर तीन पुजारियों के खिलाफ आठ फरवरी को पूजाघर में अपराध करने, ठगी और साजिश रचने का मामला दर्ज किया गया.

रतलाम में बढ़ते क्राइम को देखकर खुद ही एसपी उतरे सड़क पर, नकारा साबित हो रहे अधिकारियों को लगाई फटकार

रतलाम, 11 फरवरी (एजेंसियां)। रतलाम शहर में बीते तीन दिन से लगातार चाकूबाजी और गुंडागर्दी की गंभीर घटनाएं घटित हो रही हैं। वारदातों से शहर में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति भी बनती नजर आ रही है। ऐसे में शहर में नाकारा साबित हो रहे पुलिस अमले में फिर से जान फूंकने के लिए अब पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने स्वयं मोर्चा संभाल लिया है। पुलिस अधीक्षक तिवारी ने शुक्रवार शाम जिले भर के पुलिस अधिकारियों को उनकी लचर कार्यप्रणाली के चलते जमकर फटकार लगाई और रात में अधिक अलर्ट रहने के निर्देश दिए। इसके साथ ही रात होते ही एसपी खुद पुलिस फोर्स को लेकर शहर के प्रमुख बाजारों और सड़कों पर उतर आए।

यहां बेवजह चौराहों पर खड़े लोगों के साथ ही झुंड में खड़े लोगों को रोक उनकी जांच की। कार्रवाई के दौरान एएसपी सुनील पाटीदार और सीएसपी हेमंत चौहान सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल साथ रहा। साथ ही कोठारी मार्केट के अंदर खुले मैदान में पुलिस अधीक्षक तिवारी कोठारी मार्केट में उस दुकान के सामने पहुंचे जहां पिछले दिनों एक दर्जन लोगों को बलवे की योजना तैयार करते हुए पकड़ा था। पुलिस ने कोठारी मार्केट के अंदर खुले मैदान में चल रही चाय की दुकान पर बिना काम के बैठे और मोबाइल फोन चलाते हुए लोगों से पूछताछ की। मार्केट के बाहर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों को यातायात अमले से उठवाया गया। शहर के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलिस की सख्ती नजर आई।

इस तकनीक से बिना प्रेगनेंट हुए ही मां बन सकेंगी औरतें

बच्चे का रंग रूप भी चूज करने का मिलेगा ऑप्शन

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। कहते हैं मां बनना इस दुनिया का सबसे बड़ा सुख होता है, हर शादीशुदा जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह माता-पिता बने, कुछ लोग आसानी से माता-पिता बनने का सुख पा लेते हैं जबकि कुछ को यह सुख नहीं मिल पाता .कुछ मामले में आईवीएफ भी फेल हो जाती है ऐसे कपल के लिए खुशखबरी है, साइंस ने बिना प्रेग्नेंट हुए ही मां बनने का रास्ता निकाल दिया है. वैज्ञानिकों ने ऐसी तकनीक विकसित की है जिसकी मदद से बच्चे प्राकृतिक गर्भाशय के बिना पैदा हो सकेंगे. जो कपल्स इनफर्टिलिटी, यूटरस कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के चलते बच्चे को जन्म नहीं दे सकते, उनके लिए यह तकनीक किसी ख्वाब से कम नहीं है. इसे आर्टिफिशियल वॉम्ब फैसिलिटी के नाम से जानते हैं. यह तकनीक एक्टोलाइफ नाम की कंपनी ने बनाई है.जानते हैं इसके बारे में विस्तार से

क्या है आर्टिफिशियल वॉम्ब फैसिलिटी

इस फैसिलिटी से उन कपल्स के मन में एक उम्मीद की किरण जागी है जो संतान का सुख पाने की उम्मीद खो चुके हैं.आर्टिफिशियल वॉम्बकी मदद से बच्चे पैदा करने की तरकीब को ही आर्टिफिशियल वॉम्ब फैसिलिटी कहा जाता है. आर्टिफिशियल गर्भाशय की डिजाइन मां के शरीर में मौजूद असली गर्भाशय की तरह किया गया है और तो और इस गर्भाशय में पैदा होने वाला बच्चा बहुत खास होगा. इसमें माता पिता अपने हिसाब से बच्चे में सारी अच्छी क्वालिटी कस्टमाइज कर पाएंगे. माता-पिता अपने मुताबिक रंग, चेहरे की बनावट, आदतें और यहां तक कि जिन भी बदलवा सकते हैं. इस तकनीक की मदद से आंखों का रंग बच्चों का कद सब कुछ माता-पिता चूज कर सकते हैं.कंपनी ने दावा किया है कि इस तकनीक की मदद से बच्चा सही सलामत पैदा होगा, एक्टोलाइफ के पास हाई इक्विपमेंट वाली 75 लैब है हर लैब में 400 ग्रोथ पॉड्स है जहां गर्व की तरह बच्चे पढ़ सकते हैं

कैसे करेगा काम?

इस तकनीक की मदद से मशीन में पुरुष के स्पर्म और महिला के एक को मिलाया जाता है फिर मां की कोख की तरह ही मशीन काम करना शुरू कर देती है. बर्थ पॉड्स में आर्टिफिशियल अंब्लिकल कॉर्ड होगी जिससे बच्चे को ऑक्सीजन और पोषक तत्व मिलते रहेंगे, जिस तरह से मां के गर्भ में फ्लूड होता है उसी तरह केआर्टिफिशियल वॉम्ब एमिनोओटिक्स डाला जाएगा जैसे जैसे बच्चे का विकास होगा वैसे वैसे उसके मुताबिक पोषक तत्व डाले जाएंगे. डॉक्टर का कहना है कि 9 महीने तक जैसे बच्चे मां के गर्भ में रहते हैं वैसे यह आर्टिफिशियल वॉम्ब में रहेंगे, इसलिए सेहत में कोई खतरा नहीं होगा हालांकि डॉक्टर यह भी कहते हैं कि अभी तक यह उपयोग नहीं हुआ है इसलिए कुछ भी पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता.

7 मिनट में टूटा 7 जन्मों तक साथ निभाने का वादा, फेरे लेते ही डॉक्टर दूल्हे की मौत

रानीखेत, 11 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के रानीखेत में एक शादी समारोह की खुशियां अचानक मातम में तब बदल गईं, जब दुल्हन के साथ सात फेरे लेने के बाद अचानक दूल्हा गश खाकर जमीन पर गिर पड़ा. आनन फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था. हायर सेंटर ले जाने के दौरान दूल्हे की मौत हो गई. दूल्हा पेशे से डॉक्टर था. उसकी मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया. दुल्हन सदमे में है. उसका रो-रोकर बुरा हाल है. मिली जानकारी के अनुसार, मृतक का नाम डॉ समीर उपाध्याय था. वह हल्द्वानी में एक निजी अस्पताल में कार्यरत थे. रानीखेत निवासी जिस युवती के साथ उनका विवाह तय हुआ, वह तीन बहनों में सबसे बड़ी थी. रानीखेत में शिव मंदिर के बारातघर में शादी की पूरी तैयारियां हो चुकी थीं. दुल्हन पक्ष को बस बारात का इंतजार था.

गोहाना रोड पर आईसीआईसीआई का एटीएम उखाड़ कर ले गए बदमाश

चौकी से महज 30 मीटर दूर हुई वारदात

पानीपत, 11 फरवरी (एजेंसियां)। पानीपत में गोहाना रोड पर शनिवार रात करीब साढ़े तीन बजे आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को बदमाश नकदी समेत उखाड़ कर ले गए। बदमाशों ने इसी एटीएम को पांच माह पहले भी निशाना बनाया था। उस दौरान मशीन में 17 लाख रुपये थे। इस बार मशीन में कितने रुपये थे, इसका अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। चौकीदार ने इस बार बदमाशों की गाड़ी को देख पुलिस चौकी में जाकर सूचना दी, जब तक वह पुलिस को बुलाकर लाया तब तक बदमाश एटीएम को उखाड़ कर भाग चुके थे। चौकीदार नरेश ने बताया कि रात 3:32 बजे मैंने ठंड से बचने के लिए नजदीक ही आग जलाई हुई थी। इसी दौरान उसकी नजर एटीएम बूथ पर पड़ी। जहां देखा कि एक गाड़ी को बैक कर एटीएम की तरफ लगाया हुआ था। वह तुरंत दौड़कर साथी चौकीदार नरेश पाल के पास पहुंचा जिसके पास फोन था। उसने पुलिस को कॉल की। साथ ही हम दोनों नजदीक ही 30 मीटर दूर स्थित कृष्णपुरा चौकी में पहुंचे। पुलिस के साथ हम मौके पर पहुंचे तो तब तक बदमाश एटीएम ले जा चुके थे। बदमाशों ने पांच माह में दूसरी वारदात को अंजाम दिया है। 18 सितंबर 2022 के बाद फिर से बदमाशों ने इसी एटीएम को निशाना बनाया। नजदीक ही कृष्णपुरा चौकी पुलिस है, ऐसे में दूसरी बार बरसात होने पर पुलिस की गश्त पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूचना मिलने पर सीआईए, डीएसपी, सेक्टर 29 थाना पुलिस समेत पुलिस दलबल रात को ही मौके पर पहुंचा। पुलिस ने फिर से पड़ोसी जिलों को अलर्ट कर इस मामले में मदद मांगी है।

सब्जी मंडी के पार्किंग कर्मी की हत्या

तेजधार हथियारों से किए कई वार

जालंधर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। जालंधर की मकसूदां सब्जी मंडी में शनिवार तड़के पार्किंग कारिंदे की हत्या कर दी गई। दो दिनों में यह दूसरी वारदात है। हत्यारों ने मर्डर के बाद शव को भीड़ भाड़ वाले इलाके बल्टर्न पार्क में फेंक दिया, जब लोगों ने खून से लथपथ लाश देखी तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे लेकर जांच शुरू की। मृतक सतनाम उर्फ सत्ता घुम्मण निवासी बैंक कॉलोनी वेरका मिल्क प्लांट जालंधर भी बदमाश था और मकसूदां सब्जी मंडी में पार्किंग कारिंदा था। उसका हाल ही में बाजार में एक व्यापारी से चौकीदारी को लेकर विवाद हो गया और दोनों गुटों ने एक दूसरे को देख लेने की धमकी दी थी। धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या की गई है। हत्या सुबह मंडी खुलने से पहले 3 से 4 बजे के बीच में की गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और मंडी के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक कर रहे हैं। वहीं जिन लोगों से सतनाम का झगड़ा हुआ था उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है। जालंधर शहर में 2 दिन में यह लगातार दूसरी हत्या है इससे पहले दमोरिया पुल के नीचे नशेड़ी युवकों ने चंद पैसों के लिए प्रवासी मजदूर को तेजधार हथियारों से मारकर मौत के घाट उतार दिया था।

खुश है, ठीक से खा रही है..: जल्द अपने घर पर होगी गुरुग्राम दंपति के अत्याचार की शिकार नाबालिग

गुरुग्राम, 11 फरवरी (एजेंसियां)। गुरुग्राम के एक दंपति द्वार हाल ही में नाबालिग घरेलू सहायिका को कथित रूप से प्रताड़ित करने का मामला सामने आया था. जिसके बाद नाबालिग घरेलू सहायिका को इनसे आजाद करवाया गया था. कार्यकर्ता दीपिका नारायण भारद्वाज ने पीड़ित लड़की के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वो अब सही है. मुस्कुरा रही है और ठीक से खा रही है. दीपिका नारायण भारद्वाज ने नाबालिग लड़की के साथ एक तस्वीर ट्वीट की और लिखा लड़की अब खुश है क्योंकि उसकी मां उसे घर ले जाने के लिए गुरुग्राम आ गई है. उससे कहा है कि घर पहुंचने के बाद फोन करे. आरोपी दंपति जेल में हैं.

पत्नी की बेवफाई ने पति को बनाया कातिल

थाने पहुंचकर कहा- मैंने मर्डर किया, मुझे गिरफ्तार करो

ग्वालियर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर में वैलेंटाइन्स सप्ताह के दौरान एक प्रेम कहानी का खौफनाक अंत हुआ। पत्नी की बेवफाई से दुखी पति ने धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी और फिर थाने पहुंचकर खुद सरेंडर कर दिया। पत्नी की हत्या करने के बाद पति थाने पहुंचा और पुलिस वालों से कहा कि वह बेवफा थी, इसलिए उसका मर्डर कर दिया। जाओ लाश ले आओ।। पता चला है कि दोनों ने करीब पांच साल पहले लव मैरिज की थी। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर पत्नी की लाश को पीएम के लिए भेज दिया है। बेवफा पत्नी की हत्या की यह खौफनाक घटना शहर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के किसान बाग एरिया की है। आरोपी पति का नाम अवधेश वंशकर है जो ऑटो चालक है। अवधेश ने करीब पांच साल पहले सोनम नाम की लड़की से शादी की थी। लेकिन करीब 1 महीने पहले दोनों की जिंदगी उस वक्त तबाह हो गई जब पति अवधेश को पत्नी सोनम के अफेयर के बारे भनक लगी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच करीब 1 महीने से लड़ाई चल रही थी। जिसका बीती रात खूनी अंत हो गया और पति अवधेश ने अपनी पत्नी सोनम की धारदार हथियार से हत्या कर दी। हत्या करने के बाद रात भर लाश के पास बैठकर रोता रहा और पत्नी की हत्या करने के बाद सुबह थाने पहुंचा अवधेश पुलिस कर्मियों से कहा इसलिए मार डाला... क्योंकि वह बेवफा थी जाओ इसकी लाश ले आओ। आरोपी अवधेश की मां के मुताबिक अवधेश-सोनम ने पांच साल पहले लव मैरिज की थी और करीब 1 महीने पहले अवधेश ने सोनम को 1 लड़के से सोशल मीडिया पर बात करते पकड़ा था। इतना ही नहीं अवधेश ने जब सोनम का मोबाइल चेक किया तो उन्हें कुछ आपत्तिजनक फोटो भी मिलीं जो सोनम की थीं और ये फोटो उन्होंने अपने मोबाइल पर लड़के को भेजी थीं। तभी से दोनों के बीच झगड़ा हो रहा था। पुलिस ने आरोपी अवधेश को गिरफ्तार कर लिया है।

बैंक लॉकर से चाबी बनाने वाले कारीगर ने ही चोरी किया था 70 तोला सोना

आठवीं फेल है आरोपी

हिसार, 11 फरवरी (एजेंसियां)। हिसार में रेलवे रोड स्थित बैंक लॉकर से 70 तोले सोना तथा डायमंड के तीन सेट चोरी होने के मामले में पुलिस ने चाबी बनाने वाले कारीगर को गिरफ्तार किया है। लॉकर की चाबी बनाने वाले आठवीं फेल कृष्ण सोनी ने सोना और डायमंड सेट चोरी किए थे। कृष्ण सोनी शराब के नशे का आदी है। 30 दिसंबर 2022 को मुल्तानी चौक निवासी आशा रानी ने पुलिस को शिकायत दी थी। उसने बताया कि रेलवे रोड स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के लॉकर नंबर 318 में 70 तोले सोना, तीन डायमंड सेट रखे थे। जब वह गहने निकालने पहुंची तो लॉकर से चोरी मिले। आशा रानी ने बताया कि 10 नवंबर को उन्होंने आखिरी बार लॉकर चैक किया तब पूरा सामान सुरक्षित था। डीएसपी कप्तान सिंह ने बताया कि आरोपी कृष्ण सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया है। डीएसपी ने बताया कि कृष्ण सोनी को बैंककर्मी लॉकर की चाबी बनवाने के लिए बुलाते हैं। बैंक में लॉकर ठीक करने पहुंचे कृष्ण सोनी को बैंक कर्मियों ने 15 से 10 लॉकर की चाबियां थमा दी थी। वह अलग अलग लॉकर में चाबी लगाकर चैक करता रहा। लॉकर नंबर 318 में चाबी लग गई तो वह सोना व डायमंड चोरी कर ले गया। डीएसपी ने बताया कि कृष्ण सोनी बिना शराब पिए काम नहीं

दोबारा जन्म मिले तो लता मंगेशकर नहीं बनना चाहूंगी

यादें

एक इंटरव्यू में लता जी से पूछा गया था- क्या दोबारा जन्म मिले तो फिर से लता मंगेशकर ही बनना चाहेंगी? लता जी ने जवाब दिया - अगर वाकई मुझे दोबारा जन्म मिला तो मैं लता मंगेशकर कभी नहीं बनना चाहूंगी, क्योंकि लता मंगेशकर की जो तकलीफें हैं, वो मैं ही जानती हूं। स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन को एक साल पूरा हो गया। सालों पहले दिए अपने इंटरव्यू में उनके पूरे जीवन का संघर्ष इस एक जवाब में था। 50 हजार से ज्यादा गाने गाए, संगीत की दुनिया की सर्वोच्च शख्सियत बनीं, कोई ऐसा सम्मान नहीं था जो उन्हें ना मिला हो, लेकिन फिर भी वो दोबारा लता मंगेशकर नहीं बनना चाहती थीं।

बचपन से लेकर आखिरी सांस तक उन्होंने तकलीफें और संघर्ष देखा। कम उम्र में पिता का साया सिर से उठ गया तो घर की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली। चंद पैसे बचाने के लिए वो मीलों तक पैदल चल कर रिकॉर्डिंग स्टूडियो जाती थीं, ताकि जो पैसे बचें उससे सब्जी-तरकारी का इंतजाम हो जाए। ऐसे अनेकों किस्से हैं, जो उनकी जिंदगी में मुश्किलों को दिखाते हैं, साथ ही ये भी दिखाते हैं कि हर बार किस जीवटता के साथ उन्होंने उन परेशानियों को हराया।

मंगेशकर सरनेम पिता ने पुरखों के गांव के नाम पर रखा

लता दीदी का पहले नाम हेमा था। बाद में उनके पिता ने अपने नाटक भाव बंधन की लीड फीमेल कैरेक्टर लतिका से प्रभावित होकर उनका नाम लता रख दिया।

पहले लता दीदी के पिता का नाम दीनानाथ अभिषेकी था, लेकिन वो चाहते थे कि उनकी आगे की पीढ़ी का नाम बिल्कुल अलग हो। उनके पुरखों के गांव का नाम मंगेशी था और कुलदेवता का नाम मंगेश। इस तरह उन्होंने अपना सरनेम मंगेशकर कर लिया।

5 साल की लता को सुर में गाता देख पिता ने किया संगीत सिखाने का फैसला।

एक दिन दीनानाथ घर पर किसी को संगीत सिखा रहे थे। तभी अचानक उन्हें किसी काम की वजह से घर के बाहर जाना पड़ा। जाते वक्त उन्होंने उस संगीत सीखने आए शख्स से कहा- मैं थोड़ी देर में आता हूं, तुम तब तक रियाज करो। ये सारी बातें गैलरी में खड़ी 5 साल की लता दीदी सुन रही थीं। दीनानाथ के चले जाने के बाद उस शख्स ने रियाज शुरू किया, लेकिन गलत सुर के साथ।

9 साल की उम्र में दिया पहला स्टेज परफॉर्मेंस, गाने के बाद पिता की गोद में सो गईं।

करियर का पहला गाना कभी नहीं हुआ रिलीज

1942 की फिल्म किती हसाल के संगीतकार सदाशिवराव निवरेकर लता के पिता के बहुत अच्छे दोस्त थे। इस फिल्म के लिए वो लता की आवाज में एक गाना चाहते थे। उन्होंने ये बात जब पिता दीनानाथ को बताई तो उन्होंने मना कर दिया। वो नहीं चाहते थे कि लता दीदी कभी भी फिल्म इंडस्ट्री में काम करें। निवरेकर ने उन्हें अपनी दोस्ती की कसम देकर लता को गाने के लिए मना लिया। लता ने उस फिल्म का गाना गाया, लेकिन बाद में वो फिल्म भी रिलीज नहीं हुई और ना ही गाना।

तंगी की वजह से फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ीं, 25 रुपए थी पहली फीस।

इसके कुछ समय बाद अप्रैल 1942 में लता दीदी के पिता का निधन हो गया। उनके चले जाने से परिवार की पूरी जिम्मेदारी छोटी उम्र की लता के कंधे पर आ गई। इसी दौरान मास्टर विनायक ने उन्हें अपनी मराठी फिल्म पहिली मंगला गौर के लिए अप्रोच किया। पैसों की जरूरत थी तो उन्होंने हां कर दी और फिल्म में एक छोटा सा रोल भी किया। साथ में उन्होंने फिल्म के गाने नटली चैत्राची नवलाई गाना भी गाया। इस गाने के लिए उन्हें 25 रुपए फीस मिली थी और फिल्म में रोल के लिए कुल 300 रुपए।

इसके बाद उन्होंने मास्टर विनायक की कंपनी में काम किया। मास्टर हैदर अली ने लता की मुलाकात प्रोड्यूसर शशधर मुखर्जी से करवाई, जो उस समय फिल्म शहीद पर काम कर रहे थे, लेकिन उन्होंने लता को काम देने से इनकार कर दिया। मुखर्जी ने कहा- इस लड़की की आवाज बहुत पतली है। इस पर मास्टर हैदर अली ने कहा- आने वाले दिनों में प्रोड्यूसर और डायरेक्टर इस लड़की के पैरों में गिरकर अपनी फिल्म में गाना गाने की विनती करेंगे।

मास्टर हैदर अली ने दिया था पहला फिल्मी ब्रेक

इसके बाद 1948 में मास्टर हैदर अली ने लता को फिल्म मजबूर का गाना दिल मेरा तोड़ा, मुझे कहीं का ना छोड़ा दिया जो उनके लिए बड़ा ब्रेक साबित हुआ।

मधुबाला की आवाज बनकर मिली बड़ी पहचान

1948 में लता दीदी ने फिल्म महल का गाना आएगा आने वाला गाया था। इस गाने को मधुबाला पर फिल्माया गया था। ये वही गाना था जिसने लता दीदी को हिंदी सिनेमा में बतौर सिंगर पहचान दिलवाई।

दिलीप कुमार के ताने की वजह से लता दीदी ने सीखी थी उर्दू

एक दिन लता, संगीतकार अनिल बिस्वास और दिलीप कुमार के साथ लोकल ट्रेन से गोरेगांव जा रही थीं। अनिल बिस्वास ने दिलीप कुमार से लता का परिचय कराते हुए कहा- दिलीप ये लता मंगेशकर है और ये बहुत अच्छा गाती है। इस पर दिलीप कुमार ने पूछा कि ये कहां की है। अनिल बिस्वास ने बताया कि ये मराठी है।

खुद के गानों को नहीं सुनती थीं

एक किस्सा ये भी मशहूर है कि लता दीदी अपने गाए हुए गानों को नहीं सुनती थीं। उनका मानना था कि अगर वो खुद गानों को सुनेंगी, तो उसमें 100 कमियां तो जरूर मिलेंगीं।

लता मंगेशकर को करियर का पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड 1958 की फिल्म मधुमति के गाने आजा रे परदेसी के लिए मिला था। इस गाने को सलिल चौधरी ने कम्पोज किया था। उन्हें दूसरा फिल्मफेयर मिला था कहीं दीप जले कहीं दिल के लिए जो उन्होंने फिल्म बीस साल बाद के लिए गाया था।

जब लता दीदी को जहर देकर किसी ने जान से मारने की कोशिश की

33 साल की उम्र में लता स्वर कोकिला बन चुकी थीं। किसी को उनकी तरक्की से इतनी जलन थी कि उन्हें जहर देकर मारने की कोशिश की। ये लता की जिंदगी का सबसे कठिन और भयानक दौर था। इस वजह से उन्हें 3 महीने तक बेड पर रहना पड़ा।

शरीर इस कदर कमजोर हो गया था कि वो बेड से उठ भी नहीं पाती थीं, चलना तो दूर की बात थी। उनके इस कठिन समय में मजरूह सुल्तानपुरी उनका सहारा बने। मजरूह दिनभर अपना काम करके शाम को लता के पास जाकर उनको कविताएं सुनाया करते थे और उनका मन बहलाया करते थे।

अपने इस कठिन समय को याद करते हुए लता दीदी ने एक बार कहा था- अगर मजरूह इस मुश्किल वक्त में मेरे साथ ना होते, तो शायद मैं इस मुश्किल दौर से ना उबर पाती। अफवाह ये भी थी कि इस हादसे की वजह से लता दीदी ने अपनी आवाज खो दी थी। हालांकि बाद में उन्होंने इस बात का खंडन करते हुए कहा था- मैंने अपनी आवाज कभी नहीं खोई थी।

बाद में किसने उन्हें जहर दिया है, उस इंसान का पता लता दीदी को चल गया था। उस शख्स के खिलाफ उनके पास पुख्ता सबूत नहीं था। जिस वजह से उसके खिलाफ पुलिस कार्रवाई न हो सकी।

बीमारी के बाद पहले गाने से जीता फिल्मफेयर अवार्ड

लंबे इलाज के बाद लता दीदी ने गाना कहीं दीप जले कहीं दिल गाया था। इस गाने की रिकॉर्डिंग ठीक से हो गई। बाद में उन्हें इस गाने के लिए फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला।

क्लासिकल सिंगर ना बन पाने का ताउम्र रहा मलाल

पिता के निधन के बाद घर पर सभी जिम्मेदारियां लता दीदी के कंधे पर आ गई थीं। जिस वजह से उन्होंने फिल्मों में बतौर एक्टर और सिंगर काम करना शुरू कर दिया। इस वजह से उन्हें क्लासिकल संगीत का रियाज करने का पर्याप्त समय नहीं मिलता था। इस वजह से क्लासिकल संगीत उनसे पूरी तरह छूट गया। करियर की ऊंचाइयों पर पहुंच जाने के बाद भी उन्हें इस बात का मलाल रहा कि वो एक क्लासिकल सिंगर ना बन सकीं।

उसूलों की पक्की थीं लता दीदी

लता दीदी द्विअर्थी शब्दों वाले गाने नहीं गाती थीं। इस वजह से कई राइटर्स के साथ उनकी अनबन हो जाती थी। कई राइटर्स को लता दीदी की वजह से गाने के शब्द बदलने पड़े। एक बार लता दीदी और रफी साहब में गानों की रॉयल्टी लेने के लिए बहस छिड़ गई थी। लता जी गायकों को रॉयल्टी मिलने के पक्ष में थीं, जबकि रफी का कहना था कि गायकों को गाना गाने की फीस मिल रही है तो रॉयल्टी की क्या जरूरत। बहस ऐसी छिड़ी कि दोनों ने तय किया वो साथ में काम नहीं करेंगे। करीब 4 साल तक साथ में कोई गाना नहीं गाया, ना ही कोई मंच साझा किया।

ओ.पी. नैय्यर के लिए नहीं गाया गाना

लता ने कामयाबी मिलने के बाद तमाम बड़े म्यूजिशियन्स के साथ काम किया, लेकिन संगीतकार ओ.पी. नैय्यर ने कभी उन्हें मौका नहीं दिया। लता की आवाज हर संगीतकार के लिए गाने के हिट होने की गारंटी होती थी, लेकिन ओ.पी. नैय्यर का मानना था कि उनकी बनाई धुनों पर लता की आवाज फिट नहीं बैठती।

कामयाब सिंगर बनने के बाद लता मंगेशकर ने बतौर म्यूजिक डायरेक्टर मराठी फिल्म राम राम पवहाने फिल्म की। इसके बाद उन्होंने आधा दर्जन मराठी फिल्मों के लिए भी कंपोजिशन किया।

काव्य कुंज

आनंद

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

आनंद मना उस बेहोशी का
जिसमें तू सब कुछ भूल गया
जो उम्र गई सब भूल भी जा
अब समझ आई तो
जाग भी जा मत चिंता कर
घबराने की समाधान ओं की
अब होश की राह पकड़ ताकि।
आनंद मना उस बेहोशी का
आयु तो पल पल बीत रही
ध्यान लगा अपने ऊपर
जग की सेवा तो बहुत हुई
सब पड़ा यहां रह जाएगा
आनंद मना उस बेहोशी का
जीवन तो सुंदर कविता है
बस प्यार का रंग तू भरता जा
बस दीप से दीप जलाता जा
उजियारा सब पर करता जा
आनंद तेरे मन में होगा
खुशियों की बहार ए जाएंगी
आनंद मना उस बेहोशी का
तुझे प्यार करेंगे सब मन से
चिंताएं सब मिट जाएंगी
निर्लिप्त बनेगा तू मन से
संसार में विचरण करता जा
सब कर्म उसी परमात्मा के
तू होश में रहकर करता जा
आनंद मना उस बेहोशी का
चिंतन से मन भर जाएगा
एकाकार होगा उससे
जिसके चरणों में जाना है
धन्य धन्य जीवन होगा
तू प्रेम का प्याला पीता जा
आनंद मना उस बेहोशी का\\

मेहमान

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

घर आए मेहमान से
ढेर सारी खुशियां मिल गई।
बिन बुलाए मेहमान से
जिंदगी खिल गई।।
अच्छा न लगे घर
आ जाए बिन बुलाए मेहमान,
मक्खी चूस कंजूस मेहमान के आने से परेशान,
कोई अतिथि देवो भव भाव से करे अतिथि सम्मान
कोई मेहमान तो जैसे आए बनकर ही भगवान।
कभी किसी अनजाने मेहमान से मंजिले दिख गई।
घर आए मेहमान से ढेर सारी खुशियां मिल गई।
मेहमान आना,मेहमान बनके जाना सुखद अनुभव ,
मेहमानदारी न हो तो अच्छे न लगे कोई पर्व,
मेहमान खातिरदारी में सिर्फ प्यार रंग भरना,
बनावटी हैसियत के दम कभी मत भरना।
मेहमानों से उत्सव समारोह में घर बगिया खिल गई।
घर आए मेहमान से ढेर सारी खुशियां मिल गई।
किसी किसी को मेहमान बिल्कुल नहीं भाते,
कोई कोई मेहमानों के आने से इतराते,
भारतीय संस्कृति में मेहमान देव तुल्य होते
किसी किसी घर में तो मेहमान पूजे जाते ।
महामारी काल में अकेलेपन से दुनिया हिल गई।
घर आए मेहमान से ढेर सारी खुशियां मिल गई।

बसन्त आया

रेणुका अग्रवाल

प्रकृति पर छाया यौवन,
तो चला आया बसन्त,
प्रेम प्यार का देखो,
कभी कहीं ना होगा अंत ।
लो चला आया बसन्त।
अठखेलियां करती पवन, अब तो कलियों के संग संग,
कलियाँ खिल बन गई फूल , तो उड़-उड़ आई सुगंध।
लो चला आया बसन्त।
हरी हरी पत्तियाँ रही मचल,उस पर लगे अमिया के बोर
भार से झुक रही डालियाँ, जो फ़ैली चारों ओर,
लो चला आया बसन्त।
रातरानी ने घेरा बनाया, अपनी सुगंध को फैलाया ,
मनवा बहका रे कोर कोर, रंग-बिरंगे पुष्प ले चहूँ ओर,
लो चला आया बसन्त।
फूल फूल पर तितलियाँ, भँवरों की यह मंडलियां,
चमन चमन मचाये हुड़दंग,
घूमे गोरी अपने प्रीतम के संग।
लो चला आया बसन्त।
गुनगुन करती आई भोर भोर,
छूती कलियों के पोर पोर,पर होता न कहीं शोर शोर ,
प्रेम प्रीत का कभी ना होगा अन्त,
लो चला आया बसंत।

तराशती लहरें....

समन्दर से उठ रही लहरें,
चट्टानों से टकराती लहरें,
बारम्बार यह एहसास दिलाती 'उसे',
क्यूं कोई कोई लहर चट्टानों से,
टकराने के लिए ही बनी है,
क्यूं उसे सुकून हासिल नहीं,
क्यूं छटपटाना ही उसकी नियती है?
दुनियादारी निभाते निभाते
एक उम्रदराज़ पार कर ली,
ऊँच नीच की गहरी खाई पार कर ली,
किंतु क्या पल पल कसमसाना
ही उसकी भाग्यरेखा है ?
क्या ज़लज़लों को पार करना ही
उसकी क़िस्मत का लेखा है ?
किंतु नहीं......
उसे तो आशा की राह पर चलना है,
दुनिया के उतार-चढ़ाव झेलना है,
आरोह अवरोह में भी जीना है
क़िस्मत वाली है वो लहर,
जो बार-बार टकराती है,
आख़िर उस कठोर चट्टान को,
वो ही तो तराशती चमकाती है,
टकराकर इन लहरों से,
चट्टान की क़िस्मत भी संवर जाती है!!!!

--डॉ शोभा भंडारी

ज़िंदगी की धूप - छाँव

कुमुद बाला,
हैदराबाद

उज्ज्वल श्यामल निर्मल कोमल
सी कभी हँसती हुई ज़िंदगी देखी
अमावस्या की खिड़की पे कभी
अंधेरे संग लिपटी ज़िंदगी देखी
धूप - छांव की आपाधापी और
उसपर रिश्तों की कबड्डी
अपनेपन के आँगन में
दृष्टि और समर्पण की मनमानी
कभी बचपन का पलड़ा भारी औ कभी दिल की नादानी
कभी उम्र की अमराई में मैं और हम की खींचातानी
सुरमई शाम के सन्नाटे में कहीं दूर उछलती ज़िंदगी देखी
अमावस्या की खिड़की पे कभी अंधेरे संग लिपटी ज़िंदगी देखी
अपनी आँखों में कभी बचपन की चंचल परछाई देखी
जी लूँ जीभर मैं भी उस क्षण को जब भी अंगड़ाई देखी
वक्त रेत के दरिये सा लहरों संग आगे बढ़ता ही गया
कभी दिलों की महफ़िल तो कभी आँखों की तन्हाई देखी
पिघलती रात के आँचल में रजत चाँद संग बैठी ज़िंदगी देखी
अमावस्या की खिड़की पे कभी अंधेरे संग लिपटी ज़िंदगी देखी
दिल ने कहा इक दिन गुस्ताख़ नज़र से तुम देखा कम करो
तुम देखते हो इधर - उधर और तड़पना हमें पड़ता है
कहा नजर ने दिल से सुनो तुम प्यार को न देना आवाज़
जुदाई प्यार में होती है जब भी रोना हमें पड़ता है
मस्तिष्क की थी कश्मकश फिर
भी सच का सामना करती ज़िंदगी देखी
अमावस्या की खिड़की पे
कभी अंधेरे संग लिपटी ज़िंदगी देखी
शाम की खामोशी में हुई बचपन से मुलाक़ात मेरी
उस मुस्कान भरे चेहरे से अलग कितनी है सूरत मेरी
तकाज़ा उम्र का औ चिंता की गठरी वह भी भारी-भारी
उसकी खिलखिलाहट की अनुभूति जगा गई हसरत मेरी
बदल गया है तनमन जैसे चूल्हे पे पकती सी ज़िंदगी देखी
अमावस्या की खिड़की पे
कभी अंधेरे संग लिपटी ज़िंदगी देखी।।

लिबास

डॉ डी डी देसाई

आधी अधूरी नींद को त्यागकर,
पुराना सपना लिए जगती हुँ।
संभाल सकूँ ढंग से बिखरते घर को,
यही सोच के बहु का लिबास ओढ़े जगती हूँ।
हँसी के पीछे दर्द छुपा के चलती रही,
पलकों से अश्कों के निशान मिटाती रही।
सबके प्रति जिम्मेदारीयाँ निभाते निभाते
खुद की सिसकियाँ पल्लू में दबाती रही।
कितने सपने सजाये थे शादी के नाम से,
उन्हें तकिये के निचे सुलाकार जगती हूँ।
ससुराल में सबकी ख़ुशी का मैं कारण बनूँ,
यही सोच के बहु का लिबास ओढ़े जगती हूँ।
साँस ससुर के तानो में आशीर्वाद ढूंढ़ती हूँ,
ननंद भौजाई के रिश्ते में मिठास ढूंढती हूँ।
कहते तो हैं बहु घर की लक्ष्मी हैं,
नौकरनी से भी खस्ता जिंदगी जीती हूँ।
अपनी ख्वाहिशें...दर्द.... ख़्वाबों की पोटरी,
सिरहाने तले दफना कर जगती हूँ,
बेटी.. बहन...पत्नी के रिश्ते निभाते निभाते,
हर सुबह मैं बहु का लिबास ओढ़े जगती हूँ।

रुपया

टी तारासिंह
हैदराबाद

जग में है सबसे बड़ा रूपया
तेरे आंसू पोछ देता
तुझे हसता हसाता रहता
रूपये में है सब की जान
बूढ़े को जवान बनाये
जवान को बच्चा बनाये
इंसान रूपये से रूपया बढाये
रूपये से जमी खरीदे घर बनाये
सोना चांदी खरीदे रूपया बढाये
करे रूपये का लेन देन
असल से न्यारा ब्याज प्यारा
गरीब अमीर करे रूपये की पूजा
रूपया दोस्ती जोडे दुश्मनी बढाये
इससे दुःख दर्द मिटे फसादे बढे ।।

जीवन जीने की कला

डॉ माध्वी बोरसे!
रावतभाटा कोटा

जीवन जीने की कला,
जिसने सीखी, वही आगे चला,
उत्कृष्ट व्यवहार एवं विनम्रता,
रखने वाला ही जीवन को सही
मायने में समझता।
जीने का तरीका,
साथ रहने का सलीका,
हर पड़ाव को पार कर,
संयम से जिए जिंदगी भर।
मन में हो सकारात्मकता,
हो स्वयं में पूर्ण रूप से सहजता,
खुशियों से भरा हो हर महीना,
आज मैं पूरी तरह से आजाए जीना।
हृदय में ना हो मनमुटाव,
सोच सोच कर ना बढ़ाए कोई घाव,
ना करे किसी की निंदा और आलोचना,
अपने जीवन को सही कर्मों से सँजोना।
कौन क्या करता है वह उसका व्यवहार,
ना भूले हम स्वयं के संस्कार,
हमारी अमूल्य जीवन को अपने हाथों से ऐसा लिखें,
कि हमारी जीवनी से हर कोई अच्छी सीख ले ।।

खो रहे हैं रास्ते...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

खो रहे हैं रास्ते,
मंजिल का इशारा क्यों नहीं..
कितने गहरे हैं समंदर,
किनारा क्यों नहीं मिलता
थक गया,
बस अब और नहीं चला जाता
तूफानों का झंझावात, सहारा क्यों नहीं मिलता
कुछ जरूरतें हुईं थी पूरी,कुछ रह गयी अधूरी
उलझता ..रह गया, उजियारा क्यों नहीं मिलता
फ़िक्र मत कर,ज़िक्र मत..,दुआ सलाम.. रहने दो
चार दिन की जिंदगी,हमें हमारा क्यों नहीं मिलता
क्या दस्तक दूँ,अपने वजूद का दोस्तों
किसी के जेहन में आऊं,बंजारा क्यों नहीं मिलता
मान्यवर इंसा को मरे हुए तो जमाने गुज़र गए
बाक़ी फ़क़त भीड़, ध्रुव.. सितारा क्यों नहीं..
शिव की गंगा भी पानी,आबे ज़मज़म भी पानी
करें चिंतन.., हसीं नजारा क्यों नहीं मिलता
कुछ कह गए,कुछ सह गए,कुछ कहते.. रह गए
चौबीसों.. शकुनि..,पूछते ठिकाना क्यों नहीं..
समय न लगाओ तय करने में,.. क्या करना..
वरना समय तय करेगा,मुस्कराना क्यों नहीं..
यह भी मेरा वह भी मेरा, जो दिखे सब मेरा
अर्थी..अकेला, चार कंधों का सहारा क्यों नहीं..।।

तुम्हें फुर्सत कहाँ है ?

पल्लवी सिंह
मधुबनी, बिहार

नहीं हो आज तुम यहाँ मेरे पास
तो तुम्हारी तस्वीर को देखा
और घण्टों उससे बाते की है
काश ! काश कि तस्वीर की जगह तुम होते
और तुम्हें दिल का हाल सुनाती
मगर तुम्हें फुर्सत कहाँ है ?
अक्सर हर बात में तुम्हारी याद आती है
जब रात गहरी होती है तो सन्नाटे में
तुम्हारी आवाज और आँख बंद करते हीं
तुम्हारा वही चेहरा याद आता है
ख़ासकर तुम्हारी चमकती आँखें,
दाढ़ी से ढके तुम्हारे गाल
और छोटी सी गुलाबी होंठ
मैं बार-बार फोन देखती हूँ
लेकिन आजकल तुम्हारा कॉल या मैसेज नहीं आता
पहले अक्सर तुम्हारे बारे में सोचते हीं
फोन की घण्टी बज पड़ती थी
सचमुच ये बातें फ़िल्मी नहीं है
यकीन मानो आज भी मुझे बेसब्री से इंतजार रहता है
उस एक फोन कॉल और मैसेज का
मैं मन ही मन कुढ़ जाती हूँ
लेकिन मेरे मैसेज के बाद तुम्हारा एक रिप्लाई
मेरे गुस्से को कपूर की भांति उड़ा ले जाता है..
मैं तुमसे प्यार मोहब्बत वाली बातें नहीं करती
मगर तुमसे तुम्हारा हाल जरूर पूछती हूँ
हर रोज उस एक या दो लाइन की बातचीत में
जो सुकून महसूस करती हूँ
उसे कभी शब्दों में लिख पाना मुमकिन नहीं है
या यूं कहूँ की लिखना नहीं चाहती
लेकिन तुम्हें महसूस करना चाहती हूँ
वो हर एक पल जो हमें सुकून दे
मैं चाहती हूं जिंदगी के बाँकी साल
मुझे इंतजार न करना पड़े
बस तुम्हारा प्यारा-सा चेहरा
मेरी आँखों के सामने रहे
और तुम्हारी मजबूत बाहों के बीच मैं
फिर फुर्सत से महसूस करना मेरा इंतजार
जो हर पल तुमसे मिलने को तड़पता है
मेरे जान ! उस वक़्त तुम आना
लेकर ढ़ेर सारी फुर्सत ।

मेरे प्रिय

मुनीश भाटिया
कुरुक्षेत्र

रुख़सत तेरे होने के बाद अब
रिश्ते अपने पराये से लगने लगे हैं,
पीत हुए पात सब जीवन के
जुदा वृक्ष से बस होने को हैं !
किससे कहूं मैं व्यथा हृदय की
किस पर मैं विश्वास करूं,
मौन निमंत्रण भेजा जब भी
ठुकराया उतनी ही बार गया !
तेरी चाहतों में मजबूर होकर
याद तेरी मे खोए रहते हैं,
तेरे संग बिताया वक़्त हसीन था
अब बिन तेरे घड़ी हर इक है भारी !
हर शख्स यहाँ मसरूफ खुद में हैं
वक़्त नहीं है किसी के पास,इस जगत में दूसरों के लिए !
वियोग से युक्त इस जीवन मे
याद अब तेरी ही सहारा है,
हमराज़ बनी दीवारो से अब बातें करते रहते हैं !
कमरा अपना प्यारा लगता है
हमसाया थे मेरे प्रिय,
जिसमें तुम मेरे साथ कभी...!

संगठन की दशा...

ओमकार सर्डिवाल

संगठन का हाल भी सरकारों जैसा हो जारा।
बनती बिगड़ती कुछ तो गठबंधन से चलती।।
अधिपति के परिवर्तन की श्रृंखला बड़ी लंबी होती।
यथासंभव कार्यक्षेत्र भी परिवर्तित भय भीत होता।।
प्रधान पति विचार करें, क्या असर संगठन पर होता।
तिरस्कृत होते प्यादे,
हंस भावी भविष्य का होता।।
संदेश आपको अपने,
कार्य क्षेत्र का देते।
समस्या का समाधान,
ना जाने कब कौन करेगा।
पिछड़ापन साहेता संगठन, दुर्गति पर दुर्गति होती।
कुछ अपनी कुर्सी बचाते तो चाटुकारिता-सा चोला पहन ते।।
परिवर्तन तो नियति होती, इसका ज्ञान भी कुछ हमें होता।
क्षेत्र पर कुछ नजर होती,आज वर्तमान और कुछ होता।।

भूकंप

प्रभुनाथ शुक्ला

ईश्वर वैसे कभी रोता नहीं!
हमने उसे रोते नहीं देखा
लेकिन-
जरूर रोया होगा ईश्वर!
धरती में धंसते उस शहर को देख
मलबे में तब्दील उस संरचना को देख!
ईश्वर रोया होगा!
उस मासूम को देख मलबे के ढेर में मां को निहारते
बिखरी दूध की बोतल, किताबें
और उसके खिलौने देख!
वह रोया होगा!
गर्भनाल के साथ असमय आयी
उस अबोली को देख!
जिसने आने से पहले ही खो दिया
एक खूबसूरत संसार
अपनी उम्मीदें और सपने!
ईश्वर रोया होगा!
जलजले में खत्म होते
रिश्ते, उम्मीदें और ऐहसास देख!
ईश्वर ने जिन्हें बचा लिया
उनके पास अब है भी क्या!
एक खौफनाक डर, उखड़ती सांसे
और मलबे में बूत बने अपने!
ईश्वर को गुस्सा भी आया होगा!
निष्ठुर प्रकृति और उसकी निर्दयता पर!
लेकिन -ईश्वर करेगा न्याय!
जब हम होंगे उसके विधान के साथ!
आज नहीं तो कल!

राम हमारे नायक हैं

अयोध्या में खुशियां छाई हैं
भव्य - मंदिर की तैयारी है
राम जी की नगरी अदभुत है
जीवन में सुख यहीं तो है ।
मर्यादा सा जीवन हो
त्याग - सेवा का व्रत हो
' राममय ' बने जीवन
तब बन जाए जीवन सार्थक
राम - हमारे नायक हैं
मानवता के उद्धारक हैं
समरसता के पोषक हैं
सनातन - धर्म के उन्नायक हैं ।
आओ सब एक हो जाएं
जीवन राम - का उत्सव बन जाए ।

प्रेम का जाल

लवली आनंद,
बिहार

मुझे प्रेम हुआ और मैं विरक्त सी हो गई,
हर उस वस्तु से,जिससे मुझे मोह था।
मुझे प्रेम हुआ और
मैं सम्पूर्ण सी हो गई, हर उस भाव से
जिससे मैं अनभिज्ञ थी।
मुझे प्रेम हुआ और मैं स्थिर सी हो गई,
हर उस मार्ग से जहाँ
मेरी आत्मा भटकती थी।
मुझे प्रेम हुआ और मैं सुलझ सी गई,
हर उस जाल से जिसमें मैं आज तक उलझी हुई थी।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

कल पति था, अब रेपिस्ट बन गया

असम में चाइल्ड मैरिज कानून में 2763 लोग जेल में; परिवार बोले- शादी नहीं, कॉन्ट्रैक्ट हुआ

'3 फरवरी की रात थी। करीब 1 बजे होंगे। हम सब सो रहे थे। किसी ने जोर से दरवाजा पीटा। मैं जाग गया। दरवाजा खोलने में डर लग रहा था। खोला तो सामने 6-7 पुलिसवाले थे, उन्होंने मुझे धक्का दिया और दरवाजे पर लात मारते हुए अंदर आ गए। मैंने पूछा- क्या हुआ, तो उनमें से एक ने कहा- पुलिस स्टेशन चलो, पूछताछ करनी है। मेरे बेटे को भी जगाया। हम दोनों को पुलिस स्टेशन ले गए। कुछ समझ ही नहीं आया था कि हो क्या रहा है। थोड़ी देर बाद बोले, तुम्हारे बेटे ने नाबालिग से निकाह किया है। तुमने उसकी मदद की, इसलिए पकड़ा है।'

मोहर अली ये बताते हुए अभी भी डरे हुए नजर आते हैं। वे बेटे को याद करते हैं, तो गला रुंध जाता है। फिर खुद को संभालते हुए कहते हैं, 'तीन दिन तक बारपेटा डिस्ट्रिक्ट जेल में बंद था, न खाना मिला, न पानी। फिर मुझे छोड़ दिया, लेकिन बेटा फजल (बदला हुआ नाम) अब भी जेल में है। उस पर नाबालिग लड़की से रेप का इल्जाम लगा है।'

शादी नहीं, सिर्फ शादी का कॉन्ट्रैक्ट किया

मोहर अली कहानी सुना रहे थे, इसी बीच फजल की मां रहीमा एक कागज ले आईं। ये 2021 में बना एक कॉन्ट्रैक्ट (नोटरी) पेपर है। उसे दिखाते हुए बोलीं- 'हमने बेटे की शादी नहीं की। दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे, इसलिए हमने एक कॉन्ट्रैक्ट किया था कि दोनों 18 साल से ज्यादा के हो जाएंगे, तो शादी करा देंगे। पुलिसवालों को पेपर भी दिखाया, लेकिन वे नहीं माने।'

मोहर अली के नाबालिग बेटे की शादी का कॉन्ट्रैक्ट, जिसमें लिखा है कि लड़का-लड़की एक दूसरे को एक साल से पसंद करते हैं। इसके मुताबिक, लड़के की उम्र 21 साल और लड़की की उम्र 16 साल है।

मोहर अली के नाबालिग बेटे की शादी का कॉन्ट्रैक्ट, जिसमें लिखा है कि लड़का-लड़की एक दूसरे को एक साल से पसंद करते हैं। इसके मुताबिक, लड़के की उम्र 21 साल और लड़की की उम्र 16 साल है।

बारपेटा के मोवली कस्बे में अख्तरा खातून मिलीं। गोद में 6 महीने की बच्ची थी। अख्तरा ने बताया, 'मेरी उम्र 21 साल 6 महीने और 5 दिन है। मेरी शादी मार्च 2021 में हुई थी। उस समय भी मैं बालिग थी। प्रेग्नेंट हुई तो आशा वर्कर मेरे पास आई थीं। मैंने गलती से उन्हें अपनी गलत उम्र बता दी। उसी पर अब पुलिस ने मेरे पति को अरेस्ट कर लिया है।'

'मेरे पति को ही मेरा रेपिस्ट बना दिया'

करीब 5 हजार की आबादी वाले होवली से पुलिस ने 9 फरवरी तक 26 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से ज्यादातर बीपीएल कार्ड वाले यानी गरीबी रेखा से नीचे वाले हैं। यहां मेरी मुलाकात 6 महीने की प्रेग्नेंट निशा (बदला हुआ नाम) से हुई।

निशा के मुताबिक, उनकी शादी मार्च 2022 में हुई थी। वे अपनी उम्र 17 साल से ज्यादा बताती हैं, लेकिन उनके हाथ में प्रेग्नेंसी का हेल्थ कार्ड था, उसमें उम्र 16 साल लिखी है। इसी को आधार बनाते हुए पुलिस ने उनके पति को अरेस्ट कर लिया है।

वे कहती हैं, 'मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा है कि मैं कहां जाऊं, अगर वो बाहर नहीं आए तो मर जाऊंगी, मेरे साथ पेट में पल रहा बच्चा भी खत्म हो जाएगा।'

निशा से मिलकर मैं आगे बढ़ा तो पड़ोस में रहने वाले रुबिल हसन ने रोक लिया। 4 अक्टूबर की रात उनके भतीजे और भाई मलिक अली को पुलिस पूछताछ के लिए ले गई थी। इसके बाद से ही वे जेल में हैं।

हसन बताते हैं, '23 जनवरी की दोपहर अचानक नाजिया (बदला हुआ नाम) घर आई और कहने लगी कि वो मेरे भतीजे राहिल (बदला हुआ नाम) से प्यार करती है। उसने बताया कि वह पिता का घर छोड़कर आई है और वापस नहीं जाएगी। हमें लगा बच्चे आपस में प्यार करते हैं, तो उसे अपना लिया, तभी से वो इसी घर में रहने लगी। दोनों नाबालिग थे, इसलिए उनकी शादी नहीं हुई थी।'

'गांव में किसी ने शिकायत की और पुलिस रात के ढाई बजे आई, भाई और भतीजे को उठा ले गई। पुलिस के पास लड़के-लड़की की साथ की एक फोटो थी। इसी के आधार पर उनकी गिरफ्तारी हुई है। मेरा भाई मजदूर है, उसके जेल जाने से घर में तंगी हो गई है।'

नाबालिग बेटी की शादी कराने के आरोप में पिता गिरफ्तार

9वीं क्लास की स्टूडेंट नसरीन (बदला हुआ नाम) के पिता भी जेल में बंद हैं। पुलिस नाबालिग बेटी की शादी करवाने के आरोप में उन्हें ले गई। नसरीन कहती हैं, 'मैं सफ्फिकुर से प्यार जरूर करती हूं, लेकिन अभी हमारी शादी नहीं हुई है। मैं अभी 18 साल की नहीं हूं, जब बालिग हो जाऊंगी तो हम शादी करेंगे।'

नसरीन की मां शबाना कहती हैं, 'हमारे ऊपर ज्यादती की जा रही है। मेरी बेटी बहुत कमजोर है, इसलिए हम अभी उसकी शादी नहीं करने वाले थे। हां, हमने आगे के लिए सिर्फ लड़के के परिवार से बातचीत शुरू की थी। मैं बस इतना चाहती हूं कि पुलिस मेरे पति को रिहा कर दें।'

ऐसी ही कहानी कोहिनूर बेगम की भी है। वे बताती हैं, '5 फरवरी को पुलिस रात में एक बजे घर में घुस गई, बेटे और पति सकीबुल हक को गाड़ी में बैठाकर थाने ले गई। मैं उन्हें बेटे का आधार कार्ड दिखाती रही। बेटे ने शादी नहीं की है, वो सिर्फ एक लड़की से प्यार करता है। लड़की के पिता तैयार हैं, इसलिए लड़की मौसी के घर गई थी। किसी ने पुलिस को बताया कि वह ससुराल में है। इसलिए पुलिस इसे बाल विवाह मानकर उन्हें ले गई।'यहीं मुझे कोहिनूर के बेटे का का आधार कार्ड मिला, इसके हिसाब से उसकी उम्र 17 साल है।

होवली कस्बे में अरेस्ट हुए 9 लोगों का केस देख रहे एडवोकेट सैफुल इस्लाम ने बताया, 'गिरफ्तारी के बाद ये केस मेरे पास आए थे। पुलिस ने इन्हें अरेस्ट तो कर लिया, लेकिन इनके नाबालिग होने का कोई डॉक्यूमेंट अब तक अदालत के सामने पेश नहीं किया है। गिरफ्तार हुए सभी लड़कों पर पॉक्सो एक्ट लगाया गया है। यह गैरजमानती धारा है। यही कारण है कि इनकी जमानत नहीं हो पा रही है। बाल विवाह पर दो साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है।'

सैफुल बताते हैं- 'पुलिस मुखबिरों की गलत सूचना पर कार्रवाई कर रही है। ज्यादातर उन लोगों को अरेस्ट किया गया, जो एक दूसरे को पसंद करते हैं और जिनकी सगाई या कॉन्ट्रैक्ट हुआ है। चाइल्ड मैरिज तो कानूनन गलत है, नाबालिगों के बीच या उनके साथ सेक्शुअल रिलेशन भी पॉक्सो एक्ट के तहत रेप माना जाता है।'

'हमारा कहना सिर्फ इतना है कि अगर पुलिस के पास सबूत हैं, तो उसे अदालत में पेश करना चाहिए। किसी को भी गिरफ्तार करने से पहले नोटिस देकर उसे पुलिस स्टेशन आने के लिए कहना चाहिए, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। अब हम अदालत में फिर से अर्जी देंगे और अपने सबूत रखकर जमानत मांगेंगे।'

शादी करवाने वाले मौलवी भी अरेस्ट किए गए

सैफुल के मुताबिक, 'मैंने नाबालिगों की शादी करवाने के आरोप में गिरफ्तार तीन काजियों को भी जमानत पर रिहा करवाया है। इस घटना के बाद से उनके मन में डर बैठ गया है और वे बालिगों का निकाह करवाने से भी डर रहे हैं।'

दो पीड़ितों के वकील इकबाल अहमद भी बताते हैं, 'पुलिस ने इन्हें सिर्फ सस्पेक्ट मानते हुए गिरफ्तार किया है। पहले नोटिस दिया जाना चाहिए था, लेकिन पुलिस सीधे आई और गिरफ्तार कर लिया।'

कार्रवाई सही, लेकिन तरीका गलतः मुस्लिम स्कॉलर बाल विवाह पर की जा रही कार्रवाई पर मुस्लिम स्कॉलर अब्दुल अजीज कहते हैं- 'कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन इसका तरीका गलत है। असम में चाइल्ड मैरिज के खिलाफ 2006 में बिल पास हुआ था, उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब अचानक यह कदम उठाया जा रहा है, यह सरकार की मंशा पर शक खड़ा करता है।'

'पुलिस ने जिन लोगों को अरेस्ट किया है, उनमें से ज्यादातर सीरियस मामले नहीं है। कई लोगों को सिर्फ झूठी सूचना पर गिरफ्तार किया गया है। वे गरीब हैं और पढ़े-लिखे नहीं हैं। ऐसे में सरकार को नरमी बरतनी चाहिए। गिरफ्तार करने से पहले उन्हें किसी ने बताया नहीं, इससे साबित होता है कि सिर्फ दिखाने के लिए एक्शन हो रहा है।'

क्या इससे कोई बदलाव आने वाला है, इसके जवाब में अब्दुल अजीज कहते हैं कि 'बदलाव के लिए अवेयरनेस, नॉलेज और सोशल सिस्टमैटिक प्रोसेस की जरूरत है। डर फैलाकर लोगों को सिर्फ दबाया जा सकता है।'

राज्य में बन रहीं अस्थायी जेलें

असम पुलिस अब तक चाइल्ड मैरिज एक्ट के तहत 4,135 केस दर्ज कर चुकी है। 2,763 लोग जेल में बंद हैं। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा कह चुके हैं कि ये अभियान 2026 तक चलेगा। इस लिहाज से राज्य में नई अस्थायी जेलें बनाई जा रही हैं, ताकि जेलों में जगह न बचने पर इनका इस्तेमाल हो सके।

ये बिल्डिंग सिलचर के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑटोमोटिव इंस्पेक्शन के कैंपस की है। इंस्टीट्यूट बंद हो चुका है। इसे ही अस्थायी जेल में बदला जा रहा है। ये बिल्डिंग सिलचर के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑटोमोटिव इंस्पेक्शन के कैंपस की है। इंस्टीट्यूट बंद हो चुका है।

इसे ही अस्थायी जेल में बदला जा रहा है।

कछार जिले के एसपी नोमल महट्टा कहते हैं कि 'हमें अस्थायी जेल बनाने की मंजूरी मिल गई है। इसे सिलचर के पास एक सरकारी इमारत में बनाया जाएगा। गोलपारा में मटिया में अवैध शरणार्थियों के लिए ट्रांजिट कैंप बनाया गया था। इसमें भी बाल विवाह के मामलों में आरोपियों को रखा जा रहा है। यहां 3 हजार लोगों को रखा जा सकता है।'

असम पुलिस के प्रवक्ता प्रशांत भूयान कहते हैं- 'हम गैरकानूनी तरीके से शादी करने वालों पर कार्रवाई कर रहे हैं। इनके खिलाफ एफआईआर और लिखित शिकायत दर्ज हुई है। इसके पीछे कोई भी मोटिव नहीं है। अगर हमें कोई जानकारी दे रहा है, तो हम पहले उसकी जांच कर केस दर्ज कर रहे हैं। कोई हमारे पास एफआईआर के साथ आता है, तो हमें कार्रवाई करनी ही पड़ेगी।'

हंगामे के बीच बाजार की सेहत

इस दौरान एक सकारात्मक तथ्य यह सामने आया है कि भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों ने हड़बड़ी नहीं दिखाई और भारतीय आर्थिक तंत्र की नीतियों में विश्वास रखते हुए अपने निवेश को सुरक्षित रखा। इससे भारतीय शेयर बाजार को मजबूती मिली, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक स्तर पर यह बात स्थापित हुई है कि अब भारत का शेयर बाजार बहुत सशक्त और आत्मनिर्भर है।

जनवरी के अंतिम सप्ताह की सर्दियों में अचानक आर्थिक चर्चाओं का बाजार खूब गर्म हो उठा। वैसे हर साल इस दौरान बजट के लिए चर्चाओं का दौर चलता है, पर इस बार नजारा कुछ अलग था। एक विदेशी शोध कंपनी ने अपनी एक रिपोर्ट में भारत के एक बड़े औद्योगिक घराने को लेकर जब कुछ वित्तीय अनियमितताओं का जिक्र किया, तो इसने वैश्विक चर्चा का रूप ले लिया। भारतीय शेयर बाजार में खलबली-सी मच गई।

उसे लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरीके से विश्लेषण होने लगे। महसूस किया जाने लगा कि उसकी छाप कहीं न कहीं आने वाले बजट पर भी दिखेगी। निश्चित रूप से यह हर किसी के लिए एक आर्थिक झटका था। हर किसी के सामने यही प्रश्न था कि कहीं यह भी नब्बे के दशक के शेयर घोटाले जैसा तो नहीं है, इसका असर कितने अरसे तक रहेगा।

भारत निश्चित रूप से अब एक ऐसी मजबूत अर्थव्यवस्था बन चुका है, जिसमें कोई औद्योगिक घराना बड़ा नहीं, बल्कि सबसे बड़ा निवेशक है। इस संदर्भ में अगर 24 जनवरी से लेकर 3 फरवरी तक के मुंबई स्टाक एक्सचेंज के सेंसेक्स के आंकड़ों को देखें, तो पता चलता है कि इन दिनों में यह मात्र 137 अंक नीचे आया।

1991 के आर्थिक सुधारों के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था ने पूरी तरह पूंजीवाद की तरफ रुख कर लिया है। शेयर बाजार इसमें मुख्य भूमिका निभा रहा है। शुरुआती समय में भारतीय आर्थिक तंत्र इतना मजबूत नहीं था, जितना कि आज है, इसलिए शेयर बाजार के कुछ आर्थिक घोटाले सामने आए और उनका असर लंबे अरसे तक भारतीय शेयर बाजार में दिखा, क्योंकि उसने एक आम निवेशक के आत्मविश्वास को तोड़ा था।

इस समय की परिस्थिति इससे बिल्कुल हटकर है, इसलिए शेयर बाजार के पहले के आर्थिक घोटालों को आज के औद्योगिक घरानों के साथ प्रत्यक्ष रूप से जोड़ कर देखना सही नहीं होगा। इसके पीछे कई आधार हैं। मुख्य तौर पर यह समझा जा सकता है कि आज के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था पूर्णतया वैश्विक परिस्थितियों के साथ अंतर्निहित होकर संचालित हो रही है, जो उस समय नहीं थी।

दूसरे, पहले के आर्थिक घोटालों के तथ्य भारत के निष्पक्ष पत्रकारों ने खोले थे, जबकि इस समय एक ऐसी विदेशी रिसर्च कंपनी ने खोला है, जिसकी खुद की विश्वसनीयता दांव पर है। इसलिए कि ऐसी जांच के पीछे उसका मुख्य उद्देश्य खुद मुनाफा कमाना होता है।

यह विदेशी रिसर्च कंपनी खुद पहले बड़े औद्योगिक घरानों के शेयर भारी मात्रा में बेचती और फिर मूल्य गिरने पर उन्हें खरीद लेती है। शेयर बाजार की भाषा में इसे 'शार्ट सेलिंग' कहते हैं।

इस दौरान एक सकारात्मक तथ्य यह सामने आया है कि भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों ने हड़बड़ी नहीं दिखाई और भारतीय आर्थिक तंत्र की नीतियों में विश्वास रखते हुए अपने निवेश को सुरक्षित रखा। इससे भारतीय शेयर बाजार को मजबूती मिली, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक स्तर पर यह बात स्थापित हुई है कि अब भारत का शेयर बाजार बहुत सशक्त और आत्मनिर्भर है। इस विश्वास को नए बजट ने और पुख्ता किया।

चर्चा में आया भारतीय औद्योगिक घराना पिछले लंबे अरसे से ऐसे क्षेत्रों के व्यापार में सलंग्न है, जिनमें आर्थिक घाटे का पूर्वानुमान करना भी लगभग असंभव-सा प्रतीत होता है। यह औद्योगिक घराना लगभग एकाधिकार के रूप में विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में खुद को स्थापित कर चुका है। इस बात का अंदेशा बिल्कुल एकतरफा प्रतीत होता है कि इस औद्योगिक घराने को व्यापारिक आर्थिक घाटा हो जाएगा और उसके द्वारा लिए गए विभिन्न ऋणों का भुगतान नहीं हो पाएगा।

यह भी समझना होगा कि भारतीय शेयर बाजार और व्यापारिक गतिविधियों की चाल अलग-अलग दृष्टिकोण से संचालित होती हैं। इनमें तकरीबन आपसी तालमेल बना रहे, यह जरूरी नहीं है। बीते दस दिनों में इस औद्योगिक घराने को शेयर बाजार में तकरीबन पचास प्रतिशत से अधिक का नुकसान हो चुका है, जिसके कारण इसकी विभिन्न कंपनियों के शेयर मूल्य बहुत ज्यादा टूटे हैं। इसका असर शुरुआती दिनों में सेंसेक्स तथा एनएसई निफ्टी पर भी देखने को मिला था, मगर बाद में उन दोनों में तेजी से सुधार आया।

यह भी जानना आवश्यक है कि इस औद्योगिक घराने की विभिन्न कंपनियों के करीब सत्तर प्रतिशत शेयर में सहभागिता इनके प्रवर्तक की व्यक्तिगत है, जिसे तकनीकी भाषा में 'प्रमोटर इक्विटी' कहा जाता है। शायद यही कारण है कि इस कंपनी के 'चेयरमैन की प्रमोटर इक्विटी' में भी बहुत बड़े स्तर पर आर्थिक नुकसान हुआ है, जिसके कारण वे अब विश्व के प्रथम बीस अमीरों की श्रेणी से बाहर हो गए हैं, जबकि दस दिन पहले तक वे तीसरे बड़े धनी व्यक्ति थे।

अब यह भी समझना होगा कि जब इन कंपनियों के शेयर कोरोना महामारी के दौरान दो वर्षों में तकरीबन एक हजार प्रतिशत के आसपास बड़ी तेजी से बढ़े, तो शायद उसी कारण इस औद्योगिक घराने के मालिक की व्यक्तिगत संपदा भी वैश्विक स्तर पर बहुत तेजी से ऊंचाई पर गई और वह भारत के सबसे अमीर व्यक्ति में शुमार हुए।

यहां यह भी गौरतलब है कि आज अगर इस औद्योगिक घराने के शेयर बाजारों में गिरावट से दूसरे बड़े निवेशकों को नुकसान देखा जा रहा है, तो क्या जब इस कंपनी के शेयर में भारी तेजी हुई, तो उन्होंने उस दौरान मुनाफा नहीं बनाया होगा? शेयर बाजार की गिरावट तभी आर्थिक चिंता का मुद्दा बनती है, जब वह कंपनी की व्यापारिक गतिविधियों में हो रहे घाटे से संचालित हो रही हो।

मुस्लिमों का सबसे अमीर समुदाय है दाऊदी बोहरा

महिला खतना और बराअत से विवादों में रहा है समाज

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मुंबई में दाऊदी बोहरा समुदाय के सैफ एकेडमी के एक कैंपस का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे बार-बार प्रधानमंत्री मत कहिए। मैं आपके परिवार का सदस्य हूं। मोदी ने कहा कि वो 4 पीढ़ियों से बोहरा समुदाय से जुड़े हैं। इससे पहले 2018 में मोदी प्रधानमंत्री के तौर पर इंदौर में बोहरा समुदाय के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। 2005 की एक तस्वीर मौजूद है, जिसमें नरेंद्र मोदी चेन्नई में बोहरा समुदाय के सैयदना के जन्मदिन के मौके पर उनसे मिलने पहुंचे हैं। आज जानेंगे कौन है दाऊदी बोहरा समुदाय और पीएम मोदी की इस समुदाय से नजदीकियों के क्या मायने हैं?

दाऊदी बोहरा समुदाय की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक ये समुदाय पैगंबर हजरत मोहम्मद के वंशज हैं। दाऊदी बोहराओं के 21वें और अंतिम इमाम तैयब अबुल कासिम थे। उनके बाद 1132 ईस्वी से आध्यात्मिक गुरुओं की परंपरा शुरू हो गई, जो दाई-अल-मुतलक सैयदना कहलाते हैं। बोहरा समुदाय 11वीं शताब्दी में उत्तरी मिस्र से भारत पहुंचा था। 1539 के बाद इस समुदाय का भारत में तेजी से विस्तार हुआ। यही वजह है कि बोहरा समुदाय ने अपने मुख्यालय को यमन से भारत के गुजरात स्थित सिद्धपुर में शिफ्ट कर दिया।

1588 में इस समुदाय के 30वें सैयदना की मौत के बाद उनके वंशज दाऊद बिन कुतुब शाह और सुलेमान शाह के बीच इस पद के लिए विवाद हो गया था। इसके बाद ही बोहरा दो हिस्से में बंट गए- दाऊदी बोहरा और सुलेमानी बोहरा। सुलेमानी बोहरा का दफ्तर यमन में है, जबकि दाऊदी का मुख्यालय मुंबई है। भारत में दाऊदी बोहरा की आबादी 5 लाख और सुलेमानी बोहरा की आबादी 3 लाख है। वहीं पूरी दुनिया में दाऊदी बोहरा करीब 10 लाख और सुलेमानी बोहरा करीब 5 लाख हैं। भारत के अलावा इस समुदाय के लोग करीब 40 देशों में रहते हैं। इनकी ज्यादातर आबादी भारत, पाकिस्तान, यमन और पूर्वी अफ्रीका में है। ये लोग फातिमी इस्माइली तैय्यबी स्कूल ऑफ थॉट को मानते हैं।

बोहराओं में आध्यात्मिक गुरु ही सर्वोच्च ताकत

सैयदना के पद पर बैठे शख्स को समुदाय के लोग सुपर अथॉरिटी यानी सर्वोच्च सत्ता मानते हैं। इस वक्त दाऊदी बोहरा के लीडर डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन हैं। उन्होंने अपने पिता और 52वें लीडर डॉ सैयदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन के निधन के बाद ये पद जनवरी 2014 में संभाला था। दाऊदी बोहरा समुदाय पढ़े-लिखे, संपन्न और बिजनेस करने वाले माने जाते हैं।

सैयदना देश और विदेश में अपने दूत नियुक्त करते हैं। इसे आमिल कहते हैं। आमिल ही धर्मगुरु के फरमान को लोगों तक पहुंचाते हैं। बोहरा धर्मगुरु सैयदना की बनाई हुई व्यवस्था के मुताबिक बोहरा समुदाय में हर सामाजिक, धार्मिक, पारिवारिक और व्यवसायिक कार्य के लिए सैयदना की रजा (अनुमति) अनिवार्य होती है। ये अनुमति हासिल करने के लिए समुदाय के लोगों को तय किया गया शुल्क चुकाना होता है।

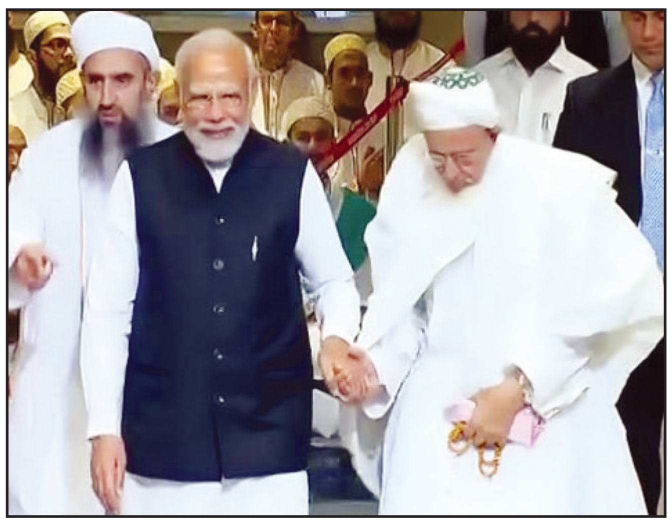

शादी-ब्याह, बच्चे का नामकरण, विदेश यात्रा, हज, नए कारोबार, अंतिम संस्कार आदि सभी कुछ सैयदना की अनुमति से ही संभव होता है। सैयदना के दीदार करने और उनका हाथ अपने सिर पर रखवाने और उनके हाथ पर बोसा लेने के लिए भी कम्युनिटी के लोग लालायित रहते हैं। समुदाय के लोग अपनी वार्षिक आमदनी का एक निश्चित हिस्सा दान में देते हैं।

1. दाऊदी बोहरा समुदाय के सैयदना पद के लिए दावा

बोहरा समुदाय के सबसे बड़े धर्मगुरु के पद पर सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन बैठे हैं। हालांकि उनके ही परिवार के लोग उस पर अपना दावा करते हैं और ये मामला बॉम्बे हाईकोर्ट में चल रहा है। दरअसल, समुदाय के 52वें सैयदना थे मोहम्मद बुरहानुद्दीन। 2012 में अचानक बीमार होने की वजह से उनकी मौत हो गई।

इसके बाद उनके बेटे सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन 53वें धर्मगुरु बन गए, जिसका उनके चाचा खुजेमा कुतुबुद्दीन ने विरोध किया। चाचा का दावा था कि जीवित रहते हुए मोहम्मद बुरहानुद्दीन ने उन्हें अपना माजूम नियुक्त किया था। इसके बाद से ये मामला बॉम्बे हाईकोर्ट में चल रहा है।

2. बोहरा समुदाय में महिला खतना की प्रथा का मामला

2018 में दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला खतना प्रथा के खिलाफ मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। धर्म के नाम पर लंबे समय से चली आ रही इस परंपरा को अमानवीय बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। कोर्ट में दायर जवाब में केंद्र सरकार ने कहा कि वो इस तरह की परंपरा के पक्ष में नहीं है। ये मामला अभी भी कोर्ट में चल रहा है।

3. बराअत की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ करेगी

बोहरा समुदाय बराअत की वजह से भी चर्चा में रहा है। सैयदना के फैसले का उल्लंघन करने वालों को बराअत यानी सामाजिक बहिष्कार का फरमान सुनाया जाता है। अगर किसी शख्स के खिलाफ बराअत का आदेश सैयदना जारी करते हैं तो इसके बाद उस शख्स को मस्जिद में एंट्री नहीं दी जाती है। मरने के बाद उसे कब्रिस्तान में भी दफनाने की इजाजत भी नहीं मिलती है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक पीठ सुनवाई करेगी।

घरों के अंदर क्यों बंद नहीं होती महिलाओं से हिंसा

यह एक बड़ा सवाल है कि क्या हमारे घर लैंगिक हिंसा से मुक्त हैं? क्योंकि हम जब भी लैंगिक हिंसा की बात करते हैं, तब हमारा इशारा घर से बाहर की दुनिया की ओर ही होता है। जमाना खराब है। देर रात तक बाहर रहना ठीक नहीं। ऐसी नौकरी करना ठीक नहीं। ऐसे लोगों से मिलना ठीक नहीं। तमाम हिदायतें घर से बाहर कदम रखने पर दी जाती हैं। लेकिन क्या कभी हम अपने परिवारों के भीतर स्त्रियों से हिंसा पर बात करते हैं? या क्या हम कभी लड़कियों को घर के भीतर जेंडर्ड हिंसा के बारे में जागरूक करते हैं? हिदायतें देते हैं?

यह सोचना एक झटके में तो हैरान करता है कि औरतों के खिलाफ अपराध घर में? लेकिन यह भी तो सच है कि सती-प्रथा, बाल-विवाह, विधवाओं के साथ अमानवीय व्यवहार, जबरन केश-मुंडन जैसी कितनी ही जेंडर-आधारित हिंसाएं परंपराओं के नाम पर घरों में पलती रहीं, जिनमें से कुछ आज भी जीवित हैं। इसे विडंबना ही कहा जा सकता है कि शादी को लड़कियों के लिए इसलिए जरूरी बताया जाता है क्योंकि यह माना जाता है कि घर-परिवार ही उसे सामाजिक सुरक्षा दे सकते हैं। यह चिराग तले अंधेरे वाली बात है। इस पर कोई बात नहीं करना चाहता कि असल में कितनी लड़कियों को शादी के बाद सुरक्षित जीवन मिल पाता है। सुरक्षित जीवन का मतलब सिर्फ रोटी, कपड़ा, मकान नहीं गरिमापूर्ण ढंग से जीवनयापन कर सकना और बराबरी से घर के जरूरी मामलों में शरीक हो सकना भी है। दहेज के लिए मौखिक और शारीरिक प्रताड़ना के मामले भले ही समय के साथ कम हुए हों, घरेलू हिंसा के मामलों में कोई कमी नहीं आई है। राष्ट्रीय महिला आयोग की 4 अप्रैल 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, कोविड लॉकडाउन के शुरुआती हफ्ते में ही घरेलू हिंसा की शिकायतें कई गुना बढ़ गईं। उस दौरान मर्दों की नौकरियां चली गईं, तनख्वाह का पता नहीं मिलेगी या नहीं, परिवार एकांत में धकेल दिए गए। ऐसी स्थिति में सारी चिढ़ और हिंसा स्त्रियों पर निकाली गई। यूएन वुमन की वेबसाइट ने इसे 'शैडो पैंडेमिक' बताया। लॉकडाउन ने महिलाओं से उनका एकांत छीन लिया। वे पल छीन लिए, जब वे कुछ पल सुस्ता सकती थीं। जिन घरों में सारा घरेलू श्रम स्त्री के हिस्से में ही आया, वहां काम के अतिरिक्त बोझ और फरमाइशों, अपेक्षाओं, शिकायतों ने स्त्रियों की कमर ही तोड़ दी। इसी के बीच जीवनसाथी द्वारा यौन-हिंसा, वैवाहिक बलात्कार को भी शामिल कर लें तो ये आंकड़े कई गुना बढ़ सकते हैं।

महाशिवरात्रि के पहले मिलने लगे ये 6 तरह के संकेत

हिंदू पंचांग के अनुसार महाशिवरात्रि का त्योहार हर साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भगवान शिव की कृपा पाने के लिए विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। इस बार महाशिवरात्रि का त्योहार 18 फरवरी 2023 को है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस तिथि पर ही भगवान भोलेनाथ ने माता पार्वती की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर उनके संग विवाह किया था। महाशिवरात्रि पर भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कई उपाय किए जाते हैं।

स्वप्न में शिवलिंग देखना शुभ

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अगर महाशिवरात्रि के त्योहार के पहले सपने में खुद को घर के पास बने किसी शिवमंदिर में शिवलिंग का अभिषेक करते हुए दिखाई दे तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। इस तरह के सपने से भोलनाथ आपकी सभी तरह की परेशानियों का जल्द दूर कर आपके और आपके परिवार के ऊपर कृपा रखने वाले हैं। अगर फाल्गुन माह की शिवरात्रि से पहले सपने में बेलपत्र दिखाई दे या फिर सपने में बेल के पेड़ सें सबंधित को सपना दिखाई देता है तो यह भी शुभ संकेत है। यह इस बात की तरफ इशारा करता है कि भगवान शिव आपके ऊपर मेहरनबान होने वाले हैं।

बिल्व पत्र भगवान को प्रिय

बिल्ब पत्र की तरह ही रुद्राक्ष भगवान शिव को अतिप्रिय होता है। रुद्राक्ष को शिव का अवतार माना गया है। ऐसे में अगर महाशिवरात्रि के पहले किसी व्यक्ति के सपने में रुद्राक्ष दिखाई दे यह सपना भी शुभ माना गया है। इस सपने का मतलब अब से आपके जीवन में चली आ रही हर तरह की समस्याओं का अंत होने वाला है। ग्रहदोषों से मुक्ति मिलने वाली हैं। वहीं अगर किसी व्यक्ति को महाशिवरात्रि के पहले सपने में काला शिवलिंग दिखाई दे तो यह व्यापार में अच्छा मुनाफा और नौकरी में तरक्की के संकेत माना जाता है।

महाशिवरात्रि के पहले अगर सपने मे भगवान शिव के साथ माता पार्वती और भगवान गणेश समेश भोलेनाथ के सभी गण एक साथ दिखाई दे तो समझा जाता है कि आपके परिवार पर भगवान शिव के साथ माता पार्वती दोनों का आशीर्वाद बना हुआ। इस सपने के दिखाई देने पर परिवार में सुख-समृद्धि और दांपत्य जीवन में खुशियों के आगमन का संकेत होता है।

नागदेवता भगवान शिव के आभूषण हैं। ऐसे में अगर महाशिवरात्रि के पहले किसी व्यक्ति के सपने में नाग या कोई सांप दिखाई दे तो यह जीवन में धन वृद्धि का संकेत होता है।

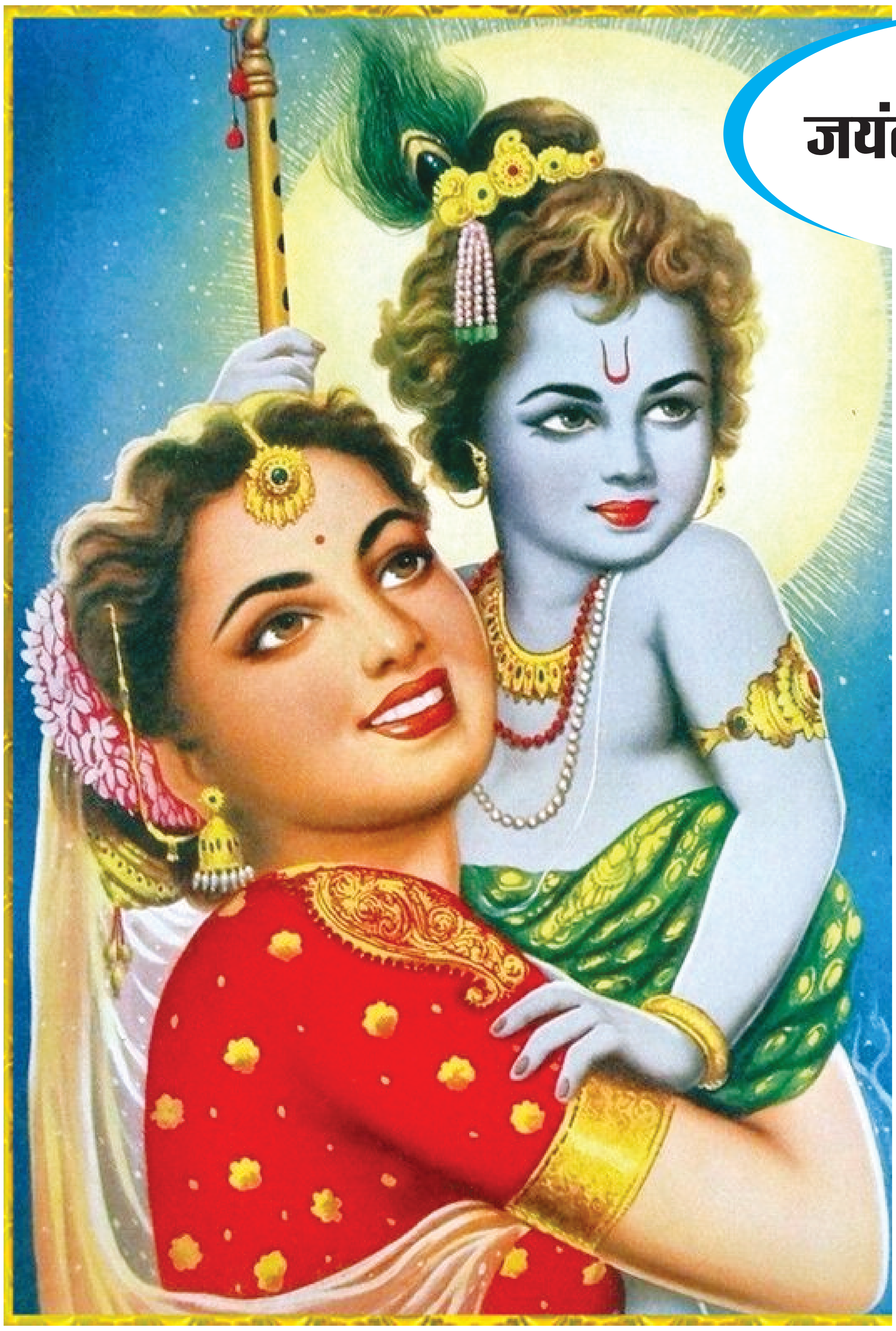

यशोदा जयंती का समापना आज

हिंदू धर्म में कई सारे पर्व त्योहार मनाए जाते है और सभी का अपना महत्व होता है वही हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी पर यशोदा माता का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है, जिसे यशोदा जयंती के नाम से जना जाता है। देवी यशोदा भगवान श्रीकृष्ण की पालक माता है कहते हैं कि बाल कृष्ण को जन्म भले ही देवकी ने दिया था लेकिन उनका लालन और पालन माता यशोदा ने ही किया था।

आपको बता दें कि यशोदा जयंती का पर्व खास कर गुजरात, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में मनाया जाता है इस दिन महिलाएं अपनी संतान की लंबी आयु और अच्छी सेहत के लिए उपवास रखती है। ऐसा कहा जाता है कि जिन महिलाओं को संतान प्राप्ति या पुत्र प्राप्ति की इच्छा है वे भी इस दिन उपवास रखकर पूजा पाठ कर सकती है ऐसा करने से मां यशोदा की कृपा से आपकी इच्छा पूर्ण हो जाएगी। तो आज हम आपको यशोदा जयंती की तारखी और मुहूर्त बता रहे है, तो आइए जानते है।

यशोदा जयंती की तारीख और मुहूर्त–
धार्मिक पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि 11 फरवरी को सुबह 9 बजकर 5 मिनट से आरंभ हो चुकी है। वही इसका समापन अगले दिन 12 फरवरी को 9 बजकर 47 मिनट पर हो जाएगा। ऐसे में यशोदा जयंती का व्रत पूजन 12 फरवरी के दिन करना उत्तम रहेगा। इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 9 बजकर 54 मिनट से 11 बजकर 17 मिनट तक है।

पूजन की विधि–

यशोदा जयंती के शुभ दिन पर सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए इसके बाद साफ वस्त्रों को धारण कर व्रत पूजन का संकल्प करें पूजा की चौकी पर लाल वस्त्र बिछाकर मां यशोदा की ऐसी तस्वीर स्थापित करें जिसमें उन्होंने बालगोपाल को लिया हो।

फिर माता को लाल चुनरी अर्पित कर, रोली, कुमकुम, पुष्प, तुलसी, धूप, दीपक से विधिवत पूजा करें बाल कृष्ण और देवी यशोदा को पान, केले, माखने का भोग चढ़ाएं इसके बाद गोपाल मंत्र का जाप करें और भगवान की आरती पढ़ें और अपनी मनोकामना कहें। मान्यता है कि इस विधि से पूजा पाठ करने से लाभ जरूर मिलता है।

इस ग्रह के कारण 5 राशि के लोगों को साल 2025 तक रहना होगा सावधान

आपको बता दें कि शनि इस वर्ष 17 जनवरी 2023 को कुंभ राशि में प्रवेश कर चुके हैं। शनि पिछले ढाई सालों से मकर राशि में मौजूद थे। मकर और कुंभ राशि शनि ही स्वयं की राशि है। शनि जिस राशि में गोचर करते हैं उस राशि पर शनि की

साढ़ेसाती का चरण शुरू हो जाता है। शनि के राशि परिवर्तन से मकर, कुंभ और मीन राशि पर साढ़ेसाती के अलग-अलग चरण चल रहे हैं। शनि कुंभ राशि में साल 2205 तक मौजूद रहेंगे ऐसे में साल 2025 तक 5 राशि वालों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं कौन-कौन सी हैं वे 5 राशियां है जो जिन्हें 2025 तक कष्टों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क राशि

शनि के इस साल कुंभ राशि में प्रवेश करने के कारण कर्क राशि के जातकों पर शनि की ढैय्या शुरू हो चुकी है। शनिदेव आपके आठवें भाव में विराजमान हैं जिस कारण से आने वाला समय

आपके लिए कष्टों और परेशानियों से भरा रहने वाला होगा। जो लोग नौकरीपेशा है उनके कार्यक्षेत्र में काम का अत्याधिक दबाव देखने को मिलेगा। आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या राशि

इस राशि के जातकों को भी साल 2025 तक परेशानियों, बीमारियों और असफलताओं का सामना करना पड़ सकता है। कार्यों में मिले-जुले परिणाम की प्राप्ति होगी। खर्चों में वृद्धि होने से आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। लड़ाई-झगड़े बढ़ सकते हैं जिसके चलते आपको काफी मानसिक परेशानियों से जूझना पड़ सकता है। सेहत संबंधी गिरावट देखने को मिल सकती है।

वृश्चिक राशि

इस साल आपके ऊपर शनि की ढैय्या शुरू हो चुकी है। जोकि साल 2025 तक चलेगी। ऐसे में आपको कई तरह की परेशानियों से गुजरना पड़ सकता है। पारिवारिक संपत्ति को लेकर कुछ वाद-विवाद हो सकता है। जो लोग किसी व्यापार में कार्यरत है उनके लिए आने वाला साल ज्यादा शुभ नहीं रहेगा। वहीं नौकरीपेशा जातकों का भी अपने कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के जातकों के लिए शनि की साढ़ेसाती का दूसरा चरण शुरू हो चुका है जो आने वाला साल 2025 तक रहेगा। शनि आपके लग्न भाव में विराजमान हैं। नौकरी और व्यापार में आपको विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। धन की की संभाावना ज्यादा रहेगी और मान-समाम में गिरावट देखने को मिल सकती है। आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा और दूसरे लोगों से कुछ भी बोले तो उससे पहले कई बार सोच-विचार अवश्य कर लें।

हीरे-जवाहरात से भी ज्यादा मूल्यवान होता है ज्ञान

जो व्यक्ति अपनी अज्ञानता का अहसास कर लेता है वह उसी क्षण से सफलता की ओर बढ़ने लगता है।

ज्ञान को जीवन का सार माना जाता है, जो भी इंसान इसे हासिल कर लेता है उसे मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। वहीं, जो अज्ञानी रह जाता है वह कभी सफलता के शिखर तक नहीं पहुंच सकता है।

जीवन में ज्ञान से विनम्रता आती है और विनम्रता से व्यक्ति को सुख–समृद्धि और सम्मान मिलता है। इंसान को ज्ञान से होने वाले अभिमान से हमेशा बचना चाहिए।

ज्ञान अर्जित करने की कोई सीमा या आयु नहीं होती, इसलिए कभी भी पढ़ना–लिखना बंद नहीं करना चाहिए।

ज्ञान एक ऐसी चीज है जिसकी कोई सीमा नहीं है और न ही इसकी तुलना किसी धातु से की जा सकती है। जो ज्ञान का सम्मान नहीं करते उनको कभी सफलता नहीं मिलते।

जिन महिलाओं में होते हैं ये 5 गुण वो मानी जाती हैं भाग्यशाली

आचार्य चाणक्य ने नीति शास्त्र में लगभग हर क्षेत्र से संबंधित बातों के बारे में बताया है। वहीं महिलाओं के कुछ गुणों के बारे में भी जिक्र किया है। जिन महिलाओं में ये गुण होते हैं वो बहुत ही भाग्यशाली मानी जाती हैं।

आचार्य चाणक्य के अनुसार महिलाएं लालची नहीं होनी चाहिए। जो महिलाएं लालची होती हैं उनके घर में हर समय कैलेश रहता है। ऐसे घरों की सुख-शांति भंग हो जाती है। वहीं संतुष्ट महिलाएं हमेशा खुश रहती हैं। ऐसी महिलाएं दूसरों से भी स्नेह बांटती हैं।

आचार्य चाणक्य के अनुसार शांत स्वभाव वाली महिलाएं बहुत ही भाग्यशाली मानी जाती हैं। ऐसी महिलाएं के होने से घर में हमेशा खुशी का माहौल रहता है।

इस तरह की महिलाएं परिवार का खायल रखती हैं। ऐसी महिलाएं साफ मन वाली होती हैं।

आचार्य चाणक्य के अनुसार जिस व्यक्ति के जीवन में शीक्षित महिला होती है। ऐसी महिला आने वाली पीढ़ियों को भी शीक्षित करती हैं। ऐसी महिलाएं परिवार की प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाली होती हैं। जिस व्यक्ति के जीवन में ऐसी महिला होती हैं वे लोग भी उन्नति करते हैं।

आचार्य चाणक्य के अनुसार जो महिलाओं मधुरभाषी होती हैं वो बहुत ही भाग्यशाली मानी जाती हैं। ऐसी महिलाओं को परिवार को सहयोग मिलता है। ऐसी महिला के होने से व्यक्ति का जीवन भी स्वर्ग बन जाता है।

आचार्य चाणक्य के अनुसार महिलाएं सहनशील होनी चाहिए। ऐसी महिलाएं घर को जोड़कर रखती हैं। ऐसी महिलाएं धैर्य के साथ काई भी काम करती हैं। इससे घर और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

पहली मुलाकात में अजय को बिल्कुल पसंद नहीं आई थीं काजोल?

काजोल और अजय देवगन की जोड़ी बॉलीवुड की पसंदीदा जोड़ियों में शुमार है। दोनों वर्ष 1999 में विवाह बंधन में बंधे थे। दोनों के बीच कमाल की बॉन्डिंग देखने को मिलती है। बता दें कि इन दोनों की लव स्टोरी काफी दिलचस्प है। काजोल और अजय देवगन जब पहली बार मिले तो अजय को काजोल पसंद नहीं आई थीं। एक इंटरव्यू के दौरान खुद अजय देवगन ने यह बात कुबूल की थी। अजय देवगन ने कहा था कि काजोल और उनका प्यार पहली नजर वाला प्यार नहीं है, बल्कि शुरुआत में तो उन्हें काजोल अच्छी ही नहीं लगी थीं। आइए जानते हैं दोनों की लव स्टोरी

बता दें कि काजोल और अजय देवगन पहली बार फिल्म 'हलचल' के सेट पर मिले थे। काजोल बेहद खुशनुमा और मजाकिया स्वभाव की हैं। ऐसे में वह सेट पर जमकर मस्ती किया करती थीं। वहीं, अजय बिल्कुल शांत इंसान हैं। इसलिए काजोल का जॉली स्वभाव अजय को पसंद नहीं आया था। काजोल से पहली मुलाकात का अजय पर ऐसा खराब इंप्रेशन पड़ा था कि वह दोबारा काजोल से मिलना ही नहीं चाहते थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'हलचल' के दौरान अजय देवगन का अफेयर करिश्मा कपूर से चल रहा था। काजोल इस फिल्म की शूटिंग के दौरान अजय को अपने एक्स बॉयफ्रेंड के बारे में बताती थीं। इस पर अजय उन्हें समझाते थे कि इस स्थिति में उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं? साथ ही वह काजोल को सलाह दिया करते थे कि वह हालात को किस तरह से संभाल सकती हैं। फिर इस फिल्म में साथ काम करते-करते दोनों एक-दूसरे के करीब आने लगे और कुछ समय बाद मीडिया में दोनों के अफेयर की खबरें छपने लगीं।

कुछ साल एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने शादी करने का फैसला लिया, लेकिन इनकी शादी फैंसी नहीं थी। हुआ कुछ यूं था कि अजय और काजोल नहीं चाहते थे कि उनकी शादी के बारे में खबरे छपें। इसलिए उन्होंने अपने घर की छत पर शादी की। इस विवाह में काजोल और अजय के घरवाले और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। फैंस को पर्दे पर भी काजोल और अजय देवगन की जोड़ी खूब पसंद आती है। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। इनमें 'इश्क', 'प्यार तो होना ही था', 'गुंडाराज', 'यू मी और हम, 'दिल क्या करे' और 'राजू चाचा शामिल हैं। अजय और काजोल के दो बच्चे हैं। बेटी का नाम न्यासा देवगन है बेटे का नाम युग है।

साउथ की इन अभिनेत्रियों ने भोजपुरी में आजमाई किस्मत, दमदार अभिनय से जीता दर्शकों का दिल

भोजपुरी इंडस्ट्री का आकार अब बढ़ता ही जा रहा है। भोजपुरी सिनेमा के फैन अब पूरे भारत में नजर आते हैं। वहीं, बॉलीवुड भी भोजपुरी सिनेमा से अछूता नहीं रहा है। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन से लेकर अभिनेत्री हेमा मालिनी तक इस इंडस्ट्री में काम कर चुके हैं। बॉलीवुड के अलावा साउथ इंडस्ट्री के कुछ सितारे भी अब यहां काम कर रहे हैं तो कुछ नए जुड़े हैं। आज हम आपको बता रहे हैं उन हसीनाओं के बारे में, जिन्होंने साउथ से भोजपुरी का रुख किया।

मधु शर्मा

अभिनेत्री मधु शर्मा आज भोजपुरी सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्रियों में शुमार हैं। मधु ने ढेरों सुपरहिट भोजपुरी फिल्मों में काम किया। बता दें कि मधु साउथ की सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। भोजपुरी के दर्शकों पर भी उनके हुस्न का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। मधु ने पवन सिंह, निरहुआ और खेसारी लाल यादव जैसे अभिनेताओं के साथ काम किया और अपनी अलग पहचान बनाई।

राय लक्ष्मी

राय लक्ष्मी की बात जब आती है तो आंखों के सामने ग्लैमर और बोल्डनेस का जाल नजर आता है। राय लक्ष्मी भोजपुरी फिल्मों में भी अपने हुस्न से कहर ढा चुकी हैं। राय लक्ष्मी ने भी साउथ सिनेमा के बाद भोजपुरी सिनेमा का रुख किया था। पवन सिंह के साथ उनकी जोड़ी को पसंद भी किया गया, लेकिन अब वह सिनेमा के पर्दे से लापता हैं।

सुप्रेना सिंह

अभिनेत्री सुप्रेना सिंह काफी समय से बड़े पर्दे से लापता हैं, लेकिन जब भी दमदार अभिनय की बात की जाती है तो उनका नाम जरूर लिया जाता है। सुप्रेना सिंह अब शायद ही किसी को याद हो, लेकिन इस अभिनेत्री ने साउथ से आकर भोजपुरी के सुपरस्टार रवि किशन के साथ खूब काम किया। इन्हें काफी पसंद भी किया गया। दर्शक आज भी सुप्रेना सिंह की तारीफ करते नहीं थकते हैं।

सोनाली जोशी

साउथ फिल्मों में अपने अभिनय का जादू बिखेरने वाली अभिनेत्री सोनाली जोशी ने भोजपुरी फिल्मों में भी धमाकेदार एंट्री मारी। सोनाली को पर्दे पर देखकर फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो जाती हैं। सोनाली की जोड़ी अभिनेता और सिंगर पवन सिंह के साथ खूब जमी। इन दोनों की जोड़ी भोजपुरी सिनेमा की हिट जोड़ियों में भी शुमार है।

शाहरुख खान ने पहनी लगभग 5 करोड़ की घड़ी

कीमत जान उड़े यूजर्स के होश, बोले- इतने में तो मुंबई में एक फ्लैट आ जाता

सुपरस्टार शाहरुख खान को हाल ही में फिल्म 'पठान' के एक इवेंट में ब्लू रिस्ट वॉच पहने हुए देखा गया था। शाहरुख की इस घड़ी की कीमत जानकर हर कोई हैरान है। दरअसल, 9 फरवरी को दीपिका पादुकोण ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके साथ शाहरुख भी दिखाई दिए। इसमें शाहरुख ने ब्लू रिस्ट वॉच पहन रखी है, जो उन्होंने 'पठान' के इवेंट में भी पहनी थी।

शाहरुख ने पहनी थी लगभग 5 करोड़ की घड़ी

शाहरुख की इस ब्लू वॉच ने कई लोगों का ध्यान खींचा। वहीं कुछ फैंस ने सोशल मीडिया पर फैशन

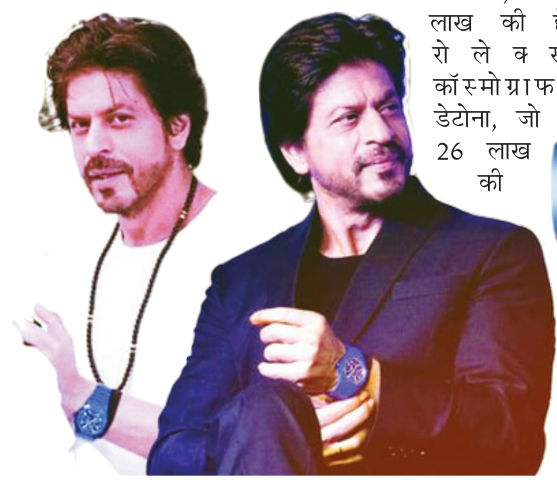

ब्लॉगिंग अकाउंट 'डाइट सब्या' से भी इसके बारे में पूछा। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि ये घड़ी ऑडेमर्स पिगुएट की है, जिसकी कीमत 4.98 करोड़ रुपए है। वहीं 'Chrono24' वेबसाइट के मुताबिक इस घड़ी की कीमत 4.7 करोड़ रुपए है।

घड़ी की कीमत जानकर शाहरुख के फैंस हुए हैरान

अब शाहरुख के फैंस इसकी कीमत जानकर हैरान हैं। उनका कहना है कि इस घड़ी की कीमत उतनी है, जितनी लोगों की जिंदगी भर की कमाई की भी नहीं होती है। जहां एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'इतनी महंगी घड़ी लेने की क्या जरूरत थी। समय तो सारी घड़ी सेम ही बताती हैं।' दूसरे ने लिखा, 'पूरी लाइफ में भी मैं इतने पैसे नहीं कमा पाउंगा, जितनी की SRK घड़ी पहनते हैं।' वहीं तीसरे ने लिखा, 'इतने में तो मुंबई में एक फ्लैट आ जाता।'

शाहरुख हैं कई महंगी घड़ियों के मालिक

शाहरुख के पास कई महंगी घड़ियों के कलेक्शन हैं। रोलेक्स के मालिक होने से लेकर ऑडेमर्स पिगुएट को अपने कलेक्शन में जोड़ने तक, शाहरुख के पास जो घड़ियां हैं वो सारी एक्सक्लूसिव हैं। शाहरुख की सबसे महंगी घड़ियों की बात करें तो वो हैं, पाटेक फिलिप एक्वानॉट 5968 ए, जो 2 करोड़ की है। ऑडेमर्स पिगुएट रॉयल ओक ऑफशोर क्रोनोग्रफ, जो 39 लाख की है। रोलेक्स कॉस्मोग्राफ डेटोना, जो 26 लाख की और टैग ह्यूअर मोनाको 69, जो 5 लाख 61 हजार की है।

5000 करोड़ रुपए से भी ज्यादा है शाहरुख की नेट वर्थ

शाहरुख की नेट वर्थ 5000 करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। वो अपनी लैविश लाइफ स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। उनके पास मुंबई के दिल बांद्रा में आलिशान बंगला मन्नत है, जिसकी कीमत करीब 200 करोड़ रुपए है।

उनका दिल्ली में एक आलीशान घर भी है। इसके साथ ही उनके पास बुगाटी वेरॉन की सुपर कार है, जिसकी कीमत 14 करोड़ रुपए है। इसके अलावा शाहरुख के पास एक बीएमडब्ल्यू 6 सीरीज, एक बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज, एक ऑडी और अन्य कारें भी हैं।

नेहा मलिक ने जमकर फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

फैंस को भी नेहा मलिक का हर एक लुक बेहद पसंद आता है। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर के एक बार फिर से इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। अभिनेत्री नेहा मलिक आए दिन अपने लुक्स को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने व्हाइट शॉर्ट्स के साथ शाइनी लुक में क्रॉप शर्ट पहनी हुई है, जिसमें उन्होंने ओपन बटन किया है। ओपन बटन में कर के नेहा मलिक ने डीप नेक क्लीवेज फ्लॉन्ट कर कैमरे के सामने बेहद ही बोल्ड पोज दिए हैं। नेहा मलिक ने अपने बालों को स्टाइलिश लुक देते हुए कर्ली करवाए हैं और साथ ही ग्लैम मेकअप कर के आउटलुक कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस आए दिन अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती रहती हैं। फैंस को भी नेहा मलिक का हर एक लुक बेहद पसंद आता है।

जब पत्नी गौरी से हो गया किंग खान का झगड़ा, बोले- बंद करो शॉपिंग

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाह रुख खान का अंदाज सबसे जुदा है। बादशाह ने चार साल बाद बॉक्स ऑफिस पर कमबैक किया है। शाहरुख की फिल्म 'पठान' ने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस बीच किंग खान का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, यह वीडियो काफी पुराना है। वीडियो में शाहरुख अपनी पत्नी गौरी खान से फोन पर लड़ते नजर आए। शाहरुख और गौरी के बीच में बहसबाजी होती है, लेकिन यह मामला ज्यादा गंभीर नहीं, बल्कि एक क्यूट नोकझोंक का है।

वायरल हो रहे इस वीडियो में शाहरुख गौरी से लड़ते दिखाई दिए। दोनों के बीच स्लीपिंग पैटर्न को लेकर बातचीत हो रही थी। वीडियो में किंग खान के साथ उनके दोस्त और फिल्म मेकर करण जौहर भी नजर आए। गौरी और शाहरुख के बीच हो रही इस लड़ाई को सुलझाने की वजह करण उसे और ज्यादा उलझाते दिखते हैं।वीडियो में शाहरुख गौरी से फोन पर बात करते नजर आए। वह कहते हैं कि गौरी तुम इस बात को छोड़ दे तो बेहतर होगा। तुम मुझे इतने साल से जानती हो और फिर भी मेरे स्लीपिंग पैटर्न पर बात कर रही हो। गौरी तुम रिलैक्स करो यार। किंग खान आगे कहते है कि गौरी मैं 44 साल का हो गया हूं और मैं इतना तो हैंडल कर सकता हूं। शाहरुख गौरी की इस बातचीत में करण भी कूद पड़ते हैं। शाहरुख बोलते हैं, 'करण कह रहा है कि तुम्हारी सारी टेंशन फेक है।'

इसके बाद किंग खान कहते है कि गौरी तुम मेरी इकनॉमिक सिचुएशन जानती हो, इसलिए तुम शॉपिंग कम करो। शाहरुख करण का नाम लेते हुए कहते हैं कि करण बोल रहा है कि गौरी शॉपिंग बंद करो। शाहरुख खान और गौरी खान बी टाउन के क्यूट कपल में से एक हैं। दोनों के बीच फोन पर हो रही मीठी नोक-झोंक पर गौरी खान कैसे रिएक्ट कर रही थीं, ये तो नहीं पता, लेकिन फैंस को इनकी यह प्यारी तकरार काफी पसंद आ रही है। किंग खान के इस वीडियो पर फैंस जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

बता दें कि शाहरुख और गौरी 32 साल से एक साथ हैं और दोनों के बीच काफी गहरा प्यार है। दोनों के बीच गजब की केमिस्ट्री देखने को मिलती है। शाहरुख कितने भी बिजी हो, लेकिन अपनी फैमिली को समय देना नहीं भूलते है।

किंग खान अपने परिवार को बहुत महत्व देते हैं। बादशाह के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने चार साल बाद फिल्म 'पठान' से कमबैक किया है। 'पठान' के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने अब तक 875 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया है।

एकता कपूर और मां शोभा ने ऑल्ट बालाजी के प्रमुख पद से दिया इस्तीफा

छोटे पर्दे की क्वीन एकता कपूर ने हाल ही में एक चौंकाने वाली खबर फैंस के साथ साझा की है। एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर ने 2017 में शुरू किए गए अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म अल्ट बालाजी के प्रमुख पद को छोड़ दिया है। इसकी जिम्मेदारी एक नई टीम को सौंपी गई है, जो अब सारे ऑपरेशन देखा करेगी। एकता ने पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी है।

2017 में शुरू किए गए ऑल्ट बालाजी का कंटेंट बाकी प्लेटफॉर्म से हटके था और इसी वजह से यह अक्सर ही चर्चा में रहता था। इसी प्लेटफॉर्म की सीरीज 'गंदी बात' का विवाद तो कोर्ट तक भी पहुंच गया था। वहीं, 'लॉकअप' जैसे रियलिटी शो को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। आज एकता ने ओटीटी प्लेटफॉर्म के मैनेजमेंट में बदलाव की सूचना दी और इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर नई टीम का स्वागत किया है।एकता की ओर से इंस्टाग्राम पर शेयर की गई प्रेस रिलीज में लिखा था कि आज आधिकारिक तौर पर एकता कपूर और शोभा कपूर ने ऑल्ट बालाजी कंपनी के प्रमुख के रूप में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। उनके पद छोड़ने का प्रक्रिया पिछले साल ही शुरू हो गई थी। ऑल्ट बालाजी के पास अब एक नई टीम है। दूसरे वेंचर्स पर ध्यान देने के लिए, एकता ने यह फैसला लिया है। उन्होंने पोस्ट में यह भी बताया कि अब विवेक कोका इस ओटीटी प्लेटफॉर्म के नए चीफ बिजनेस ऑफिसर होंगे। पोस्ट में लिखा था, 'कंपनी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि विवेक कोका ऑल्ट बालाजी के नए चीफ बिजनेस ऑफिसर हैं। कोका के नेतृत्व में ऑल्ट बालाजी का लक्ष्य उनके नक्शेकदम पर चलकर दर्शकों को हाई क्वालिटी, ओरिजिनल कंटेंट देने के अपने मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड को जारी रखना है।'

अलीबाबा ने पेटीएम में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेची

अलीबाबा ग्रुप ने ब्लॉक डील में 3.4% स्टेक्स बेचे, पेटीएम का शेयर 7.82%

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अलीबाबा ग्रुप ने पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन-97 कम्युनिकेशंस में अपनी बची हुई 3.4% हिस्सेदारी भी बेच दी है। इसके साथ ही अलीबाबा ग्रुप की इंडियन पेटीएम में अब कोई हिस्सेदारी नहीं बची है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अलीबाबा ग्रुप ने 10 जनवरी को ब्लॉक डील में पेटीएम के करीब 2.1 करोड़ शेयर्स बेच दिए हैं।अलीबाबा ग्रुप ने इससे पहले जनवरी में पेटीएम में अपनी 3.1% की बड़ी हिस्सेदारी बेची थी। तब अलीबाबा ने पेटीएम के 125 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,125 करोड़ रुपए के शेयर बल्क डील में ही बेचे थे। कंपनी ने पेटीएम के 2 करोड़ शेयर्स 536.95 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से बेचे थे। सितंबर 2022 में पेटीएम में अलीबाबा ग्रुप की 6.26% हिस्सेदारी थी। अलीबाबा के हिस्सेदारी बेचने के कारण डिजिटल पेमेंट एंड फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी पेटीएम के शेयर में शुक्रवार (10 फरवरी) को बड़ी गिरावट देखने को मिली। पेटीएम का शेयर 7.82% यानी 55.20 रुपए गिरकर 650.75 रुपए पर बंद हुआ। पेटीएम का शेयर अपने इश्यू प्राइस से अब तक करीब 70% तक गिर चुका है। इसका इश्यू प्राइस 2,150 रुपए था। पेटीएम के शेयर से निवेशकों को काफी नुकसान हुआ है। पेटीएम का 2.5 बिलियन डॉलर यानी 20,361 करोड़ रुपए का आईपीओ नवंबर 2021 में आया था। उस समय यह देश का सबसे बड़ा आईपीओ था। बता दें कि पेटीएम का 52 वीक हाई 958.75 रुपए है, जबकि इसका 52 वीक लो 438.35 रुपए है।

नए टैक्स रिजिम से मध्यम वर्ग को राहत

वित्त मंत्री ने भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड को किया संबोधित

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा है कि नए टैक्स रिजिम मध्यम वर्ग को अधिक फायदा मिलेगा। इस रिजिम के तहत उनकी जेब में अधिक पैसा बचेगा। बजट के बाद रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड को संबोधित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में सीतारमण ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि लोगों को सरकारी योजनाओं के जरिये निवेश के लिए प्रेरित किया जाए बल्कि उन्हें निवेश के संबंध में व्यक्तिगत निर्णय लेने का मौका दिया जाना चाहिए। वित्त मंत्री ने कहा कि अगले वित्त वर्ष से प्रभावी रियायती कर व्यवस्था के तहत

तीन लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं लगाया जाएगा। तीन से छह लाख तक की आमदनी वालों को पांच प्रतिशत की दर से टैक्स का भुगतान करना होगा। छह से नौ लाख तक की आमदनी पर 10 प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा। जबकि नौ से 12 लाख की आमदनी पर 15 प्रतिशत की दर से आयकर देय होगा। 12 से 15 लाख की आमदनी पर 20 प्रतिशत जबकि 15 लाख से अधिक आमदनी वालों को 30 प्रतिशत कर का भुगतान करना पड़ेगा। वहीं नई टैक्स रिजिम के तहत सात लाख रुपये तक की सालाना आमदनी तक किसी टैक्स का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। अदाणी समूह के संकट पर एक सवाल के जवाब में वित्त मंत्री ने कहा, 'भारतीय नियामक बहुत अनुभवी हैं और वे अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं। नियामकों को इस मामले की जानकारी है और वे हर मामले की तरह इस मामले में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।' क्रिप्टो से जुड़ी परिसंपत्तियों को विनियमित करने पर वित्त मंत्री ने कहा कि भारत एक आम ढांचा तैयार करने के लिए जी20 के देशों के साथ चर्चा कर रहा है। मूल्य वृद्धि पर एक सवाल के जवाब में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति वर्ष 2023-24 में 5.3 प्रतिशत रह सकता है। अगर कच्चे तेल की कीमतें नरम रहती हैं तो इसमें और गिरावट आ सकती है। दास ने कहा कि रिजर्व बैंक ने अगले वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के नियंत्रण में रहने के लिए कच्चे तेल की दर 95 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया है। कर्ज के मूल्य निर्धारण के बारे में दास ने कहा कि बाजार प्रतिस्पर्धा से कर्ज और जमा पक्ष पर दरें तय होंगी क्योंकि यह एक नियंत्रणमुक्त सेगमेंट रहा है।

मूडीज ने अडाणी की 4 कंपनियों की रेटिंग निगेटिव की

इन कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में भारी गिरावट के चलते बदला रेटिंग आउटलुक

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। ग्रुप की कई कंपनियों के शेयर में गिरावट के बीच गौतम अडाणी को एक और झटका लगा है। अब मूडीज इंवेस्टर्स सर्विस ने ग्रुप की 4 कंपनियों के रेटिंग आउटलुक को स्टेबल से बदलकर निगेटिव कर दिया है। मूडीज ने अडाणी ग्रीन एनर्जी, अडाणी ग्रीन रिस्ट्रिक्टिड ग्रुप, अडाणी ट्रांसमिशन स्टेप-वन और अडाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड को अब निगेटिव रेटिंग आउटलुक के तहत रखा है। मूडीज इंवेस्टर्स सर्विस के अनुसार इन कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में भारी गिरावट के चलते रेटिंग आउटलुक को निगेटिव किया गया है।

फिर टॉप 20 से बाहर हुए अडाणी

अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयर में गिरावट के चलते गौतम अडाणी की नेटवर्थ गिरकर 4.78 लाख रुपए (58 अरब डॉलर) पर आ गई है। यह एक दिन पहले तक 60 अरब डॉलर के ऊपर थी। अडाणी की नेटवर्थ में शुक्रवार को 19.80 हजार रुपए (2.4 अरब डॉलर) की गिरावट आई। इस गिरावट के चलते वो फोर्ब्स के रियल टाइम बिलेनियर लिस्ट में 17वें नंबर से खिसककर फिर से 22वें नंबर पर आ गए हैं। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर शुक्रवार को 3.78% की गिरावट के साथ 1,853 रुपए पर बंद हुआ। अडाणी विल्मर 1.21% गिरा। इसके अलावा अडाणी ट्रांसमिशन, टोटल गैस,

पावर और ग्रीन में 5-5% की गिरावट आई। एनएसई ने अडाणी पोर्ट्स और अंबुजा सीमेंट्स को एडिशनल सर्विलांस फ्रेमवर्क से बाहर कर दिया है। इस महीने की शुरुआत में एक्सचेंज ने अडाणी ग्रुप के तीन शेयरों अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पोर्ट्स और अंबुजा सीमेंट्स को एडिशनल सर्विलांस मेजर्स में रखा था। एक्सचेंज ने बहुत ज्यादा अस्थिरता को रोकने के लिए इन शेयरों को निगरानी में रखा था। शॉर्ट टर्म एएसएम फ्रेमवर्क वाले शेयरों में ट्रेडिंग के समय निवेशकों को इंट्राडे ट्रेंडिंग के लिए भी 100% मार्जिन का भुगतान करना होता है। एनएसई के इस फैसले से अडाणी ग्रुप को थोड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अडाणी ग्रुप के खिलाफ हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से जुड़ी दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की।

एअर इंडिया ने फाइनल की 500 विमानों की डील

इसे मदर ऑफ ऑल एविएशन डील कहा जा रहा, ऑर्डर में 430 नैरोबॉडी और 70 वाइडबॉडी एयरक्राफ्ट शामिल

मुंबई, 11 फरवरी (एजेंसियां)। टाटा संस की एअर इंडिया ने 500 विमान खरीदने का ऑर्डर फाइनल कर दिया है। इस ऑर्डर में 430 नैरोबॉडी और 70 वाइडबॉडी एयरक्राफ्ट शामिल हैं, और इन्हें अगले सात से आठ वर्षों में डिलीवर किया जाएगा। इकोनॉमिक टाइम्स ने इस मामले से जुड़े लोगों के हवाले से इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। ये ऑर्डर एअर इंडिया का है, लेकिन ये लो कॉस्ट कैरियर एयर एशिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस के लिए भी होगा।

एयरबस के पास इस ऑर्डर का बड़ा हिस्सा

रिपोर्ट के मुताबिक यूरोपीय मैन्युफैक्चरर एयरबस ने इस ऑर्डर का एक बड़ा हिस्सा हासिल किया है। 240 A320 नियो और 40 A350 विमानों का ऑर्डर एयरबस पूरी करेगा,

जबकि बोइंग 190 737 मैक्स, 20 787 और 10 777x विमानों की सप्लाई करेगा। इसकी औपचारिक घोषणा अगले हफ्ते होने की उम्मीद है। इसकी कीमत करीब 150 बिलियन डॉलर है, लेकिन इस तरह की बड़ी डील्स में डिस्काउंट काफी आम है।

शुक्रवार को मीटिंग में एयरबस के साथ डील

रिपोर्ट में कहा गया है कि शुक्रवार को एक मीटिंग में एयरबस के साथ डील को अंतिम रूप दिया गया। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और एयरबस चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर क्रिश्चियन शायर इसमें शामिल हुए। वहीं बोइंग के साथ डील टाटा संस के मुंबई स्थित हेडक्वार्टर बॉम्बे हाउस में 29 जनवरी को साइन की गई।

एयरबस का इंडियन मार्केट में दबदबा

इंडियन मार्केट में एयरबस का दबदबा है। भारत के सिविल एविएशन मार्केट का लीडर इंडिगो एयरबस के ए320 का दुनिया का सबसे बड़ा कस्टमर है। भारत में नैरोबॉडी एयरक्राफ्ट का इतना बड़ा ऑर्डर जीतना बोइंग के लिए तख्तापलट की तरह होगा। एअर इंडिया की बोइंग और एयरबस के साथ इस डील को मदर ऑफ ऑल एविएशन डील कहा जा रहा है।

इंडिगो को टक्कर देगा एअर इंडिया

नैरोबॉडी प्लेन से एअर इंडिया 4-5 घंटे वाले शॉर्ट-हॉल डेस्टिनेशन सर्विस दे सकेगी। इससे वो इंडिगो को कड़ी टक्कर दे पाएगा, जिसका वर्तमान में 50% से ज्यादा के डोमेस्टिक मार्केट पर कब्जा है। वहीं वाइज बॉडी एयरक्राफ्ट टाटा को उत्तरी अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में अपने फुटप्रिंट बढ़ाने में मदद करेगा। एयर इंडिया के FY24 के अंत तक लगभग 50 विमान ऐड की संभावना है, जिससे इसकी क्षमता करीब 50% बढ़ जाएगी।

5 साल में 30% मार्केट शेयर का टारगेट

पिछले साल की शुरुआत में एयर इंडिया का अधिग्रहण करने के बाद से, टाटा ग्रुप अपनी फ्लीट में सुधार के लिए एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरर्स के साथ बातचीत में लगा है।

हरित विकास अब प्राथमिकता

पर्यटन से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर, एआई को बढ़ावा देगा शोध

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बजट में विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पर्यटन और पर्यावरण के क्षेत्र में कई सहूलियतों का एलान कर अर्थव्यवस्था को गति देने की योजना बनाई है। हरित विकास अब देश की प्राथमिकता है। पर्यटन में सरकार ने इस बार कई प्रावधान किए हैं। इनसे रोजगार सृजन भी होंगे। वहीं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में शोध के लिए भी नए केंद्र बनाए जाएंगे।

देश में मोबाइल फोन उत्पादन इकाइयों को प्रोत्साहन देने के लिए कुछ पुर्जों के आयात पर सीमा शुल्क में छूट दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाली लीथियम बैटरियों पर लगने वाले सीमा शुल्क को भी 21 से कम करके 13 फीसदी कर दिया गया है। इससे इलेक्ट्रिक वाहन सस्ते होंगे। पेट्रोल-डीजल की महंगाई से परेशान जनता ई-वाहनों की ओर आकर्षित होगी। पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता घटने से पर्यावरण को भी लाभ होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के लिए देश में तीन उत्कृष्ट संस्थानों की स्थापना का भी एलान किया गया है। देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों में बनाए जाने वाले ये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कृषि, स्वास्थ्य, सतत विकास और शहरों को स्मार्ट बनाने की योजना पर काम करेंगे। पर्यटन को लेकर मिशन मोड में काम करने की योजना है। पर्यटन क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावना है। इस क्षेत्र में विशेष रूप से युवाओं को नौकरी और उद्यमिता के बड़े अवसर मिलेंगे। उन्होंने एलान किया कि सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 50 स्थलों को चुना है। इन चयनित जगहों को सरकारी मदद दी जाएगी। इसके अलावा बजट पेश करते समय निर्मला सीतारमण ने स्वदेश दर्शन योजना और देखो अपना भारत स्कीम का भी जिक्र किया। स्वदेश दर्शन योजना को सीमा और गांव के पर्यटन के लिए विकसित किए जाने की योजना है।

अब भारत में ही बनेगी कार्ल गुस्ताफ राइफल

स्वीडन की कंपनी साब स्थापित करेगी निर्माण संयंत्र

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। स्वीडन की रक्षा कंपनी साब ने शनिवार को घोषणा की है कि वह कार्ल-गुस्ताफ रिकॉइललेस राइफलों का निर्माण भारत में ही करेगा। कंपनी ने कहा है कि वह भारत में एक विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है जो भारतीय सशस्त्र बलों के लिए मैन-पोर्टेबल मल्टी-रोल हथियार प्रणाली के उत्पादन में मदद करेगी। साब इंडिया टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक मैट्स पामबर्ग ने कहा कि साब भारतीय उप-आपूर्तिकर्ताओं के साथ भी साझेदारी करेगा और संयंत्र में विनिर्मित प्रणालियां 'मेक इन इंडिया' की जरूरतों को पूरी तरह से पूरा करेंगी। उन्होंने कहा, 'हम रक्षा क्षमता के लिए भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर' दृष्टिकोण को सक्षम करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए साब

भारत में कार्ल गुस्ताफ के लिए विनिर्माण सुविधा स्थापित करेगा। पामबर्ग ने कहा कि यह सुविधा भारतीय सशस्त्र बलों के लिए कार्ल-गुस्ताफ एम 4 के उत्पादन के साथ-साथ दुनिया भर में सिस्टम के उपयोगकर्ताओं के लिए घटकों का समर्थन करेगी। कंपनी के एक बयान में कहा गया है कि कार्ल-गुस्ताफ एम 4 एक मानव-पोर्टेबल बहु-भूमिका हथियार प्रणाली है। यह गोला-बारूद प्रकारों की अपनी विस्तृत श्रृंखला के जरिए उच्च सामरिक लचीलापन प्रदान करती है। यह बेहद हल्के वजन (सात किलोग्राम से कम) का है। साब ने कहा कि वह 13 फरवरी से बेंगलुरु में शुरू होने वाली पांच दिवसीय एयरोस्पेस और रक्षा प्रदर्शनी एयरो इंडिया 2023 के दौरान अपने उत्पादों और समाधानों की एक श्रृंखला का प्रदर्शन करेगा। पामबर्ग ने कहा, "एयरो इंडिया 2023 में हम अपनी नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे जो रक्षा व सुरक्षा योजना, तैनाती और भविष्य की बल तत्परता को बदल रही हैं।

भारत के 40 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी बनने में रोड़ा बनेगी तस्करी, सरकार को कर में बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। तस्करी से देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा है। यह सरकार के अमृतकाल के दृष्टिकोण के तहत भारत के 40 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी बनने की राह में रोड़ा बन सकता है। भारतीय उद्योग महासंघ (फिक्की) की तस्करी एवं जाली वस्तुओं से अर्थव्यवस्था को हो रहे नुकसान के खिलाफ समिति (कैस्केड) की एक रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई है। इसमें कहा गया है कि पांच उद्योगों में अवैध व्यापार की वजह से भारत सरकार को कर के रूप में होने वाला नुकसान 2019-20 में 163 फीसदी बढ़कर 58,521 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इन पांच अवैध व्यापार वाले उद्योगों में अल्कोहल, मोबाइल फोन, दैनिक उपयोग वाली घरेलू एवं निजी वस्तुएं, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और तंबाकू उत्पाद शामिल हैं। कर चोरी से होने वाले नुकसान में सबसे ज्यादा 227 फीसदी की वृद्धि अल्कोहल और तंबाकू वाले उत्पादों के अवैध व्यापार से हुई है।

फिक्की कैस्केड के चेयरमैन अनिल राजपूत ने कहा कि तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत अभियान चलाने की जरूरत है। यह अभियान तस्करी पर लगाम लगाने के लिए उपभोक्ताओं और युवाओं के बीच जागरूकता पैदा करेगा, जो राष्ट्र निर्माण में बाधा बन गया है। उन्होंने कहा, तस्करी को 21वीं सदी का अपराध करार दिया गया है।

मंत्री हरदीप पुरी ने किया जी20 इंटरनेशनल फूड फेस्टिवल का उद्घाटन

देशी-विदेशी खानों का उठाएं लुत्फ

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में लगे दो दिवसीय जी20 इंटरनेशनल फूड फेस्टिवल का उद्घाटन किया। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा आयोजित किए गए इस महोत्सव का विषय 'टेस्ट द वर्ल्ड' रखा गया है। यहां चार जी20 देश चीन, तुर्की, जापान और मैक्सिको के खाने का स्वाद लोग ले सकेंगे। हरदीप पुरी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यह न केवल एनडीएमसी का जी20 फूड फेस्टिवल है, बल्कि देश का फूड फेस्टिवल भी है। साथ ही उन्होंने ट्वीट कर लिखा, आज तालकटोरा स्टेडियम

में जी20 फूड फेस्टिवल का उद्घाटन करते हुए बहुत खुशी हुई। यह देखकर अच्छा लगा कि कैसे दुनिया बाजरे को अपने दैनिक जीवन में बतौर पोष्टिक आहार शामिल कर रही है। महोत्सव में बाजरे से बने रेडी-टू-ईट व्यंजन और स्नैक्स भी पेश किए गए। बता दें कि दो दिन चलने वाले इस आयोजन में लोग 14 भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों - गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना, दिल्ली, बिहार, पंजाब, कश्मीर, उत्तर प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मणिपुर और मेघालय के व्यंजनों को चख सकेंगे। इसके अलावा देश के जाने माने होटल ताज पैलेस, ताजमहल, द कनॉट, ताज एंबेसडर, ले मेरिडियन, आईटीसी मौर्य और द पार्क सहित 11 से अधिक प्रसिद्ध होटल इस महोत्सव में अपने विशिष्ट खाद्य पदार्थ पेश कर रहे हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	05-01 बजे
चंद्र-	तुला	में	कुंभ -	06-51 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	08-30 बजे
बुध-	मकर	में	मेष--	10-06 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	11-50 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	13-51 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-03 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	18-15 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-22 बजे
			तुला	22-27 बजे
			वृश्चिक.	00-37 बजे
			धनु.....	02-51 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पश्चिम • पान खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी **-09 -45** तक उपरान्त,सप्तमी
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , रविवार **Feb 12**
नक्षत्र - स्वाति - **02 -27** तक उपरान्त विशाखा
योग - गण्ड - **15 - 33** - तक उप वृध्दि
करण- वणिज **-09 - 45** - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा - **09-45** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 16:49 से 18:15 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:47 - 08:12	अशुभ	शुभ	18:12 - 19:49	शुभ
चंचल	08:12 - 09:38	शुभ	अमृत.	19:49 - 21:23	शुभ
लाभ	09:38 - 11:04	शुभ	चंचल.	21:23 - 22:56	शुभ
अमृत	11:04 - 12:30	शुभ	रोग.	22:56 - 00:30	अशुभ
काल	12:30 - 13:57	अशुभ	काल.	00:30 - 02:04	अशुभ
शुभ	13:57 - 15:23	शुभ	लाभ.	02:04 - 03:38	शुभ
रोग	15:23 - 16:49	अशुभ	उत्पात	03:38 - 05:11	अशुभ
उत्पात	16:49 - 18:12	अशुभ	शुभ	05:11 - 06:47	शुभ

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो अ): आपके लिए सरासर खुशी और आनंद - जैसा कि आप जीवन का पूरा आनंद लेने के लिए तैयार हैं। दिन भर के लिए जीने और मनोरंजन पर जरूरत से ज्यादा समय और पैसा खर्च करने की अपनी प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें। घर में उत्सव का माहौल आपके तनाव को कम करेगा। सुनिश्चित करें कि आप भी इसमें भाग लें और मूक दर्शक की तरह न रहें।

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य संबंधी परेशानी परेशानी का कारण बन सकती है। अप्रत्याशित बिल आर्थिक बोझ बढ़ाएंगे। संबंधों के बंधनों और संबंधों के नवीनीकरण का दिन। आज आप अपने पार्टनर की दिल की धड़कन के साथ तालमेल बिठाएंगे। हाँ, यह संकेत है कि आप प्यार में हैं! नए उद्यम आकर्षक होंगे और अच्छे रिटर्न का वादा करेंगे।

मिथुन (का की कू घ ड झ के को हा): आपका तेज़ ग़ुस्सा आपको कुछ और परेशानी में डाल सकता है। आपका पैसा आपके काम तभी आता है जब आप फिज़ूलखर्ची से खुद को रोकते हैं, यह बात आज आप अच्छी तरह समझ सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में आप आराम करना और अपने परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): अपनी ऊर्जा वापस पाने के लिए पूरा आराम करें। यदि आपने विदेश में किसी जमीन में निवेश किया था तो आज उसे अच्छे दामों पर बेचा जा सकता है, जिससे आपको मुनाफा होगा। आपकी समय पर मदद किसी की जान बचा सकती है। यह खबर आपके परिवार के सदस्यों को गौरवान्वित करेगी।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): फ़ायदेमंद दिन है और आप किसी लंबी बीमारी से राहत पा सकते हैं। वित्तीय समस्याएं रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बर्बाद कर देती हैं। परिवार के सदस्य आपके जीवन में एक विशेष स्थान रखेंगे। अपने रोमांटिक विचारों को प्रसारित न होने दें। किए गए नए कार्य अपेक्षाओं से कम होंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ट पे पो): आपकी जबरदस्त बौद्धिक क्षमता आपको विकलांगता से लड़ने में मदद करेगी। सकारात्मक विचार रखकर ही आप इस समस्या से लड़ सकते हैं। अगर आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो सोच समझकर पैसा खर्च करें, क्योंकि आपको धन हानि होने की संभावना है।

तुला (स री रु रे से ता तू ते): मुस्कुराइए क्योंकि यह आपकी सभी समस्याओं के लिए सबसे अच्छा मारक है। किसी क़रीबी रिश्तेदार के घर जाना आपकी आर्थिक परेशानी बढ़ा सकता है। ऐसी जानकारी प्रकट न करें जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज बहुत याद आ सकती है।

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू): अपने निराशावादी रवैये के कारण आप कोई प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। आपके लिए यह महसूस करने का सही समय है कि चिंता ने आपकी सोचने की शक्ति को मंद कर दिया है। उज्जवल पक्ष को देखें और आप अपने विवेक में एक निश्चित परिवर्तन देखेंगे। आज आपको यह बात समझ में आएगी कि कई बार निवेश करना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): भाग्य के भरोसे न रहें अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की कोशिश करें क्योंकि भाग्य एक आलसी देवी है। धन निवेश और बचत के संबंध में आज आपको अपने परिजनों से बात करने की जरूरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार साबित होगी।

मकर (भे जे जी खी खू खो मा मी): आपको कुछ खेल गतिविधि का आनंद लेने की संभावना है जो आपकी शारीरिक फिटनेस को बनाए रखेगी। अगर आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो आपको आज से ही पैसों की बचत शुरू कर देनी होगी। सामाजिक मिलन समारोह में आज आप चर्चा में रहेंगे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आपका एनर्जी लेवल हाई रहेगा। आप कमीशन-लाभांश- या रॉयल्टी से लाभ प्राप्त करेंगे। आप परिवार में शांतिदूत की तरह कार्य करेंगे। चीजों को नियंत्रण में रखने के लिए सभी की समस्या पर ध्यान दें। आपका प्रिय आपको पूरे दिन बुरी तरह से याद करने वाला है। एक सरप्राइज प्लान करें और इसे अपने जीवन का सबसे खूबसूरत दिन बनाएं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो च ची): आज आप काफी सक्रिय और फुर्तीले रहेंगे। आपकी सेहत आज आपका पूरा साथ देगी। यदि आप पैसों से जुड़े किसी मामले में फंसे हुए थे तो कोर्ट आज आपके पक्ष में फैसला सुनाएगा। इससे आपको आर्थिक लाभ होगा। आपका भाई आपकी ज़रूरतों को पूरा करने में आपकी अपेक्षा से ज़्यादा सहयोग करेगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

शाही ईदगाह के सर्वे से घबराए मथुरा के मुस्लिम

बेघर होने का डर सता रहा, बोले- बाहर वाले आकर मंदिर-मस्जिद कर रहे

मथुरा (एक्सक्लूसिव डेस्क), 11 फरवरी। 'हमारे बाप-दादाओं ने आजादी से पहले यहां घर बनाया था। इस दुकान पर तो 20 साल से मैं ही बैठ रहा हूं। मथुरा के हिंदू भाई तो अमन-चैन से रहना चाहते हैं, बाहरी लोग यहां आकर मंदिर-मस्जिद करते हैं।'

ये कहते हुए शाकिर के चेहरे पर डर और गुस्सा एक साथ नजर आता है। पड़ोस की दुकान में बैठे अबरार, नासिर और अजय वर्मा को भी मकान-दुकान जाने का डर सता रहा है।

दिसंबर 2022 में मथुरा के लोअर कोर्ट के आदेश के बाद से कृष्ण जन्मभूमि के आसपास रहने वाले हिंदू-मुस्लिम व्यापारियों की नींद उड़ी हुई है। कोर्ट ने ईदगाह के अमीनी सर्वे के आदेश दिए थे, जिसे मुस्लिम पक्ष की याचिका के बाद फिर होल्ड कर दिया था।

ऐसा भी नहीं है कि सिर्फ सर्वे के आदेश के बाद ये चिंताएं शुरू हुई हैं। बीते कुछ वक्त में लगातार ऐसे फैसले हुए, जिससे अब मथुरा के मुसलमान आशंकाओं से घिरे हुए हैं।

कृष्ण जन्मस्थान के आस-पास हैं मुस्लिमों की दुकानें

दिल्ली से करीब 183 किमी दूर मथुरा में मेरा स्वागत सुरक्षाकर्मियों के बूटों की आवाज के साथ हुआ। स्थानीय लोग बताते हैं कि अब ये मथुरा का आम नजारा है। हालांकि, जन्मस्थान के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु आराम से मंदिर में आ-जा रहे थे। मैं यहां से ईदगाह की तरफ बढ़ा तो वहां भी शांति ही दिखी। पुलिस यहां भी मुस्तैद थी और कुछ लोग नमाज के लिए अंदर जा रहे थे।

यहां से मैं दरेशी रोड पर पहुंचा। ये जन्मस्थान से करीब 200 मीटर की दूरी है। यहां ज्यादातर मुस्लिम व्यापारियों की दुकानें हैं। मेरी मुलाकात शाकिर हुसैन से हुई। शाकिर से सर्वे पर सवाल करता हूं तो वे बात करने से सीधे मना करते हैं। कहते हैं- 'कुछ बोला तो नजर में आ जाऊंगा। काम-धंधा वैसे ही मंदा चल रहा है। परेशानियां अलग बढ़ जाएंगी।' उनकी यहां टीवी-फ्रिज और इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान है।

मैं जाने लगता हूं तो शाकिर अंदर आने के लिए कहते हैं। फिर बताना शुरू करते हैं- 'हमारे पुरखे यहां ईदगाह के पास बने मकानों में आजादी के पहले से रह रहे हैं। इस दुकान को भी मेरे बुजुर्गों ने खोला था। दुकान पर बैठते हुए मुझे ही 20 साल हो गए हैं। 20 साल में मैं कभी इतना परेशान नहीं हुआ, जितना अभी हूं। भाजपा की सरकार आते ही यहां मंदिर-मस्जिद का मामला शुरू हो गया।'

शाकिर आगे कहते हैं- 'मंदिर-मस्जिद का कभी तो फैसला आना ही था। अयोध्या में क्या हुआ देखिए, लोगों को हटाया गया। काशी में कॉरिडोर बना, वहां भी हजारों लोगों का व्यापार चौपट हो गया। वृंदावन में भी कॉरिडोर के नाम पर यही सब चल रहा है। यहां भी यही होगा।'

'कृष्ण जन्मस्थान के आसपास करीब 80% मुस्लिम आबादी रहती है। पता नहीं, यहां विकास के नाम पर क्या करेंगे। घर-दुकान ले लेंगे तो बदले में कुछ देंगे, ये भी नहीं पता। एक घर, एक व्यापार खड़ा करने में जिंदगी निकल जाती है। पता नहीं, आगे जिंदगी में क्या होने वाला है।'

'अब तो अदालतों से भी एकतरफा फैसले आ रहे, हम तो सड़क पर आ जाएंगे'

शाकिर की दुकान के नीचे ही अबरार की इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान है। अबरार से सर्वे पर सवाल करता हूं, तो वे कहते हैं- '30 साल से दुकान चला रहा हूं। जैसे हालात हैं, अब लगता नहीं ज्यादा टाइम तक ये व्यापर चला पाऊंगा। दुकान नहीं होगी तो सड़क पर आ जाएंगे।'

'यहां तो हिंदू-मुस्लिम सब शांति से रहते आए हैं। नेता लोग ही राजनीति के लिए लड़ाते हैं। मुस्लिमों को वैसे ही दोयम दर्जे का माना जा रहा है। कोई भी उल्टा-सीधा फैसला कर हम लोगों पर थोप दिया जाता है। अगर विरोध करो तो हम देशद्रोही हैं। गद्दार बन जाते हैं। हमारा घर भी जन्मभूमि के आसपास है, लेकिन कभी ऐसा डर नहीं लगा।'

अबरार की दुकान से आगे अजय वर्मा की साइकिल की दुकान है। अजय दरेशी रोड पर 7 साल से दुकान चला रहे हैं। कहते हैं, 'मैंने किराए पर दुकान ले रखी है। यह दुकान भी मुस्लिम भाई की है। मुझे जब भी कोई परेशानी होती है, तो वो मेरे साथ खड़े रहते हैं। मुझे समझाते भी हैं।'

अजय वर्मा के बगल में ही साहिल की फर्नीचर की दुकान है। साहिल भी सर्वे से डरे हुए हैं, कहते हैं- 'मंदिर-मस्जिद का ये मुद्दा बाहरियों ने उठाया है। यहां लोकल में कोई दिक्कत नहीं है। मथुरा तो प्रेम की नगरी है। सभी प्रेम से रहें। मंदिर-मस्जिद तो सालों से आमने-सामने हैं। यह तो मिसाल है। दोनों के आने-जाने के रास्ते भी अलग हैं। अगर

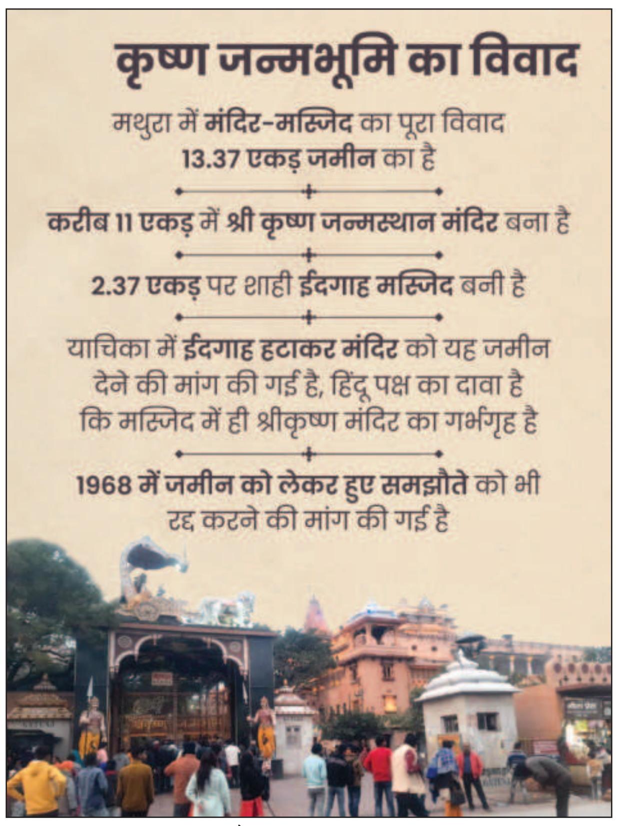

सरकार कोई उल्टा-सीधा फैसला लेती है, तो नुकसान तो सभी का होगा। ईदगाह और मंदिर के आसपास सिर्फ मुस्लिमों का ही व्यापार नहीं है। यहां हिंदू भी व्यापार करते हैं। उन्हें भी नुकसान होगा।'

थोड़ा आगे बढ़ा तो सब्जी का व्यापार करने वाले मोहम्मद नासिर मिल गए। नासिर कहते हैं, 'अगर व्यापार ही खत्म हो जाएगा तो लोग करेंगे क्या। हम अपना घर-बार कैसे चलाएंगे। बाहरी लोगों ने मथुरा के अमन-चैन में जहर घोल दिया है।'

पास ही खड़े आबिद कहते हैं- 'व्यापार उजड़ेगा तो सभी इसकी जद में आएंगे। यहां दरेश रोड पर पर सबसे बड़ा काम अग्रवाल लोग करते हैं, शादियों का पूरा काम उनका है। उन्हें भी उजाड़ा जाएगा।'

नॉनवेज के व्यापार से जुड़े 10 हजार लोग बेरोजगार हुए

दरेश रोड पर ही मेरी मुलाकात उन लोगों से भी हुई, जो पहले मथुरा के अलग-अलग इलाकों में नॉनवेज होटल चलाते थे। 2 साल पहले मथुरा और वृंदावन और आसपास के 10 किलोमीटर के इलाके में नॉनवेज और शराब बेचने पर रोक लगा दी गई। व्यापारियों का दावा है कि फैसले के बाद इस रोजगार से जुड़े 10 हजार लोग बेरोजगार हो गए थे। कई नॉनवेज होटल अब शाकाहारी होटल में तब्दील हो गए हैं।

होटल व्यापारियों से सर्वे पर सवाल किया तो वे कैमरे पर आने से इनकार करते रहे। कहने लगे- 'पहले ही धंधा चौपट हो रहा है, कमाई नहीं है। कुछ बोल देंगे तो पहचान में आ जाएंगे।'

ऑफ कैमरा एक व्यापारी ने बताया- '2 साल पहले अचानक से मीट की दुकानों और होटलों को बंद करने का आदेश दे दिया गया। हम लोगों को तो सोचने का मौका ही नहीं मिला। अब हम वेज रोल बेचकर अपनी जिंदगी चला रहे हैं।'

मटन कोरमा की जगह पनीर कोरमा बनाने लगे

यहीं मेरी मुलाकात मोहम्मद सोहेल से हुई। सोहेल मजीद होटल के मालिक हैं। ये होटल कृष्ण जन्मस्थान से करीब 800 मीटर दूर है। मैं वहां पहुंचा तो शीरमाल, रूमाली रोटी और तंदूरी रोटियां बन रही थीं। पूरा होटल खाली था। सोहेल बताते हैं, 'पहले हमारा नॉनवेज का होटल था। यहां 12 बजे दोपहर से ग्राहकों की भीड़ लगती थी। बाहरी यात्री तो आते ही थे, शाम को मथुरा के लोग भी आते थे। हमारे होटल पर ही क्या, लगभग आसपास के सभी नॉनवेज होटलों पर हिंदू-मुस्लिम सब खाना खाते थे।' 'सरकार ने जब आदेश दिया तो पहले कई दिनों तक हमारे होटल बंद रहे। हमें कारीगरों को निकालना पड़ा। कई होटलों में तो हिंदू कारीगर लगाए गए। हमने भी मटन कोरमा की जगह पनीर कोरमा और दूसरी वेजिटेरियन डिश बनानी शुरू कर दीं।'

'कई होटलों ने नाम भी बदल दिए हैं। हम तो रोटियां बनाकर अपना पेट भर रहे हैं। ये भी डर है कि कहीं ग्राहकों के चक्कर में हिंदू नाम रख लिया, तो लोग इसी बात पर निशाना न बनाने लगें। हमारे पास प्रॉपर्टी के नाम पर यही होटल है, इसे छोड़कर कहां जाएं।'

हाल ही में सरकार ने तय किया है कि काशी की तर्ज पर वृंदावन में भी बांके बिहारी मंदिर के आसपास 5 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर कॉरिडोर बनाया जाए। इसकी जद में आने वाले करीब 300 घरों-दुकानों को तोड़ा जाएगा। इसके बाद से ही वृंदावन के व्यापारी और निवासियों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। लोकल हिंदू भी कहते हैं कि वृंदावन की जान यही कुंज गलियां हैं। ये नहीं रहेंगी तो बांके बिहारी मंदिर का क्या होगा।

इस प्रोटेस्ट में बांके बिहारी के सेवायत यानी मंदिरों में सेवा करने वाले भी शामिल होते हैं। नाम न बताते हुए एक सेवायत कहते हैं- 'मैं 1978 से बांके बिहारी से जुड़ा हूं। कॉरिडोर बनने से जब सेवायत उजड़ जाएंगे, तो सेवा कौन करेगा। सरकार को यमुना किनारे बांके बिहारी का एक भव्य मंदिर बनाना चाहिए। वहां पर्यटक भी आएंगे। यमुना विहार भी होगा और कुंज की ऐतिहासिक गलियां भी बच जाएंगी।'

मुस्लिम पक्ष के वकील बोले- किसी को डरने की जरूरत नहीं

शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के सेक्रेटरी और कोर्ट में मुस्लिम पक्ष के वकील तनवीर अहमद से मिलने पहुंचा तो वे व्यापारियों और सेवायतों की तरह परेशान नहीं दिखे। कहते हैं, 'किसी को डरने की जरूरत नहीं। वादी पक्ष का मुकदमा कोर्ट में टिकने लायक नहीं। उनके मुकदमों में कई खामियां हैं, जिस 13.37 एकड़ जमीन की वे बात करते हैं, वो जमीन है कौन सी, इसकी पहचान भी कोर्ट में नहीं कर पाए।'

तनवीर आगे कहते हैं- 'वादी पक्ष कहता है कि 1598 में हमने जमीन खरीदी थी, लेकिन इसका जिक्र कहीं नहीं है। वे खुद अपने दावे में लिखते हैं कि 1669 में ईदगाह वहां बनी है। इसका कोई सबूत नहीं कि जमीन बेचे जाने के साथ ही ईदगाह भी बेची गई थी। दोनों की जमीनें ही अलग हैं।' तनवीर भी मथुरा के स्थानीय लोगों की बात दोहराते हैं- 'बाहरी लोगों ने ये मुकदमे किए हैं। स्थानीय लोगों ने न पहले उनका समर्थन किया और न ही अब कर रहे हैं। इसीलिए मैं कह रहा हूं कि डरने की जरूरत नहीं है। हमें तो कृष्ण जन्मस्थान भी अच्छा लगता है और ईदगाह भी पसंद है। उनके 5 मुकदमे खारिज हुए हैं। आगे भी सारे मुकदमे खारिज होंगे।'

'शाही ईदगाह में मिलेंगे हिंदू कला के सबूत'

उधर, वादी पक्ष के वकील महेंद्र प्रताप सिंह कहते हैं- 'शाही ईदगाह का सर्वे होना जरूरी है। यहां ज्ञानवापी की तरह हिंदू स्थापत्य कला के सबूत मिलेंगे। खुदाई के दौरान बहुत सबूत सामने आएंगे।

महेंद्र प्रताप सिंह का दावा है कि ये भूमि उनके आराध्य भगवान श्री कृष्ण के जन्म स्थल का गर्भ गृह है। सबूत सामने न आएं, इसके लिए मुस्लिम पक्ष केस को लटका रहा है।'

कर्नाटक का एक ऐसा गांव, जहां मेले से पहले घरों में लग जाता है ताला

दुकानें हो जाती हैं बंद, सदियों से चली आ रही है ये परंपरा

बैंगलूरु, 11 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के धारवाड़ जिले में स्थित कलाघाटगी गांव में हर तीन साल में एक बार ग्राम देवी का मेला होता है। ये मेला अन्य मेलों की तरह नहीं है। मेले को लेकर लोगों में उत्साह तो होता है, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि मेले से कुछ दिन पहले गांव वाले अपने घरों व दुकानों में ताले लगा देते हैं और खेतों में चले जाते हैं। इस रीत का यहां दशकों से पालन किया जा रहा है।

दरअसल, कलाघाटगी सहित आसपास के पांच गांवों के लोग मेले के लिए एक अनोखी प्रथा का पालन करते हैं। हजारों लोग अपने घरों में ताला लगाकर अपने परिवारों के साथ गांव से बाहर चले जाते हैं। इन गांवों में शादी, सगाई, नामकरण सहित कोई भी शुभ कार्य आने वाली 'उगादी' तक नहीं किया जाता है।

इस परंपरा का पालन हर जाति, पंथ और धर्म का व्यक्ति करता है। परंपरा के अनुसार, मेला शुरू होने से पहले, मंगलवार से लेकर शुक्रवार तक सब गांव से बाहर चले जाते हैं। इन पांच दिनों तक सबकुछ बंद रहता है। व्यापारिक लेन-देन भी रुक जाता है। बता दें कि इस बारे मेले का आयोजन 1 मार्च से 9 मार्च तक होगा।

गांव से बाहर क्यों जाते हैं लोग?

अब सुनने में तो ये प्रथा हर किसी को काफी अजीब लगेगी, लेकिन कलाघाटगी के ग्रामीणों में इसको लेकर अटूट विश्वास है। यहां के ग्रामीणों का मानना है कि जिन 5 दिनों में वो गांव से बाहर जाते हैं, उस दौरान ग्राम देवियां (तीन बहनें) पूरे गांव की रक्षा करती हैं। ये देवियां गांव में मौजूद दुष्ट शक्तियों का संहार करती हैं। ग्राम देवियों के काम में बाधा न आए, इसलिए सभी गांव वाले घरों को ताला लगाकर चले जाते हैं।

मेले के बाद क्या होता है?

1 मार्च से 9 मार्च तक चलने वाले मेले में तीन देवियों की प्रतिमाओं की स्थापना की जाती है। 9वें दिन मूर्तियों का विसर्जन किया जाता है।

ऐसे माना जाता है कि विसर्जन के बाद तीनों देवियों भूलोक से निकलकर स्वर्ग में पहुंचती हैं, फिर उगादी में नया जन्म भूलोक पर लेती हैं। मेले के बाद आने वाली उगादी तक गांव में कोई शादी, नामकरण व सगाई जैसे शुभ कार्यों को किया नहीं जाता है। यहां तक की होली के अवसर पर रंग भी नहीं खेला जाता है।

हाथियों पर प्यार, लेकिन अपने बने बेसहारा

केरल का यह सच जानिए

तिरुवनंतपुरम, 11 फरवरी (एजेंसियां)। देश का सबसे ज्यादा पढ़ा लिखा राज्य केरल हाथियों से खूब प्यार करता है, लेकिन केरल में बुजुर्गों के प्रति लापरवाही की बहुत सारी खबरें सामने आ रही हैं। घर से निकाले गए बुजुर्गों के आंकड़े काफी चौंकाने वाले हैं। केरल में कम ही ऐसे लोग हैं जो अपने बुजुर्गों को अपने साथ एक घर में रख रहे हैं।

जानकार ये बताते हैं कि राज्य के कई शहरों के मंदिरों में बड़ी संख्या में बुजुर्ग खाना मांगने के लिए लंबी लाइन में खड़े रहते हैं। त्रिस्सूर जिले के गुरुवायूर मंदिर में वरिष्ठ नागरिकों की बढ़ती संख्या उनकी हालत बयान करती है। जहां जरूरतमंदों को मुफ्त भोजन परोसने की परंपरा है। दान में दिया गया खाना ही गरीब बुजुर्गों के जिवन यापन का एक मात्र जरिया है।

बुजुर्गों के लिए सरकार क्या कर रही?

सामाजिक कार्यकर्ता और लेखक हाफिज मुहम्मद का कहना है कि आने वाले सालों में बुजुर्गों की देखभाल केरल की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगी। उन्होंने कहा, 'सड़क पर रहने वाले या बेसहारा बुजुर्गों की कोई सटीक जानकारी अब तक कहीं रिकॉर्ड में नहीं है। लेकिन कई स्थानीय विभाग सड़कों से बुजुर्गों के पुनर्वास के लिए लगभग 50 केंद्र चलाता है। कई पंचायतें अपने क्षेत्रों में बुजुर्ग आबादी की देखभाल के लिए डे सेंटर भी चला रही हैं।

गैर सरकारी संगठनों या सरकारों की तरफ से चलाए जाने

वाली कई सस्थांए हैं लेकिन यहां पर बुजुर्गों की देखभाल के लिए कोई भी इंतजाम नहीं है। शायद यही वजह है कि केरल की 3.34 करोड़ की आबादी के करीब 21 फीसदी लोग बेसहारा हैं। इनकी उम्र 60 साल के करीब है। 2021 में हुई केरल के इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार राज्य में वृद्धावस्था निर्भरता अनुपात 26.1 प्रतिशत था। 2011 में हुए सर्वे में ये अनुपात 19.6 फीसद ही था।

क्या है वृद्धावस्था निर्भरता अनुपात

वृद्धावस्था निर्भरता अनुपात एक पैमाना है जिस उम्र में लोग आर्थिक रूप से निष्क्रिय हो जाते हैं। यानी वो पैसों के लिए काम काज नहीं कर सकते हैं ।

बेदखली की वजह क्या है?

जानकारों का कहना है कि लगातार बढ़ते खर्च और छोटा परिवार का कॉन्सेप्ट ने बुजुर्गों के लिए एक तरह की चुनौती पैदा कर दी है। एडिशनल डीजीपी एम.आर. अजितकुमार का कहना है कि बुजुर्गों को घरों से निकालने का रिवाज मीडिल और हाई क्लास फैमिली में बढ़ा है। ऐसी ही फैमिली से निकाले गए लोगों का ठिकाना गुरुवायूर मंदिर बनाता जा रहा है।

पेंशन योजना किस हद तक कारगर

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पिछले महीने एक रिपोर्ट में लगभग 30 लाख लोगों को 1,600 रुपये की मासिक वृद्धावस्था पेंशन दी गई। केरल में लगभग 75 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी किसी न किसी पेंशन योजना का फायदा उठा रहे हैं। कृषि श्रम पेंशन के तहत 388,000 लोग राशी का फायदा उठा रहे हैं। कल्याण निधि बोर्ड पेंशन के तहत अन्य 1.2 मिलियन लोगों को कवर करने के लिए केरल की पूरे देश में सराहना की गई थी।

केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल का कहना है कि हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है। ऐसे में राज्य में वित्तिय प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन गई है। इसके बावजूद राज्य सराकार ने पेंशन योजनाओं को बंद नहीं किया है।

ऐसे में सवाल ये भी है कि केरल के लोगों को अपने ही बुजुर्गों की परवाह क्यों नहीं है और ये लोग हाथियों पर इतना प्यार क्यों लुटाते हैं?

कहानी केरल के ऐसे हाथी की, जो 15 लोगों की जान ले चुका है

केरल में सोशल मीडिया पर हाथियों के लिए कई फैन पेज आपको देखने को मिल जाएंगे। त्रिशूर के थेचिकोट्टूकावु रामचंद्रन नाम के हाथी की उम्र 58 साल है । ये हाथी 15 लोगों और तीन हाथियों को जान से मारने का दोषी है। इसके बावजूद इस हाथी को केरल में बहुत प्यार किया जाता है।

हाथी रामचंद्रन एक आंख से अंधा है और हर साल होने वाले त्रिशूर पूरम उत्सव का स्टार है। वैसे केरल के लोगों में हाथियों का काफी क्रेज है। केरल के मंदिरों में होने वाले त्योहारों के दौरान हाथियों की परेड कराई जाती है। परेड देखने के लिए भारी तादाद में लोग इकट्ठा होते हैं। लेकिन इन्हीं परेडों में आने वाले लोगों की नजरें अपने बुजुर्गों पर नहीं पड़ती।

केरल के रिजर्व जंगलों में 6,000 से ज्यादा हाथी और दूसरे जगंलों में 700 बंदी हाथी होने का अनुमान है। केरल में हाथियों के लिए ये प्यार कोई नया नहीं है। राजा रजवाड़ों के दौर से ये प्यार चला आ रहा है। राजा रजवाड़ों के दौर से ही मंदिरों में हाथियों का परेड करवाया जाता रहा है।

हाथी पर लोगों का यह प्यार गरीबों पर भारी

मुख्य वन पशु चिकित्सा अधिकारी अरुण जकरियाह का कहना है कि केरल के लोगों में हाथियों के लिए ये प्यार राज्य के गरीब लोगों के लिए कई बार मुसीबत साबित हो चुका है। आवारा हाथी बस्तियों या गरीब किसानों के खेतों पर हमला करते हैं जिससे उन्हें भारी नुकसान होता है।

जकरियाह की टीम ने पिछले महीने पीटी-7 कोडनेम वाले एक खतरनाक जंगली हाथ पकड़ा। यह हाथी पलक्कड़ जिले के धोनी में गरीब की बस्तियों पर हमला कर रहा था। जकरियाह बताते हैं कि हाथियों से प्यार करना अलग बात है लेकिन जब तक इन्हें रहने के लिए जगह नहीं दी जाएगी। तब तक ये हाथी आम लोगों के लिए खतरा पैदा करते ही रहेंगे।

हाथियों को माना जाता था अमीरों का स्टेटस सिंबल

राज्य वन विभाग के पूर्व मुख्य पशु चिकित्सा सर्जन डॉ। ई। के। ईश्वरन कहते हैं कि ₹राज्य के लोग हाथियों के लिए दान करते हैं, हाथियों के लिए फैन कल्ब बनाते हैं। 1990 के दशक की शुरुआत में हाथी केरल में अमीरों का स्टेटस सिंबल हुआ करते थे, लेकिन राज्य में अब इन जानवरों के खिलाफ हिंसा बढ़ती ही जा रही है।

केंद्र सरकार पर जमकर बरसे खरगे

बोले- संसद के अंदर या बाहर बोलने की आजादी नहीं

रांची, 11 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि देश में बोलने की आजादी नहीं है। झारखंड के साहेबगंज जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए, खरगे ने संसद में उनके भाषण के कुछ हिस्सों को निकाले जाने का दावा करते हुए नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद के अंदर और बाहर बोलने की आजादी नहीं है..जो लोग बोलने की हिम्मत करते हैं उन्हें सलाखों के पीछे डाल दिया जाता है।

2014 में किए वादे पर खरी नहीं उतरी भाजपा: खरगे

उन्होंने कहा कि भाजपा 2014 में महंगाई रोकने के वादे के साथ

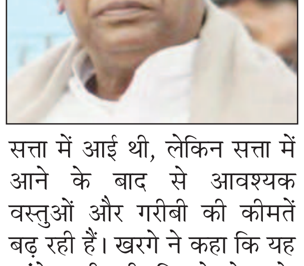

सत्ता में आई थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद से आवश्यक वस्तुओं और गरीबी की कीमतें बढ़ रही हैं। खरगे ने कहा कि यह कांग्रेस ही थी जिसने देश के बुनियादी ढांचे का विकास किया और भारत की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी।

खरगे ने अदाणी पर फिर साधा निशाना

खरगे ने कहा कि हमने संसद में मुद्दा उठाया एक व्यक्ति जिसकी आमदनी 2019 में सिर्फ 1 लाख करोड़ थी ढाई साल में उसकी संपत्ति 13 लाख करोड़ हो गई।जो 2 लाख कमा रहा है क्या उसकी संपत्ति इतनी बढ़ेगी?कौनसा ऐसा जादू है जिसने यह कर दिया?

कांग्रेस अध्यक्ष राज्य में पार्टी के 60 दिवसीय 'हाथ से हाथ जोड़ो' जनसंपर्क कार्यक्रम की शुरुआत करने के बाद पाकुड़ के गुमानी मैदान में बोल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान, कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र की नीतियों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए घर-घर जाएंगे। रैली में कांग्रेस महासचिव अविनाश पांडेय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर और प्रदेश मंत्री आलमगीर आलम समेत अन्य नेता मौजूद थे।

'बघेल को आराम दो, भाजपा को काम दो'

बस्तर पहुंचे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष, नड्डा बोले- कांग्रेस का नाम ही छलावा

जगदलपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि, कांग्रेस का नाम ही छलावा है। उनका एक-एक नेता लटकाना, भटकाना ही कांग्रेस की नीति है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छलावे के लिए ही बनी है। वो लोगों को भटकाने के लिए बने हैं। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ में भाजपा नेता सागर साहू की हत्या को लेकर कहा कि, जब से कांग्रेस की सरकार आई है, यहां नक्सली हमले बढ़ गए हैं। जब रमन सिंह की सरकार थी तो सुख-चैन था।

उन्होंने कहा कि, कल तक मन बहुत उत्साहित था, जो कल रात घटना हुई, उससे मन बहुत द्रवित है। जेपी नड्डा शनिवार को जगदलपुर में सभा को संबोधित कर रहे थे।

लालबाग मैदान में हो रही जनसभा में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि, क्या ये सच्चाई नहीं है, कि जब से भूपेश बघेल की सरकार आई है, नक्सली हमले बढ़े हैं। यह इनके प्रशासन

के बारे में दर्शाता है। जब डॉ. रमन सिंह की सरकार थी तो सुख, शांति, चैन और अमन था। सब लोगों के लिए काम हो रहा था। उन्होंने कहा कि, अब समय आ गया है कि बघेल को आराम दो और भारतीय जनता पार्टी को काम दीजिए। कहा कि, मैं डॉक्टर रमन के माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि कांग्रेस का नाम ही छलावा है। कांग्रेस का कोई नेता यह करे तो अचरज की बात ही नहीं है। नड्डा ने कहा कि, हम विकास के लिए बने हैं, वह विकास को अवरुद्ध करने के लिए बने हैं। हम लोगों के विकास को आगे बढ़ाने के लिए बने हैं, वह लोगों को भटकाने के लिए बढ़े हैं। उनका लक्ष्य है कि फूट-डालो और राजनीति करो। इसमें कोई अचरज की बात नहीं है। हम गर्व और गौरव से कह सकते हैं कि जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने तब छत्तीसगढ़ बना। उन्होंने जो कहा था, वह किया। मुझे याद है, जब स्वर्गीय राजीव गांधी और उनका परिवार यहां पिकनिक मनाने आते थे।

चीनी स्पाई बैलून के बाद अमेरिका में दिखा फ्लाइंग ऑब्जेक्ट

अलास्का के ऊपर 40 हजार फीट पर उड़ रहा था, फाइटर जेट ने मार गिराया

न्यूयार्क, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में चीन के स्पाई बैलून के बाद शुक्रवार को एक और सदिग्ध फ्लाइंग ऑब्जेक्ट नजर आया। अलास्का के ऊपर उड़ रहे इस ऑब्जेक्ट को अमेरिकन एयरफोर्स के एफ-22 रैप्टर फाइटर ने मार गिराया। अमेरिकन नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बताया कि 40 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे इस ऑब्जेक्ट की रफ्तार 64 किमी प्रति घंटे थी। इससे कॉमर्शियल फ्लाइट्स को खतरा था। वहीं, इसके आबादी के ऊपर गिरने की आशंका भी थी।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, खतरे को देखते हुए राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे शूट करने के आदेश दिए थे। पेंटागन के प्रवक्ता जनरल पैट राइडर ने बताया कि अटैक के बाद फ्लाइंग ऑब्जेक्ट टूटकर समुद्र में जा गिरा। इसका कुछ मलबा रिकवर हुआ है, जिसे जांच के लिए लैब भेजा जा रहा है।

फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि यह बैलून था, ड्रोन था या कुछ और। यह ऑब्जेक्ट कहां से आया और इसका मकसद क्या था, अमेरिकन एजेंसीज इसका पता लगाने की कोशिश रही हैं।

छोटी कार के आकार का था फ्लाइंग ऑब्जेक्ट

अभी तक फ्लाइंग ऑब्जेक्ट की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। पैंटागन के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल पैट राइडर ने बताया कि एफ-22 फाइटर ने उस वस्तु को मार गिराने के लिए एआईएम-9एक्स मिसाइल का इस्तेमाल किया। यह फ्लाइंग ऑब्जेक्ट लगभग एक छोटी कार के आकार का था। स्पाई बैलून से काफी छोटा था। शुरुआती जांच में अमेरिकी अधिकारियों को फ्लाइंग ऑब्जेक्ट में सर्विलैंस इक्विपमेंट नहीं होने का अनुमान है।

शूटिंग से पहले 10 मील का हवाई क्षेत्र बंद किया था

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि एक्शन लेने से पहले अलास्का के डेडहॉर्स के ऊपर अमेरिकी एयरस्पेस के करीब 10 स्क्वायर मील के हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया गया था। वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ट्वीट कर फ्लाइंग ऑब्जेक्ट को मार गिराने के फैसले का समर्थन किया है।

ये ऑब्जेक्ट अलास्का के ऊपर 64 किमी/घंटा की रफ्तार से उड़ रहा था। नॉर्थ पोल की तरफ जा रहा था। तभी इसे फाइजर जेट ने मार गिराया। अमेरिका के डिफेंस डिपार्टमेंट के अधिकारी ने कहा कि फ्लाइंग ऑब्जेक्ट समुद्र में गिरने पर टुकड़ों में टूट गया।

राष्ट्रपति जो बाइडेन के आदेश पर अमेरिकी सेना ने यह कार्रवाई की। बाइडेन ने मीडिया से खुद इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मिशन सफल रहा। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब हाल ही में अमेरिकी जेट फाइटर ने चीनी स्पाई बैलून को मार गिराया था। इसके बाद अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ गया।

अमेरिका के मोंटाना शहर में 2 फरवरी को चीनी स्पाई बैलून नजर आया था। 5 फरवरी को अमेरिकी वायुसेना ने कैरोलिना तट के पास एफ-22 फाइटर जेट से इसे मार गिराया था। इसके नष्ट हो जाने के बाद बाइडेन ने अपने फाइटर पायलट्स को बधाई दी थी। अमेरिका की इस कार्रवाई पर चीन ने सख्त ऐतराज जताया था। चीन ने कहा था कि बैलून तबाह करके अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन किया है। वहीं इस पूरे मामले के बाद अमेरिका ने कार्रवाई करते हुए चीन की 6 कंपनियों को ब्लैकलिस्ट भी कर दिया। स्पाई बैलून 28 जनवरी को अमेरिकी एयरपोर्ट जोन में दाखिल होते हुए देखा गया था। 2 फरवरी को ये मोटांना क्षेत्र में उड़ता दिखा था। यह न्यूक्लियर मिसाइल क्षेत्र है। सेना को शक था कि बैलून जासूसी कर रहा है। इसी वजह से उस पर नजर रखी जा रही थी। अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसी ने दावा किया था कि स्पाई बैलून के जरिए चीन दुनियाभर के देशों की मिलिट्री साइट्स पर नजर रख रहा है। एजेंसी के मुताबिक, चीन ने ऐसे गुब्बारों के जरिए जिन देशों की जासूसी कराई, उनमें भारत भी शामिल है। चीन से 12 हजार किलोमीटर दूर, जमीन से 24 किलोमीटर ऊपर अमेरिकी क्षेत्र में चीनी गुब्बारा क्या करने गया था? चीन का कहना है कि ये मौसम की जानकारी जुटा रहा था। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने चीन के इस दावे को नकार दिया है। पिछले दिनों अमेरिका में मार गिराया गया चीनी बैलून दरअसल उसके जासूसी कार्यक्रम का हिस्सा है। अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसी ने बुधवार को दावा किया कि स्पाई बैलून के जरिए चीन दुनियाभर के देशों की मिलिट्री साइट्स पर नजर रख रहा है।

हाईकोर्ट का निर्देश- रांची के डीसी, एसएसपी सुनिश्चित करें कि रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर नहीं बजे

रांची, 11 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को यहां के जिला अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि राज्य की राजधानी में रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध लगा दिया जाए। न्यायमूर्ति एसएन पाठक की अदालत ने स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि सरकार को अदालत के आदेश को सख्ती से लागू करना होगा। न्यायाधीश ने कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रशासन अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा सकता है। सुनवाई के दौरान रांची के उपायुक्त (डीसी) राहुल कुमार सिन्हा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) किशोर कौशल अदालत में मौजूद थे। न्यायाधीश ने रांची में ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, यह बताने के लिए हलफनामा दायर करने में प्रशासन की विफलता पर नाराजगी व्यक्त की।

रांची के उपायुक्त ने कोर्ट को बताया कि हाईकोर्ट के आसपास के इलाके को आवाज-निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए इससे संबंधित होर्डिंग्स लगाए गए हैं। मामले में अगली सुनवाई 17 मार्च को होगी।

ईसाई धर्म के केंद्र वैटिकन सिटी में ही बढ़ा पोप फ्रांसिस का विरोध

किताब में लगाए गए गंभीर आरोप

वेटिकन सिटी, 11 फरवरी (एजेंसियां)। पोप फ्रांसिस को इन दिनों वेटिकन सिटी में ही विरोध झेलना पड़ रहा है। पोप फ्रांसिस के विरोधी उनकी विदेशी संबंधों और उनके द्वारा किए जा रहे बदलावों को लेकर उनकी आलोचना कर रहे हैं। बीते दिनों पूर्व पोप बेनेडिक्ट का बीती 31 दिसंबर को 95 साल की उम्र में निधन हो गया था। पूर्व पोप बेनेडिक्ट के निधन के बाद उनके करीबी सहयोगी जॉर्ज गेनस्वेन ने खुलासा किया कि बेनेडिक्ट, पोप फ्रांसिस द्वारा धार्मिक रीतियों में किए जा रहे कुछ बदलावों से चिंतित थे।

बता दें कि पोप फ्रांसिस को इससे पहले भी आलोचना का शिकार होना पड़ा है। कैथोलिक चर्च का प्रशासन करने वाली शाखा रोमन कुरिया भी पोप फ्रांसिस की आलोचना कर चुकी है और उन्हें अधिनायकवादी बता चुकी है। इनके अलावा ऑस्ट्रेलियन कार्डिनल जॉर्ज पेल ने भी एक नोट लिखकर पोप फ्रांसिस की आलोचना की थी। बता दें कि जॉर्ज पेल पर बच्चों के यौन शोषण के आरोप लगे थे। फिलहाल उनका भी निधन हो चुका है। अब जर्मन कार्डिनल गेरार्ड मुलर ने एक किताब प्रकाशित की है। इस किताब को लेकर हंगामा हो गया है।

बता दें कि कैथोलिक चर्च के भविष्य को लेकर वैश्विक तौर पर मंथन हो रहा है, जिसकी शुरुआत साल 2021 में पोप फ्रांसिस ने ही की थी। इस मंथन में चर्च में महिलाओं को भी जगह देने, बाल यौन शोषण के मामलों से निपटना और पादरियों की शादी, एलजीबीटी समुदाय को चर्च में स्वागत करने जैसे मामलों पर चर्चा हो रही है।

भारत की मदद से तैयार जाफना सांस्कृतिक केंद्र का उद्घाटन

ये भारतीय मंत्री रहे कार्यक्रम में मौजूद

कोलंबो, 11 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका के तमिल बहुल जाफना में भारत सरकार के सहयोग से जाफना सांस्कृतिक केंद्र बनकर तैयार हो गया है। सांस्कृतिक केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ ही भारत के सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान यह सांस्कृतिक केंद्र जाफना के लोगों को समर्पित किया गया। जाफना सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2015 में किया था। यह सांस्कृतिक केंद्र दोनों देशों के मजबूत संबंधों को शानदार उदाहरण है। गृहयुद्ध से प्रभावित रहे श्रीलंका के उत्तरी प्रांत जाफना में सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे का विस्तार करने के उद्देश्य से यह प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। जाफना सांस्कृतिक केंद्र में एक सार्वजनिक चौक, जिसे रंगभूमि मंच के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा दो मंजिलों का एक संग्रहालय, 600 से ज्यादा लोगों के बैठने की क्षमता वाला थिएटर, एक सभागार और एक 11 मंजिला शिक्षण टॉवर भी है। बता दें कि भारत और श्रीलंका ऐतिहासिक तौर पर जुड़े हुए हैं। पौराणिक कथाओं में भी दोनों देशों के संबंधों का जिक्र है। कई श्रीलंकाई अपनी जड़ें भारत से जोड़कर देखते हैं। जाफना प्रांत में बड़ी संख्या में तमिल आबादी रहती है। श्रीलंका में गृहयुद्ध के दौरान जाफना केंद्र था। भारत का श्रीलंका में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश साल 2005 से 2019 के बीच करीब 1.7 बिलियन डॉलर था।

महंगाई ने तोड़ा 48 साल का रिकॉर्ड

लोग बोले- बिजली-शिक्षा तो भूल जाइए, खाने तक के लाले पड़े

कराची, 11 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान अपने अस्तित्व के सबसे बड़े संकटों में से एक को झेल रहा है। पाकिस्तान के आर्थिक हालात बेहद खराब हैं और अब हालात ये हो गए हैं कि पाकिस्तान की आम जनता सड़कों पर उतर आई है और विरोध प्रदर्शन कर रही है। पाकिस्तान दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गया है। आईएमएफ के साथ बेलआउट पैकेज को लेकर हो रही बातचीत भी असफल हो गई है, जिससे पाकिस्तान को फौरी तौर पर कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। सबसे बुरे हालात पाकिस्तान की आम जनता के हैं, जिसकी कमर बढ़ती महंगाई से टूट चुकी है और अब हालात ये हैं कि लोग खाने की चिंता कर रहे हैं और शिक्षा और अन्य चीजें कहीं ना कहीं हाशिए पर चली गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान के एक स्थानीय सीफूड व्यापारी ने बताया कि महंगाई के चलते उसकी बिक्री आधी रह गई है। खासकर मध्य

वर्गीय लोगों ने बाजारों से दूरी बना ली है और सिर्फ धनी वर्ग ही बढ़ती महंगाई का सामना कर पा रहा है।

इसी तरह एक पेट्रोल पंप के मैनेजर ने बताया कि उनके पेट्रोल पंप पर भी तेल की बिक्री में खासी गिरावट आई है। पहले जहां पेट्रोल पंप पर ग्राहकों की लंबी लाइन होती थी, वहां आज पेट्रोल पंप लगभग खाली रहते हैं। इसकी वजह है पाकिस्तान में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 262 रुपए होना। निम्न आय वर्ग के लोगों को तो पाकिस्तान में अपना घर खर्च चलाने के लिए भी उधार लेना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि जिंदगी जीनी बहुत कठिन हो गई है लेकिन ऐसे हालात में वह कुछ कर भी नहीं सकते।

पाकिस्तान के किसानों के भी हालात बुरे हैं। बढ़ती महंगाई ने किसानों की लागत को कई गुना बढ़ा दिया है। महंगी बिजली और मजदूरी में आए उछाल से खेती मुनाफे का सौदा नहीं रह गई है। साथ ही बिजली की कमी भी पाकिस्तानी जनता के लिए मुसीबत बनी हुई है।

पाकिस्तान के किसान मोहम्मद राशिद का कहना है कि 'हमारे पास पर्याप्त खाना नहीं है, ऐसे में बिजली, शिक्षा और कपड़े का इंतजाम कहां से करें'।

बाइडेन के बाद पेंस के घर मिलीं सीक्रेट फाइल्स

ट्रम्प के समय उप-राष्ट्रपति थे, एक दिन पहले कैपिटल हिल हिंसा पर समन मिला था

वॉशिंगटन, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट माइक पेंस के इंडियाना स्थित घर से एफबीआई को एक क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट मिला है। दरअसल, पिछले महीने पेंस के सहयोगियों को उनके घर से 6 क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स मिले थे, जिसके बाद पेंस ने एफबीआई की सर्चिंग के लिए मंजूरी दी थी।

पेंस ने अपनी लीगल टीम को जांच अधिकारियों का सहयोग करने और जांच को लेकर ट्रांसपैरेंट रहने का निर्देश दिया है। एक दिन पहले ही अमेरिकी संसद हिंसा के मामले में पेंस को समन भेजा गया था। इसके बाद अब एफबीआई उनके घर पहुंच गई। 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प की हार गए थे। जिसके बाद 6 जनवरी 2021 को उनके समर्थकों ने संसद भवन पर हमला कर दिया था।

तलाशी की शर्तों से जुड़ी बातचीत हुई लीक

पेंस की टीम गुपचुप तरह से तलाशी की शर्तों पर अधिकारियों से बात कर रही थी। ये बातें मीडिया में लीक हो गईं। पेंस के एक सहयोगी ने जस्टिस डिपार्टमेंट को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा- ये पूरा मामला ट्रम्प के खिलाफ हो रही जांच से जुड़ी पूछताछ पर असर डाल सकता है।

पेंस के सहयोगियों ने एहतियात के तौर ली थी तलाशी

दरअसल, हाल ही में राष्ट्रपति बाइडेन के विलमिंगटन वाले घर और वॉशिंगटन में स्थित एक पूर्व थिंक टैंक ऑफिस से क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स बरामद हुए थे। इसके बाद पेंस के सहयोगियों ने सावधानी बरतते हुए उनके घर की तलाशी ली थी।

यहां क्लासिफाइड मार्क के साथ दस्तावेज मिलने पर उन्होंने जस्टिस डिपार्टमेंट को इसकी सूचना दी। इसके बाद जब पेंस मार्च फॉर लाइफ के लिए वॉशिंगटन में थे तब एफबीआई उनके घर छानबीन के लिए पहुंची।

ट्रम्प-बाइडेन के घर से भी मिल चुके हैं दस्तावेज

पहले ट्रम्प, फिर बाइडेन और अब पेंस के घर पर क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट मिलने के बाद अधिकारियों पर क्लासिफाइड मटीरियल संभालने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, राष्ट्रपति बाइडेन के पूर्व ऑफिस में 2 नवंबर, 2022 को क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स मिले थे, जिसकी जानकारी जनवरी 2023 में सामने आई थी। बाइडेन ने दस्तावेज नेशनल आर्काइव्स को भेज दिए थे।

इससे पहले जनवरी 2021 में व्हाइट हाउस छोड़ने पर ट्रम्प पर अपने फ्लोरिडा स्थित घर मार-ए-लेगो में कई क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स ले जाने के आरोप लगे थे। ट्रम्प ने इन डॉक्यूमेंट्स को नेशनल आर्काइव्स को सौंपने से भी इनकार कर दिया था।

हाल ही में अमेरिका के फेडरल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन यानी एफबीआई ने प्रेसिडेंट बाइडेन के डेलावेयर के घर की तलाशी ली। ये छानबीन क्लासिफाइड या सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स गायब होने के सिलसिले में की गई। इससे पहले भी एफबीआई ने बाइडेन के इसी घर की तलाशी ली थी। उस वक्त उनके गैरेज और लाइब्रेरी में कुछ सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स मिले थे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के डेलावेयर स्थित घर पर शुक्रवार यानी 20 जनवरी को 6 और खुफिया फाइलें मिली हैं। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने लगभग 13 घंटे की जांच के बाद इन फाइलों को जब्त किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब बाइडेन के घर की तलाशी ली जा रही थी, उस समय बाइडेन या उनकी पत्नी घर पर नहीं थे।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि एफबीआई ने उनकी प्रॉपर्टी मार-ए-लागो में रेड के दौरान उनके 3 पासपोर्ट जब्त कर लिए। उन्होंने यह भी कहा कि एफबीआई एजेंट उनके घर से 15 बॉक्स भरकर डॉक्युमेंट्स ले गए हैं, जिसमें कुछ क्लासिफाइड रिकॉर्ड्स भी हैं। एफबीआई ने पूर्व राष्ट्रपति के आलीशान पाम हाउस और रिजॉर्ट मार-ए-लागो पर पिछले मंगलवार को छापा मारा था।

हाईप्रोफाइल रेप केस में युवती को एचसी का नोटिस

बिलासपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने हाईप्रोफाइल रेप केस में फंसे नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के बेटे पलाश चंदेल की याचिका पर सुनवाई से पहले पीड़ित युवती को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। रेप पीड़ित युवती का जवाब के बाद ही हाईकोर्ट में पलाश चंदेल की याचिका पर सुनवाई होगी। प्रकरण की अगली सुनवाई 24 फरवरी को होगी। इस केस में युवती पहले ही पुलिस को कटघरे में खड़ा करते हुए आरोपी को बचाने का आरोप लगा चुकी है।

रेप केस के आरोप में एफआईआर दर्ज होने के बाद से पलाश चंदेल फरार चल रहा है। इधर, अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। अपने वकील हरि अग्रवाल के माध्यम से याचिका में बताया गया है कि उसे राजनीतिक रूप से झूठे केस में फंसाया गया है।

विदेश संबंधों पर अमेरिकी कमेटी की पहली बैठक में ही भारत बना चर्चा का केंद्र

चीन पर कही गईं ये बातें

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने दुनिया के बाकी देशों के साथ रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए नई हाउस फॉरेन रिलेशंस कमेटी बनाई है। इस कमेटी ने भारत-अमेरिका के रिश्तों को लेकर बड़ा बयान दिया है। कहा गया है कि अमेरिका-भारत के द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार पर विशेष रूप से कमेटी की नजर है। खासतौर पर दोनों देशों रक्षा-आर्थिक क्षेत्रों, आतंकवाद विरोधी प्रयासों और भारत-प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को बढ़ाने के लिए काम करेंगे। इसी हफ्ते रिपब्लिकन कांग्रेसी माइकल मैककॉल की अध्यक्षता में कमेटी की 118वीं बैठक हुई। इस दौरान कमेटी ने अपनी प्राथमिकता और निगरानी वाले मुद्दों को लेकर एक प्रस्ताव भी पारित किया।

कमेटी ने भारत को लेकर क्या-क्या कहा?

हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी

के रैंकिंग सदस्य डेमोक्रेट ग्रेगरी मीक्स ने इस बैठक के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'समिति भारत के प्रति अमेरिकी नीति और द्विपक्षीय सहयोग के निरंतर विस्तार की समीक्षा करेगी। सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग, विस्तारित भूमिकाओं के अवसर, मिशन और क्षमताओं और आतंकवाद विरोधी प्रयासों सहित अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।'

कमेटी ने कहा, 'हम अमेरिका-भारत आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के प्रयासों पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे। जिसमें प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और फार्मास्युटिकल उद्योगों में द्विपक्षीय प्रयासों पर चर्चा शामिल है। इसके अलावा चतुर्भुज सुरक्षा संवाद प्रयासों में भारत की भागीदारी और भारत-प्रशांत क्षेत्र में इसकी उपस्थिति को बढ़ाने के प्रयासों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।' समिति ने आगे कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती ऊर्जा मांगों के प्रभावों की भी समीक्षा होगी।

कमेटी ने चीन की दुनिया में बढ़ती शक्तियों को लेकर भी मंथन करने को कहा। इसमें बताया गया है कि चीन जिस तरह से दुनिया में अपना प्रभुत्व बढ़ा रहा है, वो खतरे की आहट है। चीन ने 2013 में एक बुनियादी ढांचा परियोजना शुरू किया है, जो बिजिंग के वैश्विक प्रभाव को बढ़ा रहा है।

इसका उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य एशिया, खाड़ी क्षेत्र, अफ्रीका और यूरोप को भूमि और समुद्री मार्गों के नेटवर्क से जोड़ना है। ये अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में परिवर्तन का एक खतरनाक माध्यम है। इसके जरिए चीन पूरी दुनिया को काबू करने की तरफ बढ़ रहा है। ऐसे में अब चीन के साथ हुए अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संधियों की भी समीक्षा होगी।

9 साल की भारतीय अमेरिकी को सम्मान

दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स की लिस्ट में शामिल, 76 देशों के बच्चों ने दिया था टेस्ट

न्यूयॉर्क, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में रहने वाली 9 साल की भारतवंशी समेधा सक्सेना दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली छात्रों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। उन्हें यह सम्मान जॉन होप्किंस सेंटर फिर टैलेंटेड यूथ (सीटीवाई) ने दिया है। समेधा न्यूयॉर्क सिटी में बैटरी पार्क सिटी स्कूल में क्लास 4 की स्टूडेंट हैं।

कॉलेज के टेस्ट्स भी पास किए

समेधा ने हाई स्कूल और कॉलेज लेवल के कई टेस्ट्स में अच्छी परफॉर्मेंस दी। इनमें एसएटी, एसीटी, स्कूल एंड कॉलेज एबिलिटी टेस्ट समेत कई एग्जाम शामिल हैं। समेधा 8 साल की उम्र में सीटीवाई ग्लोबल टैलेंट सर्च प्रोग्राम को क्वालिफाई करने वाले सबसे कम उम्र के स्टूडेंट्स में से एक हैं।

प्रोग्राम के डायरेक्टर ने दी बधाई

समेधा को बधाई देते हुए सीटीवाई के कार्यकारी निदेशक डॉक्टर एमी शेल्टन ने कहा- इस टेस्ट में कामयाब होना ही इन स्टूडेंट्स की पहचान नहीं है। इन बच्चों को खोज और सीख से प्यार है। इतनी कम उम्र में इतना ज्यादा ज्ञान रखने वाले इन बच्चों को मेरा सलाम है।

एमी ने आगे कहा- ये बच्चे अपने ज्ञान और जुनून का इस्तेमाल कौन सी खोज करने में करेंगे, ये सोचना बहुत ही रोमांचक है। इनके आने वाले अनुभव बहुत ही समृद्ध होंगे। ये अपनी कम्यूनिटी और दुनिया में उल्लेखनीय चीजें हासिल करेंगे।

76 देशों के बच्चों का टेस्ट हुआ

सीटीवाई ने 2021-22 सत्र में अपने प्रोग्राम में 76 देशों के 15 हजार 300 बच्चों का टेस्ट लिया था। इनमें से कवल 27% बच्चों को ही हाई स्कोर मिला था, जिससे वे सबसे प्रतिभाशाली छात्रों की सूची में शामिल हो सकें। समेधा के अलावा अमेरिका में रहने वाली 13 साल की भारतवंशी नताशा पेरियानायागम भी लिस्ट में शामिल हुई हैं। भारत के नई दिल्ली में रहने वाले 9 साल के आर्यवीर कोछर का नाम भी इस लिस्ट में है।

हरियाणा के अस्पतालों में ड्रेस कोड लागू

जींस-टीशर्ट, प्लाजो, बैकलेस टॉप बैन, गहने और लंबे नाखून पर भी रोक, मंत्री ने सही ठहराया

चंडीगढ, 11 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के अस्पतालों में अब फैशन नहीं चलेगा। यहां के डॉक्टर और स्टाफ के लिए ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के नए ड्रेस कोड में जींस, प्लाजो, बैकलेस टॉप, स्कर्ट जैसे फैशनवाले कपड़े बैन कर दिए गए हैं। वहीं, हेयरस्टाइल भी तय किया गया है। जेंट्स कर्मचारियों के बाल कॉलर से लंबे नहीं होंगे। महिलाएं स्टाइलिश ड्रेस, भारी गहने और मेकअप यूज नहीं करेंगी। नाखून भी लंबे नहीं होंगे। ड्रेस कोड न मानने वाले स्टाफ को ड्यूटी से गैरहाजिर मानकर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी रंग की जींस, डेनिम स्कर्ट, डेनिम ड्रेस, स्वेट शर्ट, स्वेट शूट, शॉर्ट्स, स्लैक्स ड्रेस, स्कर्ट, प्लाजो, स्ट्रेच टी-शर्ट व पेंट, फिटिंग पेंट, कैपरी, हिप हगर, स्वेटपेंट, स्ट्रैपलेस या बैकलेस टॉप, क्रॉप टॉप, कमर लाइन से छोटा टॉप, डीप नेक टॉप, टैंक टॉप, ऑफ शोल्जर ब्लाउज व

स्नीकर-स्लीपर नहीं पहने जाएंगे।

सिक्योरिटी, परिवहन, सफाई और रसोई वाले कर्मचारी अपनी वर्दी में होने जरूरी है। अस्पताल स्टाफ के लिए नेम प्लेट अनिवार्य है। जिसमें कर्मचारी का नाम व पद होना अनिवार्य है। नर्सिंग कैडर को छोड़कर सफेद शर्ट व काली पेंट पहली जा सकती है।

कपड़े ज्यादा खुले या तंग नहीं होने चाहिए। असामान्य हेयर स्टाइल या हेयर कटिंग भी नहीं चलेगी। ड्रेस कोड के लिए कलर तय करने का अधिकार सिविल सर्जनों को दिया गया है।

पायलट और अपने बीच चल रही खटपट पर बोले गहलोत...

'मेरी निगाह में तो बस चिड़िया की आंख है'

जयपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच चल रही अदावत किसी से छिपी नहीं है। दोनों नेताओं के बीच विवाद का मामला आलाकमान तक पहुंचा हुआ है। चूंकि राजस्थान में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं, ऐसे में दो बड़े नेताओं के बीच खिंची तलवारें राजस्थान के चुनाव में क्या असर दिखाएंगी। वहीं तमाम विवादों के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में जो बजट पेश किया है, उसे लेकर मुख्यमंत्री गहलोत न सिर्फ उत्साहित हैं, बल्कि भरोसे के साथ कहते हैं कि अगली सरकार भी कांग्रेस की ही बनेगी।

हमारा बजट तो राजस्थान के एक-एक व्यक्ति का बजट है। आप हमारे पुराने बजट उठाकर देख लीजिए। सभी बजट ऐसे ही होते हैं। हर व्यक्ति का ध्यान रखा जाता है। नब्बे फ़ीसदी से ज्यादा हमारी योजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं। हम अपने राज्य के लोगों को तीर्थाटन तो कराते ही रहते हैं। हमारे बजट में पहले भी रहा है। नए-नए धार्मिक स्थल जुड़ते जा रहे हैं। वैसे भी हम धर्म के नाम पर राजनीति नहीं करते हैं। केंद्र से महंगाई कंट्रोल नहीं हो रही है। लोगों को गैस सिलेंडर और चूल्हा तो मिल गया, लेकिन वह भरवाए भी तो कैसे। तो ऐसी योजना का क्या लाभ जो फायदेमंद ही न हो। अब हमारी सरकार ने तय किया है की हम ऐसे उन सभी परिवारों को 500 रुपये में सिलेंडर देंगे जो गैस भरवा नहीं पा रहे हैं। चुनी हुई सरकार के लिए अपने नागरिकों की जरूरतों को पूरी करना सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आता है। हमारी सरकार यह सब उनकी सामजिक सुरक्षा के लिए ही कर रही है। इसको रेवड़ी कहना उन जरूरतमंदों का मजाक उड़ाना है जो इसके हकदार हैं। इस मुद्दे पर तो मुझे कुछ कहना ही नहीं है। मुझे सिर्फ चिड़िया की आंख दिख रही है। विधानसभा के चुनाव नजदीक हैं। इसलिए हमारा पूरा फोकस चुनाव में जीजान लगाने का है। हम लोग चुनाव जीतने में पूरी जान लगा देंगे। इस बार फिर राजस्थान की जनता कांग्रेस को सत्ता सौंपने जा रही है।

गुड गवर्नेंस ही हमारी पहचान है। हमारी सरकार ने जो कहा है वह करके भी दिखाया है। यही वजह है कि समूचे राजस्थान के हर जिले, शहर, तहसील, कस्बे और गांव में हमारी योजनाओं की वजह से लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना में 10 लाख रुपये से बढ़ाकर हमने 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा योजना कर दिया। पूरे देश में इससे बड़ी स्वास्थ्य योजना कोई नहीं है। कोविड में जिन बच्चों के मां-बाप गुजर गए। उन सभी बच्चों को नौकरी करने की उम्र में आते ही सबसे पहले सरकारी नौकरी भी हम दे रहे हैं। अभी हमने 100 यूनिट बिजली फ्री की है। जैसे-जैसे व्यवस्थाएं और बेहतर होती जाएंगी हम 300 यूनिट तक बिजली फ्री कर देंगे। चिकित्सा स्वास्थ्य शिक्षा और निवेश समेत अपनी आधारभूत सुविधाओं से पूरे देश में राजस्थान को एक अहम मुकाम पर पहुंचाया है।

इस मामले में हमारे नेता राहुल गांधी जी पहले ही कह चुके हैं। मेरा मत भी वही है जो हमारे नेता राहुल गांधी ने कहा है। अभी हाल में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पूरी हुई है। आने वाले दिनों में कई राज्यों के चुनाव हैं। उन चुनावों के परिणाम भारत जोड़ो यात्रा से जोड़े जाएंगे। क्या कुछ दबाव महसूस कर रहे हैं आप। देखिए पहले ही जयराम रमेश ने यह स्पष्ट किया है कि भारत जोड़ो यात्रा सियासी यात्रा नहीं है।

इस यात्रा का मकसद देश में एकता और मोहब्बत को बढ़ाना है। सामाजिक मुद्दों के साथ शुरू की गई यात्रा एक आंदोलन थी। रही बात चुनाव और उसके नतीजों के दबाव की। जब हमने अच्छा काम किया है तो मुझे पूरा भरोसा है कि कांग्रेस सभी राज्यों में मजबूती के साथ वापस आएगी। हमारे नेताओं कार्यकर्ताओं पर किसी भी तरीके का कोई दबाव नहीं है। हम सब लोग जी जान से चुनावी मैदान में डटे हुए हैं और सरकार बनाने की ओर अग्रसर हैं।

बीजेपी विधायक दिलावर बोले

गहलोत का बजट झुनझुना, पिछला एससी-एसटी कल्याण बजट खर्च नहीं, बढ़ाने से क्या फायदा

कोटा, 11 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा के रामगंजमंडी से बीजेपी विधायक मदन दिलावर ने कहा- सीएम अशोक गहलोत ने जो बजट पेश किया है,वह एक झुनझुना है। मैं झुनझुना इसलिए कह रहा हूं क्योंकि पिछली बार उन्होंने कहा था कि हम सभी किसानों का कर्जा फ कर देंगे। सभी बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देंगे, लेकिन उसका हश्र देख लिया है। उन्होंने यह भी कहा था कि एससी-एसटी के लिए हम 500-500 करोड़ रुपए का बजट आवंटन कर रहे हैं, इससे उनके कल्याण के लिए काम करेंगे। लेकिन उसके तो आदेश ही नहीं निकले, रूल्स ही नहीं बने, एक पैसा भी खर्च नहीं किया, जबकि साल खत्म होने को आ गया है। अब उसका बजट 500 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 1000 करोड़ रुपए कर दिया है। 1000 क्या 50 हजार करोड़ रुपए कर दें, 1 लाख करोड़ रुपए कर दें, इससे फर्क क्या पड़ता है। जब पैसा खर्च ही नहीं करना है, तो अंतर ही क्या आता है ?

विधायक मदन दिलाव र बोले-सीएम बड़ी-बड़ी घोषणाएं करते हैं। उन्होंने घोषणा की थी कि रामगंज मंडी में ट्रोमा हॉस्पिटल होगा और 70 बेड का हॉस्पिटल होगा, क्या हॉस्पिटल खड़ा हो गया ? नहीं हुआ ना ? इसलिए ऐसी ही थोथी घोषणाएं इस बजट में भी की गई हैं। एससी कैटेगरी के बच्चों को हॉस्टल में मेस भत्ता ही बढ़ा देते, नहीं बढ़ाया। विधवा महिलाओं की पेंशन ही बढ़ा देते,नहीं बढ़ाई। क्या हो गया, क्या महिलाओं से परेशानी है, एससी-एसटी के लोगों से परेशानी है ? बीजेपी विधायक दिलावार बोले- सरकार कह रही थी कि हम किसानों के लिए बहुत कुछ करेंगे, लेकिन क्या किया है, कुछ भी तो नहीं किया है। इसलिए बजट लोगों को बेवकूफ बनाने वाला है।

बिजली तो देनी नहीं है, फ्री करने से क्या फायदा

बीजेपी विधायक मदन दिलावर बोले- बजट में सीएम ने कहा बिजली हम आम लोगों को 100 यूनिट तक बिजली फ्री कर देंगे, किसान को 2000 यूनिट तक हर महीने बिजली फ्री कर देंगे। लेकिन वो सारी बिजली फ्री कर दें, उलटा पैसा भी दें, तो भी क्या अंतर आता है। क्योंकि बिजली तो सरकार को देनी नहीं है। गांव में 10-10, 12-12 घंटे बिजली नहीं आती है। 6 घंटे बिजली देने की बात करते हैं, लेकिन किसान को 2 घंटे भी सिंचाई के लिए बिजली नहीं मिलती है। उनकी सरकार के भरोसे किसान रह जाए, तो उनकी फसल चौपट हो जाए । इसलिए कुछ भी घोषणा करें,किसान को फायदा होने वाला नहीं है। जिनता फ्री देंगे,उतना ही बिजली की कटौती करेंगे और किसानों पर अत्याचार करेंगे, हम जानते हैं। 4 सालों से देख रहे हैं,किस तरह से लोगों को तंग और परेशान किया है, यह सबके सामने है।

सौगातें दी होतीं,तो 28 हजार सीएचए आंदोलन नहीं करते- रामलाल

जयपुर के चौमूं से बीजेपी विधायक और पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा- कांग्रेस के नेता और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बजट घोषणाओं के बाद बड़ी-बड़ी बातें इस आधार पर कर रहे हैं कि हमने प्रदेश की जनता को बहुत सी सौगातें दी हैं। सौगातें अगर आम जनता को राहत पहुंचाने के लिए दी होतीं, तो आज राजस्थान के 28 हजार सीएचए आंदोलन नहीं करते। वो टंकी पर चढ़कर अपनी मांगें मनवाने के लिए सरकार का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं, क्योंकि कोविड के दौरान अपनी जान जोखिम में उन्होंने डाली थी, उन लोगों को उम्मीद यह थी कि सरकार उन्हें नियमित करेगी।

किसकी गलती से सीएम ने गलत भाषण पढ़ा?

जिस कॉपी से गहलोत ने रिहर्सल की थी, उसके बजाय दूसरी कॉपी उनके हाथ में पहुंची

जयपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले साल के बजट की घोषणाएं पढ़ दीं। यह बड़ी चूक थी। यह भी पहली बार हुआ कि सीएम के बजट भाषण को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण विधानसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। हालांकि वित्त विभाग के अफसरों की ओर से ध्यान में लाने के बाद मुख्य सचेतक महेश जोशी ने सीएम को बताया तो उन्होंने बजट भाषण रोक कर माफी मांग ली। पर बड़ा सवाल है कि आखिर यह गलती क्यों और कैसे हुई?

एक्सपर्ट के अनुसार विधानसभा में बजट भाषण देने से पहले मुख्यमंत्री उसकी रिहर्सल करते हैं। बजट भाषण को खुद के ऑफिस और वित्त विभाग के टॉप अफसरों के सामने पढ़कर जांचते हैं। फिर बजट भाषण फाइनल होता है। ऐसे में सीएम ने जिस फाइनल कॉपी से रिहर्सल की थी, संभवतः विधानसभा में बजट प्रस्तुत करते समय उनके हाथ में वो कॉपी नहीं थी। इसी वजह से गफलत हुई। अगर सीएम रिहर्सल वाली कॉपी ही पढ़ते तो यह गलती नहीं होती। क्योंकि इसी फाइनल कॉपी को प्रिंट करवाकर सभी विधायकों को दी जाती है। सीएम ने जिस कॉपी से अपना बजट भाषण शुरू किया, वो वह कॉपी नहीं थी जो बजट भाषण खत्म होने के बाद विधानसभा में सभी विधायकों को दी गई। मतलब, सीएम ने भाषण में जो पुराने अंश पढ़े अगर वे मूल कॉपी में होते तो विधायकों को दी गई बजट भाषण की कॉपी में भी वे अंश होते।

बजट दो पार्ट में बनता है। पार्ट ए और पार्ट बी। पार्ट ए में बजट स्पीच होती है। पार्ट-बी में टैक्स प्रावधान और बजट के आंकड़े होते हैं। बजट बनने की प्रकिया बहुत दिनों तक चलती है। टैक्स प्रपोजल की गोपनीयता होती है। पार्ट-ए वित्त सचिव (बजट) बनाता है। इस पद पर रोहित गुप्ता कार्यरत हैं। पार्ट-बी टैक्स वाला हिस्सा होता है, जिसको तैयार करने की जिम्मेदारी वित्त सचिव (राजस्व) केके पाठक और वित्त सचिव (व्यय) नरेश ठकराल की थी। इन सभी अफसरों के काम की ओवरऑल मॉनिटरिंग और बजट फाइनल करने की जिम्मेदारी वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा की है।

गजब कर गए सीएम गहलोत! फ्री बिजली की घोषणा तो कर दी, लेकिन कंपनियों की स्थिति नाजुक

जयपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। वर्तमान समय में राजस्थान में पहली बार किसानों और आम उपभोक्ता को सर्दियों में चार घंटे तक की घोषित कटौती तक का सामना करना पड़ा, जिसका सीधा असर रबी की फसल पर विपरीत पड़ा। साथ ही उद्योगों पर बिजली कटौती की गई, अब केंद्र सरकार द्वारा जारी 20वीं विद्युत शक्ति सर्वेक्षण रिपोर्ट से राज्य सरकार की नींद उड़ गई है। क्योंकि कोयले की कमी के कारण बिजली उत्पादन कम हुआ है। वहीं मेंटेनेंस के चलते भी उत्पादन की कई इकाइयां बंद पड़ी हैं, जिस कारण ज्यादा मांग और किसानों को बिजली देने की नीयत से 12 रुपये दर से महंगी दर पर बिजली खरीद की जा रही है, फिर भी चार घंटे तक की कटौती की नौबत आन पड़ी।

बता दें कि इसका असर न केवल उपभोक्ता पर पड़ा, बल्कि कर्मचारी और अधिकारी भी इससे अछूते नहीं रहे। गत छह महीने से महंगी दर पर बिजली खरीद और वित्तीय प्रबंधन सही तरह न करने के कारण वेतन तक समय पर जारी नहीं किया गया, जिस कारण कर्मचारियों को आंदोलन तक करने पड़ गए। महंगी दर पर बिजली एक्सचेंज से खरीदने के कारण डिस्कॉम को नकद पैसे देने पड़ रहे हैं, वो भी तीन गुना अधिक दर पर, जिससे वेतन देने के लिए समय पर पैसा उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

पीएम मोदी आज दिल्ली-दौसा-लालसोट एक्सप्रेस-वे कंपलीट पार्ट राष्ट्र को करेंगे समर्पित

दौसा, 11 फरवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी की दौसा में 12 फरवरी को बड़ी जनसभा होगी, जिसके लिए दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे के धनावड़ रेस्ट एरिया के पास बड़ा डोम और सभा स्थल तैयार करवाया जा रहा है।

एनएचएआई के इस कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, राजस्थान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, राजस्थान बीजेपी प्रभारी अरुण सिंह, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, दौसा से सांसद जसकौर मीणा, राज्यसभा सांसद डॉ किरोडी लाल मीणा, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी समेत कई विधायक, बीजेपी कार्यकर्ता, एनएचएआई के अधिकारी, जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

प्रस्तावित कार्यक्रम के मुताबिक, पीएम मोदी 12 फरवरी को दोपहर तीन बजे दौसा पहुंचेंगे और 18 हज़ार 100 करोड़ रुपये से ज़्यादा की लागत वाली सड़क विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी का जोर नए भारत में ग्रोथ, डेवलपमेंट और कनेक्टिविटी के लिए शानदार रोड इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करवाने पर है। देश भर में कई वर्ल्ड क्लास एक्सप्रेसवे का निर्माण इसी मकसद से करवाया जा रहा है। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण परियोजना दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे है, जिसका पहला पूर्ण खंड दिल्ली-दौसा-लालसोट, प्रधान मंत्री मोदी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे के 246 किलोमीटर लंबे दिल्ली-दौसा-लालसोट पार्ट को 12 हज़ार 150 करोड़ रुपये से ज़्यादा की लागत से डेवलप किया गया है। दिल्ली-दौसा-लालसोट तक का यह एक्सप्रेस वे पार्ट दिल्ली से जयपुर की यात्रा के समय को लगभग दो घंटे तक कम कर देगा। इस सेक्शन के चालू होने से दिल्ली से जयपुर की यात्रा का समय 5.50 घंटे से घटकर लगभग 3.5 घंटे रह जाएगा और पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

आरटीयू में छात्रा से अस्मत मांगने का मामला

आरोपी गिरीश परमार के खिलाफ महिला ने कराया छेड़छाड का केस

कोटा, 11 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान तकनीकि विश्विद्यालय के डर्टी प्रोफेसर गिरीश परमार द्वारा छात्रा को पास कराने की एवज में अस्मत मांगने के मामले में अब आरोपी गिरीश परमार के खिलाफ एक और महिला ने छेड़छाड़ का केस करवाया है। डीएसपी मुकुल शर्मा ने बताया कि महिला ने छेड़छाड़ का परिवाद दिया था जिसपर जांच के दौरान सामने आया कि करीब 8-10 साल पहले महिला को पास कराने की एवज में छेडछाड के साथ अश्लील चेट की थी। साथ ही गलत काम करने के लिए महिला पर दवाब डाला गया। जांच के दौरान शादी का झांसा देकर देह शोषण की बात भी सामने आई है।

आपको बता दें कि अन्य प्रकरणों में आरोपी प्रोफेसर गिरीश परमार और उसके दो साथियों को पुलिस ने सेन्ट्रल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि आज आरोपी प्रोफेसर को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगा जाएगा ताकि इस मामले में और अधिक खुलासे हो सके।

जयपुर में मासूम को घर से दबोच ले गया लेपर्ड

जयपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। वन विभाग की लापरवाही के कारण जयपुर में एक लेपर्ड ने मासूम की जान ले ली। घर में मां के पास खेलते बच्चे को लेपर्ड मुंह में दबोच कर भाग गया। मां रोती-पुकारती उसके पीछे दौड़ती रही, लेकिन बच्चे को बचा नहीं सकी।

घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है और लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी है। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि- कर्मचारियों की हड़ताल है इसलिए मैन ईटर बन चुके लेपर्ड को पकड़ा नहीं जा सकता है। यहां के वासना गांव के रहने वाले बलराम ने बताया कि उनका बेटा कार्तिक (1.5) घर के आंगन में खेल रहा था। पास ही उसकी मां काम कर रही थी। इसी दौरान दबे पांव घर में घुसा लेपर्ड उसके बेटे को लेकर भाग गया। बच्चे की चीख सुनकर मां उसके पीछे रोती-चिल्लाती दौड़ी। गांववाले भी शोर सुनकर लेपर्ड के पीछे भागे, लेकिन तब तक वह जंगल में घुस गया था और बच्चे को बुरी तरह घायल कर दिया था। बलराम ने बताया कि ग्रामीणों की भीड़ को देख लेपर्ड ने बच्चे को जंगल में छोड़ दिया। तब तक लेपर्ड बच्चे को बुरी तरह से जख्मी कर चुका था।

झोलाछाप डॉक्टर ने इंजेक्शन लगाया, बच्चे की मौत

बाड़मेर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। झोलाछाप डॉक्टर के इलाज ने 8 साल के मासूम की जान ले ली। घटना के बाद आरोपी भाग गया। इसको लेकर परिजन और ग्रामीण उसके मेडिकल स्टोर पर विरोध-प्रदर्शन करने लगे। शुक्रवार शाम से शुरू हुआ धरना-प्रदर्शन शनिवार सुबह तक चलता रहा। मामला बाड़मेर जिले के गिड़ा थाना क्षेत्र के गिड़ा कस्बे का है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने फर्जी डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

बच्चे को दो दिन से आ रहा था बुखार

पुलिस के अनुसार होलोणी, चीबी गांव निवासी जसराज (8) पुत्र भूराराम को दो दिन से बुखार आ रहा था। शाम करीब पांच बजे भूराराम और उसकी पत्नी कस्बे में संचालित शिवम मेडिकल स्टोर पर अपने बेटे को लेकर गए थे। इसे नागौर का शिव नारायण संचालित करता है। वह फिलहाल गिड़ा गांव में ही रहता है। परिजनों का आरोप है कि मेडिकल स्टोर संचालक को बुखार की दवाई देने के लिए कहा था पर उसने इंजेक्शन लगा दिया। इसके कुछ देर बाद जसराज के मुंह से झाग निकलने लगा। वह रोने लगा और बेहोश हो गया। बच्चे को होश नहीं आया तो परिजन भी रोने लगे। कोई कुछ समझ पाता इससे पहले ही बच्चे ने मां के सामने ही दम तोड़ दिया। जैसे ही ग्रामीणों को पता चला तो बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे और मेडिकल स्टोर को घेर लिया। गिड़ा थानाधिकारी बगडूराम ने बताया कि ग्रामीणों को समझाया, लेकिन वे नहीं माने। आखिरकार शनिवार सुबह मामले को किसी तरह से शांत कराया गया। बच्चे का पोस्टमार्टम करा दिया गया है।

खेत में बनी पानी की डिग्गी में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत

बीकानेर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर जिले के जामसर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात खेत में बनी पानी की डिग्गी में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। घटना का पता चलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से दोनों भाइयों को पानी की डिग्गी से निकलवाकर पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर ले गए, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

जामसर एसएचओ इन्द्र कुमार ने बताया, हादसा मालासर गांव की रोही में हुआ। मालासर निवासी राजूराम पुत्र मांगीलाल जाट गांव रोही में स्थित खेत में ढाणी बनाकर रहता है। गुरुवार रात को उसका बड़ा भाई अनोपाराम और छोटा भाई राकेश कुमार खेत गए हुए थे।

सिरोही में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत

सिरोही, 11 फरवरी (एजेंसियां)। सिरोही जिले में पिंडवाड़ा तहसील के झाड़ोली से जनापुर सर्किल के बीच शुक्रवार देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ। अज्ञात वाहन ने दो बाइक सवार युवाओं को चपेट में लेकर बुरी तरह कुचल डाला, जिससे दोनों युवाओं की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। एक युवक ने घटना स्थल पर ही दम तोड़ा दिया। वहीं, दूसरे युवक की अस्पताल में मौत हो गई।

एनआरआई की जेब पर पुलिस का डाका

1.83 करोड़ हड़पे, एसीबी ने दबोचा-डीएसपी और थानेदार समेत 4 गिरफ्तार

हाइलाइट्स

- > उदयपुर पुलिस का कारनामा
- > परिवादी पहुंचा एसीबी की शरण में
- > एनआरआई नीरज पूर्बिया कुवैत रहते हैं

उदयपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। लेकसिटी उदयपुर की एक बेशकीमती जमीन के मामले में एसीबी ने निलंबित आरपीएस जितेंद्र आंचलिया और सब इंस्पेक्टर रोशनलाल समेत रमेश राठौड़ तथा मनोज को गिरफ्तार किया है. इन्होंने एनआरआई नीरज पूर्बिया को इतना डराया कि वह अपनी ही जमीन को फिर से 1 करोड़ 83 लाख रुपये में खरीदने को तैयार हो गया.

इस मामले में सब इंस्पेक्टर रोशनलाल ने 200000 की मांग की. इस पर नीरज पूर्बिया ने जयपुर एसीबी मुख्यालय जाकर इसकी शिकायत दर्ज कराई. शिकायत पर हरकत में आई एसीबी ने कार्रवाई करते हुए ताबड़तोड़ गिरफ्तारियां की है. एसीबी ने शुक्रवार रात को उदयपुर और राजसमंद में कुल 5 जगह दबिश देते हुए राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी जितेन्द्र आंचलिया समेत चारों को गिरफ्तार कर लिया है। नीरज पूर्बिया ने एसीबी को दी अपनी शिकायत में बताया कि वह कुवैत में रहने के दौरान अपने भाई निलेश को जमीन खरीदने के लिए रुपये भेजता था. उसने वर्ष 2007 में भुवाणा इलाके में 32000 स्क्वायर फीट का एक भूखंड खरीदा था. इस भूखंड के एक भाग को नीलेश ने अपनी पत्नी लवलीना को गिफ्ट कर दिया. बाद में जब 2019 में नीलेश की मृत्यु हो गई तब लवलीना उस भूखंड को बेचने का दबाव बनाने लगी. लगातार बन रहे दबाव के कारण नीरज कुवैत से उदयपुर आया. उसे बताया कि 5 करोड़ रुपये में भूखंड का बेचान करना है. इस दौरान एक फर्जी एग्रीमेंट बनाया गया. उस एग्रीमेंट के आधार पर सुखेर थाने में एनआरआई नीरज के खिलाफ दबाने बनाने के लिए षडयंत्र रचने का एक मामला दर्ज कराया गया।

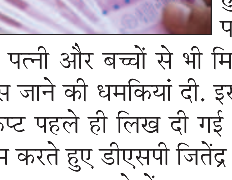

पूरी फिल्मी स्क्रिप्ट रची गई थी

सुखेर थाने में दर्ज हुए मामले को लेकर पूरी फिल्मी स्क्रिप्ट रची गई. उसी पर काम करते हुए सब इंस्पेक्टर रोशनलाल ने परिवादी को जितेंद्र आंचलिया से मिलने के लिए कहा. आ र पी ए स जि तें द्र आंचलिया ने प रि वा दी नीरज को गैर ज मा न ती धाराओं में एफआईआर दर्ज होने का हवाला देते हुए डराया. पासपोर्ट जब्त कर पत्नी और बच्चों से भी मिलने के लिए तरस जाने की धमकियां दी. इस कहानी की स्क्रिप्ट पहले ही लिख दी गई थी. उसी पर काम करते हुए डीएसपी जितेंद्र आंचलिया ने दबाव बनाकर थाने में जबरन एक समझौता लिखवाया और परिवादी से साइन करवाए. इस समझौते में लवलीना को रुपये देकर वहीं जमीन फिर से खरीदनी थी जो जमीन वास्तविकता में परिवादी नीरज की ही थी. अपनी ही जमीन खरीदने के लिए परिवादी को 1 करोड़ 83 लाख रुपये फिर से चुकाने पड़े।

71 लाख रुपए चेक से और 42 लाख नगद लिए

इस बीच आगे की कार्रवाई के लिए जितेंद्र आंचलिया ने अंकित मेवाड़ा से मिलने के लिए कहा. परिवादी अंकित मेवाड़ा के साथ रमेश राठौड़ से मिला. यह एग्रीमेंट जितेंद्र आंचलिया ने करवाया था. उसे ही अंकित मेवाड़ा और रमेश राठौड़ ने दिखाकर जबरन परिवादी से उसी का भूखंड खरीदवाया. इसके एवज में अंकित मेवाड़ा ने 7100000 रुपए वसूले. रजिस्ट्री के समय जितेंद्र आंचलिया के कहे अनुसार 71 लाख रुपए चेक से और 4200000 रुपए नकद लवलीना और अंकित मेवाड़ा को दिए.

एफआर लगाने के लिए थानेदार ने मांगे दो लाख रुपये

परिवादी नीरज ने एसीबी को बताया कि रुपये देने के बाद यह तय हुआ था कि एफआईआर में एफआर लगा दी जाएगी. लेकिन एफआर लगाने के लिए सब इंस्पेक्टर रोशनलाल ने 200000 की मांग कर दी. यही नहीं सब कुछ होने के बाद भी लवलीना ने कोर्ट में एफआर को चैलेंज कर दिया. हालांकि इसके तुरंत बाद परिवादी ने एसीबी की जयपुर मुख्यालय में शिकायत की. इस पूरे घटनाक्रम के बाद परिवादी नीरज ने डीएसपी जितेंद्र आंचलिया से उदयपुर के एक होटल में मुलाकात की. उस मुलाकात के दौरान बातचीत की पूरी रिकॉर्डिंग हुई. वह रिकॉर्डिंग एसीबी के सुपुर्द की गई. इस मामले में रिकॉर्डिंग एसीबी के पास होने के चलते ही भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया और उस पर कार्रवाई की जा रही है.

भक्तों के जन सैलाब के बीच आईलापुर सीरवी समाज ने मनाया प्रथम वार्षिक महोत्सव

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिरमगुडा स्थित आईलापुर प्राकृतिक वातावरण मे बसी सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाताजी बडेर में दो दिवसीय प्रथम प्राण-प्रतिष्ठा वार्षिक महोत्सव आयोजित किया गया। प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष कन्हैयालाल बर्फा व सचिव मोहनलाल भायल ने बताया कि दो दिवसीय प्रथम प्राण प्रतिष्ठा वार्षिक महोत्सव के प्रथम दिन शुक्रवार 10 फरवरी श्री आईमाँ के मंदिर को विशेष फूलों से सजाकर, माई का श्रृंगारकर मध्याह्न 3.15 बजे नारलाई धाम से पधारे भंवर महाराज व जतीभगा महाराज का बधावा लाभार्थी परिवार मल्लाराम सोलंकी द्वारा एवं भव्य कलश यात्रा व गैर नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे समाज बन्धुओं व महिलाओं ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया। महाआरती के पश्चात् रात्रि 9.15 बजे से श्री आईमाताजी का विशाल जागरण आयोजित किया गया। इसमें रविन्द्रसिंह राजपुरोहित ने गणेश वंदना के साथ जागरण का शुभारम्भ किया। मरुधरा झीलों की नगरी उदयपुर से नगर पधारी सुप्रसिद्ध गायिका सोनु सिशोदिया ने राजस्थानी अंदाज में देर रात तक माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। जागरण के मध्य विशेष पाट की बोली का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें उच्चीतम् बोली के लाभार्थी परिवार हिमताराम हाम्बड़ कृष्णानगर, जुबली हिल्स रहे। दूसरे दिन शनिवार 11 फरवरी प्रात: वेला मे पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञकर भंवर महाराजजी व जतीभगा बाबाजी के करकमलों द्वारा एवं बोली के लाभार्थी हाम्बड़ परिवार द्वारा पाट स्थापना का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। अवसर पर गतवर्ष बोलियां के लाभार्थी परिवारों द्वारा पूजा-अर्चना कार्यक्रम में माताजी व खेतलाजी कन्हैयालाल बर्फा, माताजी की आरती बाबुलाल पंवार, खेतलाजी आरती कुन्नाराम सोलंकी, गजानन्दजी आरती जयरामजी, राजेश भायल, कृष्ण भगवान हिमताराम हाम्बड़, हनुमानजी जयराम सिन्दड़ा, घड़ा राजेश भायल, श्रृंगार दिनेश काग, भोग जयराम सेपटा, अखण्ड ज्योत सोहनलाल गेहलोत, झालर टंकोरा राकेश चोयल, प्रसादी (मखाना) मांगीलाल पंवार, ज्योत/नरियल मोहनलाल भायल, फूल बरसाना धर्माराम बर्फा, नगाड़ा ओमप्रकाश, साउंड राजुराम काग, कैमरा धर्माराम बर्फा, कडाव धर्माराम हाम्बड़, व ध्वजा बोली के लाभार्थी बुद्धाराम काग परिवार द्वारा गाजे-बाजे के साथ माई के मंदिर पर ध्वजा चढाई गयी। कार्यक्रम के तहत पधारे सम्मानित अतिथियों, विभिन्न समाजों के अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं जागरण के मध्य बोलियां लेने वाले समाज बन्धुओं का सम्मान किया गया। अवसर पर अध्यक्ष कन्हैयालाल बर्फा ने प्रथम वर्षगांठ की शुभकामनाएँ देते हुए कार्यक्रम में पधारे सभी समाज बन्धुओं व भक्तों को तहदिल से आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष कन्हैयालाल बर्फा, उपाध्यक्ष राकेश चोयल, सचिव मोहनलाल भायल, कोषाध्यक्ष मल्लाराम सोलंकी, खेलमंत्री दिनेश काग, पदाधिकारी, कार्यकारिणी मेम्बरों एवं समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन परबत सोलंकी ने किया। सचिव मोहनलाल भायल के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

हनमकोंडा में आधुनिक श्मशान घाट उद्घाटन के लिए तैयार

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 3.90 करोड़ रुपये की लागत से 57वीं मंडल सीमा के तहत वाजपेयी कॉलोनी में दो एकड़ में निर्मित अत्याधुनिक श्मशान (वैकुंठ धाम) के उद्घाटन के लिए सभी तैयार हैं। पश्चिम विधायक दस्यम विनय भास्कर ने मीडिया को बताया कि ग्रेटर वारंगल नगर निगम (जीड्ब्ल्यूएमसी) द्वारा एक मॉडल श्मशान के रूप में आधुनिक सुविधा का निर्माण किया गया है।

हम जल्द ही इस अंतिम संस्कार परिसर का उद्घाटन करने की योजना बना रहे हैं। आईटी मंत्री के टी रामाराव शहर के अपने प्रस्तावित दौरे के दौरान इसका उद्घाटन कर सकते हैं।

जीड्ब्ल्यूएमसी के अधिकारियों के अनुसार, श्मशान में विदेशी पौधों के साथ एक लैंडस्केप गार्डन भी विकसित किया गया है। चार चबूतरे, जलाऊ लकड़ी के लिए कमरा, पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए अलग-अलग बाथरूम, शौचालय, लॉकर रूम, प्रार्थना कक्ष, बैठने का कमरा, पैर और हाथ धोने के लिए जगह और प्रकाश व्यवस्था इस सुविधा में एक मिश्रित दीवार के साथ विकसित की गई है।

पार्थिव शरीर को ले जाने वाले वाहनों के लिए पार्किंग स्थान भी सुविधा में आवंटित किया गया है। दाह संस्कार के बाद मनाए गए 11 दिनों के अनुष्ठानों के पूरा होने तक दिवंगत के रिश्तेदार वैकुंठ धाम परिसर में रह सकते हैं।

सीरवी समाज संगारेड्डी की नयी कार्यकारिणी गठित

रुगाराम परिहारिया बने अध्यक्ष

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी श्री आईमाता मंदिर स्थित सीरवी समाज पदाधिकारियों व समाज बन्धुओं के सान्निध्य में प्रथम प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात् विशेष आम मीटिंग आयोजित कर आगामी कार्यकाल के लिए सर्वसहमति से नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें समाज के प्रति अनुभव को प्राथमिक्ता देते हुए रुगाराम परिहारिया को अध्यक्ष एवं घीसाराम काग को सचिव चुना गया। प्रेम प्रजापति द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में नवनिर्वाचित सचिव घीसाराम काग ने बताया कि आगामी कार्यकाल के लिए समाज बन्धुओं की सहमति से आगामी कार्यकाल 2023 से 2026 तक के लिए नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष रुगाराम परिहारिया, उपाध्यक्ष पिताराम चोयल, प्रभुराम हाम्बड़, सचिव घीसाराम काग, सहसचिव प्रभुराम काग, कोषाध्यक्ष मोहनलाल चोयल, लिखमाराम सानपुरा, संचार मंत्री मलाराम बर्फा, मोदी भंवरलाल चोयल, सलाहकार मोहनलाल सैंणचा, पुनाराम सानपुरा, चंदाराम परिहारिया, जसाराम चोयल, केसाराम परिहार, भिरमाराम मुलैवा, समिति क्षेत्रिय सदस्य ओमप्रकाश हाम्बड़, किशनलाल काग, उमेश राठौड़, मंगनाराम सिन्दड़ा, हंसाराम काग, हूराराम गेहलोत, रमेश लेरचा, सोहनलाल चोयल, रमेश परिहार, माधुराम मुलैवा, कालुराम भायल, सोहनलाल गेहलोत, भंवरलाल लचेटा, गोपाराम काग, भंवरलाल परिहार, पीताराम पंवार, मलाराम राठौड़, पुनाराम परिहार, पन्नालाल चोयल, गौतमचन्द चोयल, नरेश सोलंकी, नाथुराम मुलैवा, चिमनाराम काग एवं तेजाराम लेरचा, महिला मंडल अध्यक्षा हंजादेवी परिहारिया, सचिव पोकरीदेवी सोलंकी को सर्वसहमति से चुना गया।

अवसर पर चुने गये नये पदाधिकारियों का समाज बन्धुओं ने राजस्थानी परम्परा से स्वागत किया। सर्वसहमति अध्यक्ष चुने जाने पर रुगाराम परिहारिया ने समाज बन्धुओं का आभार प्रकट करते हुए बताया कि नये कार्यकाल के लिए चुने गये अनुभवी व युवा पदाधिकारियों व समाज बन्धुओं के सहयोग से समाज के विकास के लिए वे हर सम्भव कार्य करेंगे। नवनिर्वाचित सचिव घीसाराम कान ने समाज बन्धुओं को बधाई देते हुए धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्री रामचरितमानस को लेकर दिये जा रहे बयान उचित नहीं : पंकज अग्रवाल

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। समाज सेवक व अशोक फाउंडेशन संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल ने कहा कि श्री रामचरितमानस को लेकर की जा रही टिप्पणिया सरासर गलत है। उन्होंने बताया कि श्री रामचरितमानस को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता सुनील साजन ने उनका समर्थन करते हुए तुलसीदास की उन चौपाइयों को हटाने की मांग की है, जिनको लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य ने बयान दिया था। स्वामी प्रसाद मौर्य के रामचरितमानस पर दिए गए बयान को अभी तक कई नेता निजी बताते रहे हैं, लेकिन अब पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता ने ही उनका समर्थन करते हुए उन्हें हटाने की मांग की है।

इससे पहले सपा नेता और पूर्व विधायक ब्रजेश प्रजापति ने भी मौर्य का समर्थन करते हुए कहा था कि रामचरितमानस में कुछ आपत्तिजनक पंक्तियां हैं, उन्हें सरकार हटा दे या फिर रामचरित मानस को ही बैन कर दिया जाए। रामचरितमानस को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर आक्रोश जताया। पंकज कुमार अग्रवाल ने आगे कहा कि भारत देश व सनातन धर्म में कई प्रकार के श्लोक, मंत्र, मुहावरें तथा कहावतें बोली जाती है और हर एक का अलग-अलग अर्थ तथा एक विशेष महत्व होता है। श्री रामचरितमानस मर्यादापुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र को जन जन तक पहुचाने के लिए गोस्वामी तुलसीदासजी ने श्लोकों और चौपाइयों के माध्यम से सरल भाषा मे सात कांडों में दर्शाया है। श्री अग्रवाल ने भारत सरकार से सविनय अनुरोध किया कि इस विषय को गंभीरता से अपने संज्ञान में लेते हुए श्रीरामचरितमानस जेसे पवित्र ग्रंथ पर आपत्ति व विवाद उत्पन्न करने वालो तथा गोस्वामी श्री तुलसीदासजी की चौपाइयों को हटाने व छेड़ छाड़ करने वालों के खिलाफ तत्काल समाज से बहिष्कार करें।

तेलंगाना में पीक पावर डिमांड 14,169 मेगावाट के नए रिकॉर्ड पर पहुंचा

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना ने शुक्रवार को 14,169 मेगावाट की चरम बिजली मांग दर्ज कर एक नया रिकॉर्ड बनाया। सबसे ज्यादा बिजली खपत का पिछला रिकॉर्ड पिछले साल 29 मार्च को 14,166 मेगावाट था। यहां विधानसभा में ऊर्जा विभाग पर चर्चा में भाग लेते हुए जगदीश रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत 1,255 यूनिट के राष्ट्रीय औसत के मुकाबले 2,166 यूनिट थी। पिछले कुछ दिनों में रखरखाव और मरम्मत के कारण निर्बाध बिजली आपूर्ति में मामूली व्यवधान थे। लेकिन इसे आज से शुरू होने वाले सभी क्षेत्रों के लिए बहाल कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के सक्रिय उपायों के कारण स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 2014 में 7,778 मेगावाट से बढ़कर 2022 में 18,460 मेगावाट हो गई है। मंत्री ने राज्य में बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए राज्य सरकार द्वारा प्राप्त ऋण पर प्रतिबंध सहित अनावश्यक बाधाएं पैदा करने के लिए केंद्र को फटकार लगाई। उन्होंने केंद्र पर घरेलू कोयले की अनदेखी करते हुए राज्यों को 40,000 रुपये प्रति टन पर आयातित कोयला खरीदने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया, जो सिर्फ 3,600 रुपये प्रति टन पर उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि चूंकि हम एनटीपीसी और राज्य के बाहर के अन्य बिजली संयंत्रों से बिजली खरीद रहे हैं, केंद्र के शासनादेश ने हमारे बिजली खरीद खर्च पर बोझ डाला है, बावजूद इसके कि हम आयातित कोयले की खरीद से इनकार कर रहे हैं।

गज्जला ने हैदरनगर में पदयात्रा कर ली जनसमस्याओं की जानकारी

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के तहत हैदरनगर मंडल में प्रशांति नगर में लोगों की समस्याओं का पता लगाने के लिए गज्जला योगानंद ने पदयात्रा की तथा व्यक्तिगत रूप से लोगों की समस्याओं की जान्कारी ली। जांच की। उन्होंने कहा कि उनमें से जल निकासी और पानी की समस्याएं सबसे महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा प्रशांति नगर का मुख्य मार्ग संकरा होने के कारण यातायात जाम हो जाता है और वाहन चालकों व राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन जाता है।दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं, लेकिन अधिकारी, मंडल पार्षद व विधायक इस स्थिति को नजरंदाज कर देते हैं। योगानंद ने बताया कि लोग शिकायत कर रहे हैं कि सत्ता पक्ष के नेताओं के ठिकाने होने के कारण उन्हें सड़क के विस्तार की अनुमति देने से रोका जा रहा है और प्रशांति नगर कब्जे के लिए बाधक बन गया है और स्थानीय तेरसा नेता इसका विरोध कर रहे हैं। कार्यक्रम में नरेंद्र रेड्डी, वीरैया चारी, विजित वर्मा, नवीन गौड़, रत्नाकुमार, कृष्णन राजू, लक्ष्मीनारायण, भरत कुमार, राजशेखर, मुरहारी नागराजू, रविकिरण, भ्रामय्या, कोटेश्वराव, रविकिरण, पी. श्रीनिवास, वेणुगोपाल कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया।

रौनक यार खान ने की आसफ जाही की संपत्तियों की हेराफेरी की सीबीआई जांच की मांग

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जाने-माने सोशलाइट नवाब रौनक यार खान, जिन्हें मजलिस-ए-सहबजादेगन सोसाइटी द्वारा आसफ जाही वंश के 9वें निजाम के रूप में चुना गया है, ने शुक्रवार को कहा कि वह आसफ जाही राजवंश की संपत्तियों और संपत्ति का गबन और कुप्रबंधन की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग करेंगे। रौनक यार खान ने शनिवार को यहां आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि 1932 में निजाम सप्तम, मीर उस्मान अली खान के संरक्षण में गठित मजलिस-ए-साहबजादेगान सोसाइटी में लगभग 4500 सदस्य हैं और उन्होंने उन्हें उनका नेतृत्व करने के लिए चुना था। उन्होंने कहा, 'यह एक प्रथागत उत्तराधिकार है। समाज के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता मीर निजामुद्दीन अली खान ने कहा कि कुछ लोगों ने नौवें निजाम के रूप में आठवें निजाम मुकर्रम जाह बहादुर के बेटे प्रिंस अज़मथ जाह बहादुर का राज्याभिषेक किया था। निज़ामुद्दीन ने कहा कि यह अवैध है और निज़ाम प्रथम से चौथे के वंशजों के परामर्श के बिना किया गया है। गिने-चुने लोग ही पूरे परिवार को बिना बताए चुपचाप आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। अज़मत जाह लंदन में रहते हैं और आसफ़ जाही परिवार के सदस्यों की दुर्दशा से अपरिचित हैं और उन्हें ज़िम्मेदारियाँ नहीं सौंपी जा सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि "सारा-ए-खास ट्रस्ट के महामहिम निजाम शाहेबजादों" का बजट सूख गया था और वंशज दरिद्रता में जी रहे थे।

शमशाबाद एयरपोर्ट स्थित अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच बालानगर शाखा द्वारा आयोजित एक शाम गौमाता के नाम नगर पधारे कॉमेडियन भजन गायकार डॉ.ओमजी मुंडेल का सम्मान करते हुए आयोजक केसाराम जाट, अशोक, शंकरलाल चौधरी, मोतीलाल, ओमप्रकाश देवासी व अन्य।

अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के समन्वय से जिले के विकास के लिए कार्य करेंगे : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिलाधिकारी बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि वे जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर जन सहयोग से जिले के विकास के लिए कार्य करेंगे। जिला कलेक्टर के रूप में तबादले पर आए बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने शनिवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन में कलेक्टर के कक्ष में कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता राजेशम, जिला राजस्व अधिकारी राजेश्वर, समाहरणालय के प्रशासनिक अधिकारी एवं विभिन्न मंडलों के तहसीलदारों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानपूर्वक भेंट की। जिलाधिकारी ने बताया कि उन्होंने यहां करीब 8 माह प्रशिक्षण कलेक्टर के रूप में काम किया था। उन्होंने अधिकारियों के साथ जिले में चल रहे कल्याणकारी विकास कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही जिला अधिकारियों के साथ बैठक कर सरकारी योजनाओं पर फोकस करेंगे, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर उपाय करेंगे, ताकि योजनाओं का लाभ सभी को मिले, जो इसके हकदार हैं, विशेष उपाय किए जाएंगे। जिले की समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाने की बात कही। इस कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी अशोक, विभिन्न मंडलों के तहसीलदार, समाहरणालय के कर्मचारी एवं अन्य ने भाग लिया।

भद्राचलम को नगर पालिका में अपग्रेड नहीं किया जा सकता : येर्राबेली

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज मंत्री येर्राबेली दयाकर राव ने शनिवार को विधानसभा में स्पष्ट किया कि संवैधानिक मुद्दों के कारण मंदिरों के शहर भद्राचलम को नगर पालिका में अपग्रेड करने की कोई गुंजाइश नहीं है।

तेलंगाना पंचायत राज (संशोधन) विधेयक-2023 पेश करने के दौरान भद्राचलम के विधायक पोडेम वीरैया द्वारा उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए, दयाकर राव ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 243 जेडसी3 के भाग-ए के अनुसार, अनुसूचित क्षेत्र विस्तार की अनुमति नहीं है, इसलिए भद्राचलम नगर पालिका में अपग्रेड नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी भद्राचलम को नगर पालिका में अपग्रेड करना चाहती है, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकती क्योंकि संविधान इसकी अनुमति नहीं देता है। मंत्री ने सहमति व्यक्त की कि भद्राचलम की जनसंख्या, जो एक लाख को पार कर गई है, को देखते हुए इसे नगरपालिका में अपग्रेड किया जाना चाहिए, लेकिन सरकार संवैधानिक बाधाओं के कारण असहाय है। उन्होंने कहा कि इसी तरह की मांग भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले के कुमराम भीम आसिफाबाद और सरपका से भी आई है, लेकिन संवैधानिक जटिलताओं के कारण उन्हें भी नगर पालिकाओं में अपग्रेड नहीं किया जा सका। दयाकर राव ने कहा कि चूंकि भद्राचलम को नगर पालिका में अपग्रेड नहीं किया जा सका, इसलिए राज्य कैबिनेट ने इसे तीन ग्राम पंचायतों में विभाजित करने का फैसला किया है। वीरैया ने कहा कि भद्राचलम को तीन ग्राम पंचायतों में विभाजित करने से इसे हल करने की तुलना में अधिक समस्याएं पैदा हुई हैं। उन्होंने कहा कि यदि भद्राचलम को नगर पालिका के रूप में अपग्रेड किया जाता है, तो निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं।

भद्राचलम ग्राम पंचायत का गठन 1962 में किया गया था और बाद में इसे एक प्रमुख ग्राम पंचायत के रूप में उन्नत किया गया। स्थानीय निकाय का पिछला चुनाव 2013 में हुआ था और इसका कार्यकाल 2018 में पूरा हुआ था।

सोमवार, मंगलवार और बुधवार को एमएमटीएस सेवाएं रद्द

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिचालन संबंधी कारणों से 13, 14 और 15 फरवरी (सोमवार, मंगलवार और बुधवार) को कई एमएमटीएस सेवाओं को अस्थायी रूप से रद्द कर दिया गया है। रद्द की गई सेवाएं लिंगमपल्ली- हैदराबाद, हैदराबाद-लिंगमपल्ली, फलकनुमा-लिंगमपल्ली, लिंगमपल्ली-फलकनुमा, रामचंद्रपुरम - फलकनुमा, फलकनुमा-रामचंद्रपुरम और फलकनुम-हैदराबाद के बीच थीं। दक्षिण मध्य रेलवे ने नागरिकों से असुविधा से बचने के लिए बदलाव पर ध्यान देने और तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने का अनुरोध किया।

श्रीपति वेंकट राव मेमोरियल प्रथम फिस्ट बॉल प्रतियोगिता शुरू

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीपति वेंकट राव मेमोरियल फर्स्ट फिस्ट बॉल स्टेट परमानेंट स्कूल प्रतियोगिताएं आज छावनी बोर्ड न्यू बोइनपल्ली प्ले ग्राउंड में तेलंगाना फिस्ट बॉल एसोसिएशन स्टेट फिस्ट बॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष जंपन्ना प्रताप के सहयोग से शुरू हुईं। प्रतियोगिताओं का संचालन कर रहे श्रीपति रघु चरण ने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का परिचय दिया और टॉस फेंककर प्रतियोगिताओं की शुरुआत की। श्रीपति रघुचरण ने कहा कि उनके पिता की स्मृति में पहली बार राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है और भविष्य में भी राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जायेगा। फिस्ट बॉल एसोसिएशन के सचिव कोमू वेंकट जम्पना प्रताप ने कहा कि चार साल पहले शुरू हुई फिस्ट बॉल को जिले में अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि पहली बार स्मारक फिस्ट बॉल प्रतियोगिता का आयोजन करना सौभाग्य की बात है। इसी माह की 17 तारीख को नगर कोइल में राष्ट्रीय स्तर पर फिस्ट बॉल का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश की बालक व बालिका टीमें भाग ले रही हैं। कार्यक्रम में छावनी खेल संघ के महासचिव प्रभु कुमार गौड़ उपस्थित थे।

राजस्थान से पधारे जाट समाज से जुड़े करोली जिला एसपी आईपीएस अधिकारी नारायणलाल टोगस का सम्मान करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका। साथ में हैं समाजसेवी गौतम पुनीया, कल्याणाजी ढाडीया, संग्राम जलाणीया, कैलाश जाट, पुलीस कर्मचारी चंद्रदेव मुंदीयाडा व अन्य।

भाजपा कार्यालय में पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर श्रद्धांजलि देते हुए उमाशंकर, अशोक कुमार व युवा भाजपा नेता अशोक सेन।

भारत ने पारी और 132 रन से जीता पहला टेस्ट

तीसरे दिन ही कंगारुओं ने घुटने टेके, अश्विन-जडेजा जीत के हीरो

नागपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मुकाबला पारी और 132 रनों से जीत लिया है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने चार मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। नागपुर के जामथा क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को भारतीय गेंदबाजों ने दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया को 91 रनों पर ऑलआउट कर दिया। इससे पहले, भारत की पहली पारी 400 रन पर समाप्त हुई। ऐसे में मेजबानों को पहली पारी में 223 रनों की बढ़त मिली थी।

शनिवार को मार्नस लाबुशेन 17, डेविड वॉर्नर-एलेक्स कैरी 10-10 रन बनाकर आउट हुए। शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सके। भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 5 विकेट हासिल किए। जडेजा को दो विकेट मिले। अक्षर पटेल और मोहम्मद शमी को एक-एक विकेट मिला।

टॉड मर्फी (2 रन) को अक्षर पटेल ने रोहित के हाथों कैच कराया। इससे पहले रवींद्र जडेजा ने पैट कमिंस (1 रन) और मार्नस लाबुशेन (17 रन) को आउट किया।

रविचंद्रन अश्विन ने 31वीं बार टेस्ट में 5 विकेट लिए। उन्होंने एलेक्स कैरी (10 रन), पीटर हैंड्सकॉम्ब (6 रन), मैट रैनशॉ (2 रन), डेविड वॉर्नर (10 रन) और उस्मान ख्वाजा (5 रन) को आउट किया।

भारत ने अपनी पहली पारी में 400 रन बनाए। मेजबान टीम इंडिया को 223 रन की बढ़त हासिल हुई। अक्षर पटेल ने 84 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 70 और मोहम्मद शमी ने 37 रन की पारी खेली। कप्तान रोहित शर्मा ने बेहतरीन शतक जमाते हुए 120 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू कर रहे टॉड मर्फी ने 7 विकेट लिए। पैट कमिंस को दो और नॉथन लायन को एक विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 177 रन पर सिमटी थी।

जीत के हीरो

रवींद्र जडेजाः हरफनमौला खिलाड़ी रवींद्र जडेजा ने बैट और बॉल दोनों से प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों पारियों में 7 विकेट चटकाए। इतना ही नहीं, जरूरत पड़ने पर जडेजा ने 70 रनों की उपयोगी पारी भी खेली। जडेजा ने अक्षर के साथ 88 रनों की पार्टनरशिप की।

रविचंद्रन अश्विनः दोनों पारियों में 8 विकेट चटकाए। साथ ही 23 रन भी बनाए। पहले दिन नाइटवॉचमैन के रूप में उतरे अश्विन ने दूसरे दिन के पहले सेशन तक विकेट गिरने नहीं दिया।

रोहित शर्मा ओपन करने आए भारतीय कप्तान ने 120 रनों की शतकीय पारी खेलकर टीम इंडिया को मजबूत शुरुआत दिलाई। उन्होंने केएल राहुल के साथ 76 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की।

दूसरी पारी में ऐसे गिरे ऑस्ट्रेलिया के विकेट

पहलाः रविचंद्रन अश्विन ने अपने पहले ही ओवर में उस्मान ख्वाजा को स्लिप पर खड़े कोहली के हाथों कैच कराया। दूसरा : रवींद्र जडेजा ने लाबुशेन को एलबीडब्ल्यू कर दिया। तीसरा : अश्विन ने डेविड वॉर्नर को एलबीडब्ल्यू कर दिया। चौथा : मैट रैनशॉ को अश्विन ने एलबीडब्ल्यू कर दिया। पांचवां : अश्विन ने पीटर हैंट्सकॉम्ब को भी एलबीडब्ल्यू किया। छठा : अश्विन ने विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को एलबीडब्ल्यू कर दिया। सातवां : रवींद्र जडेजा ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को विकेटकीपर केएस भरत के हाथों कैच कराया। आठवां : अक्षर पटेल ने टॉड मर्फी को रोहित के हाथों कैच कराया। नौवां : मोहम्मद शमी ने लाथम को बोल्ड किया। दसवां : जडेजा ने स्मिथ को बोल्ड कर दिया।

भारतीय टेलर्स के नाम रहा

तीसरे दिन का पहला सेशन भारतीय टेलएंडर्स के नाम रहा। अर्धशतक जमा चुके रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल भारतीय पारी को आगे बढ़ने उतरे। जडेजा दूसरे दिन के स्कोर पर 4 रन ही जोड़ सके। वे टॉड मर्फी का सातवां शिकार बने। जडेजा के आउट होने के बाद शमी ने अच्छे शॉट जमाए। उन्होंने 47 गेंद पर 37 रन बनाए। अक्षर ने 84 रन की पारी खेली। सिराज एक रन बनाकर नाबाद रहे।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

पहलाः केएल राहुल को टॉड मर्फी ने अपनी ही बॉल पर कैच किया। दूसरा : 41वें ओवर की पहली बॉल पर टॉड मर्फी ने अश्विन को LBW कर दिया। तीसरा : टॉड मर्फी ने पुजारा को स्कॉट बोलैंड के हाथों कैच कराया। चौथा : मर्फी ने विराट कोहली को एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराया। पांचवां : नॉथन लायन ने सूर्या को बोल्ड कर दिया। छठा : टी ब्रेक के बाद पैट कमिंस ने रोहित शर्मा को बोल्ड कर दिया। सातवां : डेब्यू मैच खेल रहे केएस भरत को एक अन्य डेब्यूटांट टॉड मर्फी ने एलबीडब्ल्यू कर दिया। आठवां : टॉड मर्फी ने रवींद्र जडेजा को बोल्ड कर दिया। नौवां : टॉड मर्फी ने मोहम्मद शमी को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराया। दसवां : अक्षर पटेल को पैट कमिंस ने बोल्ड कर दिया।

रोहित का शतक, जडेजा-अक्षर की पार्टनरशिप

दूसरे दिन भारत ने एक विकेट पर 77 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 7 विकेट पर 321 रन बनाते हुए पहली पारी में 144 रन की बढ़त हासिल कर ली। भारत की ओर से कप्तान रोहित शर्मा (120 रन) ने शतक जड़ा। वहीं, रवींद्र जडेजा 66 और अक्षर पटेल 52 रन पर नाबाद रहे। रोहित 120 रन बनाकर पैट कमिंस की गेंद पर बोल्ड हो गए। रविचंद्रन अश्विन 23, विराट कोहली 12, सूर्यकुमार यादव 8, चेतेश्वर पुजारा ने 7 और केएस भरत ने 8 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यूटांट टॉड मर्फी ने 5 विकेट लिए। नाथन लायन और पैट कमिंस को एक-एक विकेट मिला।

भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरे दिन शतक जड़ा। ऑस्ट्रेलिया के उप कप्तान स्टीव स्मिथ उनकी पारी की सराहना करते नजर आए। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरे दिन शतक जड़ा। ऑस्ट्रेलिया के उप कप्तान स्टीव स्मिथ उनकी पारी की सराहना करते नजर आए।

रोहित ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 9वां टेस्ट शतक जमाया। वे बतौर कप्तान तीनों फॉर्मेट में शतक जमाने वाले पहले भारतीय बने। दुनिया भर के बल्लेबाजों की बात करें तो रोहित से पहले श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान, साउथ अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस और पाकिस्तान के बाबर आजम ही ऐसा कर सके हैं।

5 दिनी मुकाबले का पहला दिन भारत के नाम रहा है। टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी के स्कोर 177 रनों के जवाब में एक विकेट पर 77 रन बनाए।

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम 63.5 ओवरों में 177 रन पर ऑलआउट हो गई। रवींद्र जडेजा ने 5 और रविचंद्रन अश्विन ने 3 विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला। कंगारू टीम की ओर से मार्नस लाबुशेन ने सबसे ज्यादा 49 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 37, एलेक्स कैरी ने 36 और पीटर हैंड्सकॉम्ब ने 31 रन की पारी खेली।

उंगली पर क्रीम लगाना रविंद्र जडेजा को पड़ा भारी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नागपुर में खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते हुए पारी और 132 रनों से जीत दर्ज की. भारत की इस जीत में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रविंद्र जडेजा ने निभाई जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी दिया गया. एक तरफ जहां हर तरफ जडेजा की वाहवाही हुई वहीं सोशल मीडिया पर उनका उंगली पर क्रीम लगाते एक वीडियो वायरल हुआ, जिस पर अब आईसीसी ने बड़ी कार्रवाई की है. दरअसल रविंद्र जडेजा पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने लेवल 1 के तहत कार्रवाई की है. जडेजा पर आरोप है कि उन्होंने अंपायर की बिना परमिशन के उंगली पर क्रीम लगाया हालांकि आईसीसी को अपने रिव्यू में बॉल टेंपरिंग का कोई भी सबूत नहीं मिला. लेवल 1 आरोप के तहत जडेजा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है वहीं इसके अलावा उनके खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया है. ये जडेजा का पिछले 24 महीने में पहला डिमेरिट पॉइंट है. आईसीसी ने जडेजा को आर्टिकल 2.20 के तहत दोषी माना है. दरअसल ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान जब रविंद्र जडेजा ने लाबुशेन और स्टीव स्मिथ को आउट कर दिया था तब उसके बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. इसमें जडेजा हाथ पर क्रीम लगाते नजर आ रहे हैं. हालांकि वीडियो में से साफ देखा जा सकता है कि वह बॉल पर कुछ नहीं लगाते हैं. जिसके बावजूद ऑस्ट्रेलियन मीडिया उन पर बॉल टेंपरिंग के झूठे आरोप लगाना शुरू कर देता है. बता दें कि इस मामले को लेकर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कोई भी शिकायत नहीं की थी और अब आईसीसी ने इस पर स्वयं ही एक्शन ले लिया है.

श्रीलंका ने रोमांचक मुकाबले में साउथ अफ्रीका को दी मात

खेलडेस्क, 11 फरवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा आयोजित किए जाने वाले वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2023 की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। विश्वकप का पहला मैच 10 फरवरी 2023 को श्रीलंका और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया। इस मैच में टी20 में नंबर 8 रैंकिंग पर मौजूद श्रीलंका ने बड़ा उलटफेर करते हुए अफ्रीका को मात्र 3 रनों से मात दे दी। इस मुकाबले में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका के सामने 130 रनों का लक्ष्य रखा था। इस स्कोर के सामने मेजबान टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 126 ही रन बना सकी और हार का शिकार हो गई। श्रीलंका और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए इस लो स्कोरिंग मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की टीम की शुरूआत बेहद खराब रही हालांकि बाद में कप्तान चमारी अट्टापट्टू और विशमी गुणरत्ने की 86 रनों की साझेदारी ने टीम को 129 के स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अट्टापट्टू ने 50 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 68 तो गुणरत्ने ने 35 रनों का योगदान दिया।

इन दोनों के अलावा कोई भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाया। 129 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफ्रीका की टीम ने निरंतर अंतराल में विकेट गंवा दिए और टीम की तरफ से कोई भी खिलाड़ी 30 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया। टीम की तरफ से कप्तान सूने लुईस ने 28 रनों की पारी खेली इसके अलावा सब फेल रहे। वहीं श्रीलंका की तरफ से इनोका रणवीरा ने तीन विकेट झटके।

तजिंदर पाल सिंह ने शॉटपुट में जीता स्वर्ण

खेलडेस्क, 11 फरवरी (एजेंसियां)। तजिंदर पाल सिंह ने 19.49 मीटर की दूरी हासिल की और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनके अलावा करणवीर सिंह ने भी 19.37 मीटर की दूरी हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया। एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में तजिंदरपाल सिंह तूर ने शॉट पुट में स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। आउटडोर शॉट पुट में राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाले तजिंदर ने इंडोर प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन किया। कजाकिस्तान के अस्ताना में चल रही प्रतियोगिता में तूर ने 19.49 मीटर की दूरी के साथ इनडोर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक भी जीता।

तजिंदरपाल ने 2018 में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक जीता था। वह 2019 आउटडोर एशियाई चैंपियन हैं और 2018 में तेहरान में चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में 19.18 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था।

शुक्रवार को, तूर ने अपने पहले प्रयास में फाउल किया, लेकिन अपने तीसरे और पांचवें प्रयास में 19.49 मीटर का थ्रो कर चैंपियनशिप में अपना पहला स्वर्ण जीता। करणवीर सिंह 19 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले सिर्फ दूसरे एथलीट थे। वह 19.37 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। कजाकिस्तान के इवान इवानोव ने 18.10 के थ्रो के साथ कांस्य पदक पर कब्जा किया।

प्रवीण चित्रवेल, भारत के राष्ट्रीय ट्रिपल-जंप चैंपियन ने 16.98 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता, जो एक नया राष्ट्रीय इनडोर रिकॉर्ड है।

चीन के ओलंपियन फैंग याओकिंग ने 17.20 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण और दक्षिण कोरिया की यू ग्यूमिन ने 16.73 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता। भारत के अरुण एबी ने 15 प्रतियोगियों में 14.12 मीटर की छलांग लगाकर 12वां स्थान हासिल किया।

एशियाई खेलों में हेप्टाथलॉन में स्वर्ण पदक जीतने वाली स्वप्ना बर्मन ने महिलाओं की पेंटाथलॉन स्पर्धा में रजत पदक जीता और कुल 4,119 अंक हासिल कर एक और नया राष्ट्रीय इनडोर रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 60 मीटर बाधा दौड़ में 8.64 सेकंड में शीर्ष स्थान हासिल किया, ऊंची कूद में 1.75 मीटर की छलांग के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और लंबी कूद में 5.91 मीटर की छलांग के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, गोला फेंक में 12.13 मीटर की छलांग के साथ पांचवां और छठा स्थान हासिल किया। नौ खिलाड़ियों वाले मैदान में 2:27.57 के समय के साथ 800 मीटर स्प्रिंट पूरी की। भारत की सौम्या मुरुगन 3654 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रहीं। उज्बेकिस्तान की एकातेरिना वोरोनिना ने पेंटाथलॉन में 4,386 अंकों के साथ जीत हासिल की और जापान की युकी यामासाकी 4,078 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। भारत के जेसविन एल्ड्रिन ने 7.93 मीटर के नए इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ पुरुषों की लंबी छलांग के फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने मुरली श्रीशंकर और कुमारवेल प्रेम कुमार के 7.92 मीटर के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। मुहम्मद अनीस याहिया 7.48 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ नौवें स्थान पर रहे और रविवार को होने वाले फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, जिसमें आठ पुरुष शामिल हैं।

महिलाओं की 60 मीटर बाधा दौड़ में भारत की इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक ज्योति याराजी 60 मीटर स्प्रिंट हीट में 7.47 सेकेंड के समय के साथ 10वें स्थान पर रहीं। महिलाओं की 60 मीटर स्पर्धा में अर्चना सुसींद्रान 7.42 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहकर महिलाओं के फाइनल में पहुंचीं।

रोनाल्डो ने पूरे किए करियर के 500 लीग गोल

40 मिनट के अंदर चार बार नेट के अंदर बॉल पहुंचाया

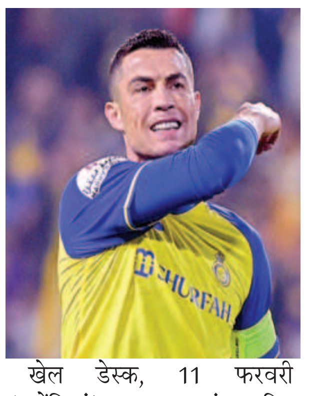

खेल डेस्क, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अपना 38वां जन्मदिन मनाने के बाद रोनाल्डो ने अल नस्र के लिए अपने चारों गोल 40 मिनट के अंदर किए। रोनाल्डो ने अल नस्र क्लब के साथ जून 2025 तक का करार किया हुआ है।

फुटबॉल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के चार गोल की मदद से अल नस्र ने सऊदी अरब प्रो लीग में अल वहेदा क्लब को 4-0 से शिकस्त दी। इसके साथ ही रोनाल्डो ने करियर के 500 लीग गोल भी पूरे किए। अब उनके करियर में लीग गोल की संख्या 503 हो गई है।

इस जीत के बाद अल नस्र अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। वह 16 मैचों में 11 जीत, चार ड्रॉ, एक हार और 37 अंक लेकर संयुक्त रूप से अल शबाब के साथ शीर्ष पर है। अल नस्र गोल अंतर के कारण शीर्ष पर है। रविवार को अपना 38वां जन्मदिन मनाने के बाद रोनाल्डो ने अल नस्र के लिए अपने चारों गोल 40 मिनट के अंदर किए। रोनाल्डो ने अल नस्र क्लब के साथ जून 2025 तक का करार किया हुआ है। वह इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड से अलग होने के बाद अल नस्र के साथ जुड़े हैं। उन्होंने अपने नए क्लब के लिए अब तक तीन मैच खेले हैं।

रोनाल्डो ने 21वें मिनट में ही बाएं पैर से गोल करके अपना और टीम का मैच में खाता खोल दिया। इसके बाद 40वें मिनट में रोनाल्डो ने दूसरा गोल किया, लेकिन उनके गोल को वीडियो असिस्टेंट रेफरी (VAR) की मदद से जांचा गया और फिर रेफरी ने गोल की पुष्टि कर दी।

पहले हाफ में रोनाल्डो ने अल नस्र को 2-0 से आगे रखा। दूसरे हाफ में भी गोल की शुरुआत रोनाल्डो ने की। उन्होंने 53वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल दागकर अपनी हैट्रिक पूरी की। इस बीच, रोनाल्डो ने अपने गोल करने का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने 61वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके अपने क्लब करियर में गोल की संख्या 503 कर ली।

विमेंस टीम इंडिया को चैंपियन बना सकते हैं 5 फैक्टर्सः टॉप ऑर्डर में 6 विस्फोटक बल्लेबाज

खेल डेस्क, 11 फरवरी (एजेंसियां)। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का 8वां एडिशन शुरू हो चुका है। शुक्रवार को मेजबान साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के बीच पहला मैच खेला गया। यह ग्रुप-1 का मुकाबला था। इंडियन विमेंस टीम ग्रुप-2 में है। इस ग्रुप में पाकिस्तान, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी टीमें हैं।

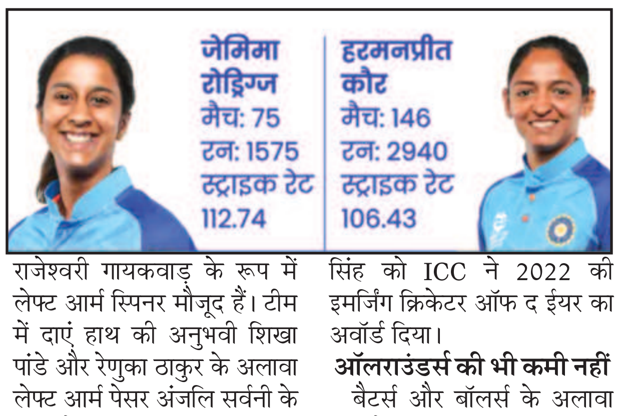

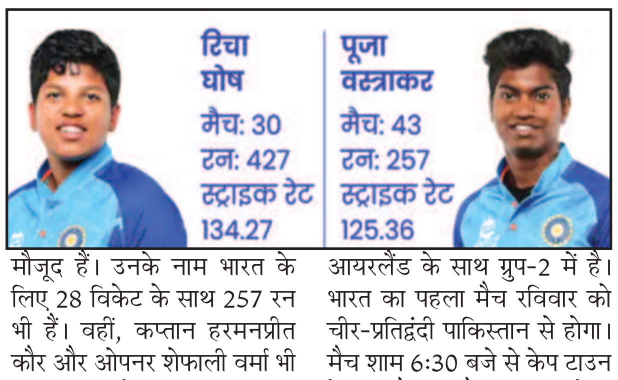

टॉप ऑर्डर में 6 विस्फोटक बैटर

भारत की मौजूद टीम के टॉप ऑर्डर में 6 विस्फोटक बैटर मौजूद हैं, जो बहुत तेजी से रन बनाती हैं। इनमें 2 का स्ट्राइक रेट 130 से ऊपर का है। वहीं, बाकी 4 का स्ट्राइक रेट 105 से 125 के बीच रहता है। इन 6 बैटर्स में ओपनर स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के बाद जेमिमा रोड्रिग्ज, कप्तान हरमनप्रीत कौर, रिचा घोष और पूजा वस्त्राकर शामिल हैं। हरमनप्रीत टी-20 में भारत की टॉप रन स्कोरर हैं। उनके नाम 146 मैच में 2940 रन हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में उनके नाम एक शतक भी है। मंधाना भी टीम की अनुभवी खिलाड़ी हैं, उनके नाम 112 टी-20 में 2651 रन हैं। ऐसे में टीम इंडिया की बैटिंग इस वर्ल्ड कप में बहुत मजबूत नजर आ रही है।

गेंदबाजी में वैराइटी अवेलेबल

बैटिंग के बाद भारत की बॉलिंग लाइन-अप भी मजबूत है। टीम के पास 5 वैराइटी की बॉलर अवेलेबल हैं। ऑफ स्पिनर के रूप में दीप्ति शर्मा, हरमनप्रीत कौर हैं। लेग स्पिनर देविका वैद्य के अलावा राधा यादव और राजेश्वरी गायकवाड़ के रूप में लेफ्ट आर्म स्पिनर मौजूद हैं। टीम में दाएं हाथ की अनुभवी शिखा पांडे और रेणुका ठाकुर के अलावा लेफ्ट आर्म पेसर अंजलि सर्वनी के रूप में नई बॉल की 3 बॉलर अवेलेबल हैं। 2020 के बाद दीप्ति ने भारत के लिए सबसे ज्यादा 54 विकेट लिए हैं। गायकवाड़ ने 38 और राधा ने इस दौरान 27 विकेट निकाले। रेणुका सिंह को ICC ने 2022 की इमर्जिंग क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया।

ऑलराउंडर्स की भी कमी नहीं

बैटर्स और बॉलर्स के अलावा टीम में महत्वपूर्ण ऑलराउंडर्स की कमी भी नही है। दीप्ति शर्मा ने भारत के लिए टी-20 में 96 विकेट लेने के साथ 914 रन भी बनाए हैं। पूजा वस्त्राकर के रूप में पेस बॉलिंग ऑलराउंडर भी मौजूद हैं। उनके नाम भारत के लिए 28 विकेट के साथ 257 रन भी हैं। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत कौर और ओपनर शेफाली वर्मा भी जरूरत पड़ने पर ऑफ स्पिन गेंदबाजी कर लेती हैं।

टूर्नामेंट की 10 टीमों को 5-5 के ग्रुप में बांटा गया है। दोनों ग्रुप से 2-2 टॉप टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। भारतीय टीम इंग्लैंड, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और आयरलैंड के साथ ग्रुप-2 में है। भारत का पहला मैच रविवार को चीर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से होगा। मैच शाम 6:30 बजे से केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेला जाएगा। 15 फरवरी को वेस्टइंडीज, 18 फरवरी को इंग्लैंड और 20 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ भारत ग्रुप स्टेज के बाकी मैच खेलगा। सभी मैच शाम 6:30 बजे से शुरू होंगे। इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टीम इंडिया केबेरा के मैदान पर मैच खेलेगी।

2020 में हम फाइनल तक पहुंचने में कामयाब रहे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद पहली बार टूर्नामेंट जीतने का सपना ख्वाब ही बनकर रह गया। बैटर्स, बॉलर्स और ऑलराउंडर्स के मजबूत कॉम्बिनेशन और टीम इंडिया का हाल-फिलहाल फॉर्म उन्हें टूर्नामेंट जीतने का मजबूत दावेदार बता रहा है। ग्रुप स्टेज में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज से चुनौती मिलने के बाद अगर टीम नॉकआउट में पहुंची तो न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया का सामना करना पड़ सकता है।

वर्ष 2047 तक एक पूर्ण विकसित राष्ट्र बन जाएगा भारत : अमित शाह

केन्द्रीय गृहमंत्री ने आईपीएस दीक्षांत समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज यहां सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के 74 आरआर आईपीएस बैच के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। अमित शाह ने शहीद स्मारक पर देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले 36 हजार शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि दी। आईपीएस प्रोबेशनर्स के 74 आरआर बैच की पासिंग-आउट परेड में राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन, अकादमी के निदेशक एएस राजन और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि आईपीएस की महान परंपरा से जुड़ते हुए प्रशिक्षु अधिकारियों के 74 आरआर बैच को अमृत काल के बैच के रूप में जाना जाएगा। प्रशिक्षण के बाद यह बैच देश के सामने आने वाली हर चुनौती का सामना करने के लिए सक्षम, समर्पित और सुसज्जित है। आजादी के 75 साल पूरे होने के साथ ही यह जत्था देश की आंतरिक सुरक्षा की रक्षा के लिए मार्च कर रहा है, जो बड़े गर्व की बात है। अमित शाह ने कहा कि पिछले सात दशकों के दौरान देश ने सुरक्षा के क्षेत्र में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं और कई चुनौतियों का सामना किया है और इन चुनौतियों का सामना करते हुए 36 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल बाद पीछे मुड़कर देखें तो आज भारत की स्थिति लोकल से ग्लोबल और वायलेंट से वाइब्रेंट में बदल गई है। अमित शाह ने कहा कि देश की आजादी के बाद अखिल भारतीय सेवाओं की शुरुआत करते हुए सरदार पटेल ने कहा था कि संघीय संविधान के तहत भारत को अक्षुण्ण रखना अखिल भारतीय सेवाओं का दायित्व है और अधिकारी प्रशिक्षुओं को इस वाक्य को अपना आदर्श वाक्य बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कॉलेज की स्थापना के समय सरदार वल्लभभाई पटेल ने कहा था कि यह कॉलेज भारत में अपनी तरह का पहला कॉलेज है और अतीत में इस तरह की कोई मिसाल नहीं थी, लेकिन यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरक उदाहरण बनेगा। उन्होंने कहा कि अकादमी के लिए प्रथम केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पिछले 75 वर्षों के दौरान अच्छी तरह से पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और देश के सभी पुलिस संस्थानों को प्रौद्योगिकी की दृष्टि से वैश्विक तकनीकी चुनौतियों के अनुरूप बनाने के लिए सशक्त बनाने के लिए 'पुलिस प्रौद्योगिकी मिशन' की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि यह मिशन न केवल तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए कॉन्स्टेबल से लेकर डीजीपी तक की पूरी पुलिस व्यवस्था को सक्षम बनाएगा, बल्कि उन्हें तकनीक-प्रेमी भी बनाएगा। पुलिस प्रौद्योगिकी मिशन देश के सभी पुलिस संस्थानों को प्रौद्योगिकी की दृष्टि से वैश्विक तकनीकी चुनौतियों के अनुरूप बनाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता के लिए एक लक्ष्य रखा है कि जब हम 2047 में आजादी की शताब्दी मनाएंगे तो देश विश्व स्तर पर हर क्षेत्र में शीर्ष पर उभरे। लक्ष्य की पूर्ति प्रत्येक भारतीय नागरिक का उत्तरदायित्व और कर्तव्य दोनों है। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य 2025 तक भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है और यह सुनिश्चित करना है कि भारत 2047 तक एक पूर्ण विकसित राष्ट्र बन जाए।" और आठ साल में हम पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। मॉर्गन स्टैनली के अनुमान के मुताबिक 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में आतंकवाद की घटनाओं में कमी का मुख्य कारण आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति, आतंकवाद विरोधी कानूनों का मजबूत ढांचा, सभी एजेंसियों का सशक्तिकरण और मजबूत होना है। भारत में इंटरपोल महासभा का आयोजन और आतंकवाद के क्षेत्र में भारत का नेतृत्व और आतंकवाद के लिए धन नहीं सम्मेलन में भारत का नेतृत्व विश्व स्तर पर हमारी सुरक्षा एजेंसियों की स्वीकृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की स्थापना करके भारत ने फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में विशेषज्ञ मानव संसाधन और लॉजिस्टिक गैप को भरने का प्रयास किया है। शाह ने कहा कि वर्तमान में एनआईए सभी राज्यों में विस्तार कर रहा है और एनआईए और एनसीबी का विस्तार अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों और आतंकवाद से जुड़े अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वर्तमान में सुरक्षा परिदृश्य भौगोलिक से विषयगत में बदल रहा है, अब सिंगल डायमेंशनल पुलिसिंग के बजाय मल्टी डायमेंशनल पुलिसिंग को स्वीकार करना होगा। पूर्वोत्तर वामपंथी उग्रवाद, सांप्रदायिक हॉटस्पॉट जैसे भौगोलिक खतरों के स्थान पर अब साइबर अपराध, डेटा का दुरुपयोग, गलत सूचना जैसे विषयगत खतरे उभर रहे हैं जिनसे मजबूती से निपटने की जरूरत है। पहले आतंकवाद, उग्रवाद और दिन-प्रतिदिन की पुलिसिंग की चुनौतियाँ थीं, लेकिन अब हमें टेरर फाइनेंस, नार्को टेरर, चौथी पीढ़ी की सूचना युद्ध, आदि जैसी बहुआयामी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

हमारे पुलिस बलों को उनसे निपटने के लिए सुसज्जित होना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की स्थापना करके भारत ने फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में विशेषज्ञ मानव संसाधन और लॉजिस्टिक गैप को भरने का प्रयास किया है। शाह ने कहा कि वर्तमान में एनआईए सभी राज्यों में विस्तार कर रहा है और एनआईए और एनसीबी का विस्तार अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों और आतंकवाद से जुड़े अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वर्तमान में सुरक्षा परिदृश्य भौगोलिक से विषयगत में बदल रहा है, अब सिंगल डायमेंशनल पुलिसिंग के बजाय मल्टी डायमेंशनल पुलिसिंग को स्वीकार करना होगा।

पूर्वोत्तर वामपंथी उग्रवाद, सांप्रदायिक हॉटस्पॉट जैसे भौगोलिक खतरों के स्थान पर अब साइबर अपराध, डेटा का दुरुपयोग, गलत सूचना जैसे विषयगत खतरे उभर रहे हैं जिनसे मजबूती से निपटने की जरूरत है।

राजनीति में बढ़े वैश्य समाज की सहभागिता : डॉ. गिरीश संघी

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक

लखनऊ, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की प्रदेश कार्यसमिति की शनिवार को मोतीनगर के अग्रवाल शिक्षण संस्थान में हुई बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद व संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार संघी ने कहा कि प्रदेश में वैश्य समाज सशक्त है। सामाजिक एकता और भाईचारे को बढ़ाने में समाज की अहम भूमिका रही है। राजनीति में वैश्य समाज की विशेष सहभागिता होनी चाहिए।

डॉ. संघी ने कहा कि निकाय चुनाव में वैश्य समाज बढ़-चढ़कर हिस्सा ले। राजनीतिक दलों को वैश्य समाज को टिकट देना चाहिए। इच्छुक वैश्य समाज के लोग महासम्मेलन के प्रदेश कार्यालय में आवेदन करें, जिससे उनकी पैरवी की जा सके। यदि सरकार जातिगत जनगणना कराना चाहती है, तो ब्राह्मण, क्षत्रिय, शूद्र की गणना करा ले, बाकी सब वैश्य है। बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित महासम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल मोर ने कहा कि समाज की समृद्धि में वैश्य सदैव

आगे रहा है। प्रदेश अध्यक्ष सुधीर एस. हलवासिया ने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हो रही है, जिसमें 33 लाख करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। इसमें वैश्य समाज का अहम योगदान है। बैठक में मनीष अग्रवाल को लखनऊ महानगर का अध्यक्ष और एकता अग्रवाल को महानगर महिला इकाई की अध्यक्ष बनाया गया। सदर के ओवरब्रिज का नामकरण महाराजा अग्रसेन उपरिगामी सेतु करने पर सभी ने अध्यक्ष की भूमिका की सराहना की। बैठक में महासम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री उमेश अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नटवर गोयल, राष्ट्रीय मंत्री गिरीश बंसल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री रीता मित्तल, पूर्व डीजीपी केएल गुप्ता, अजय जायसवाल, पुष्पलता अग्रवाल, गोरखपुर मंडल के अरविंद विक्रम, लखनऊ मंडल के रामकिशोर गुप्ता, अयोध्या मंडल के मनोज जायसवाल, प्रयागराज मंडल के विदुप अग्रहरि, वाराणसी मंडल से अरुण जायसवाल, चित्रकूट मंडल से नरेंद्र गुप्ता, प्रदेश महामंत्री भारत भूषण गुप्ता मौजूद रहे।

राम चरण, सचिन तेंदुलकर फॉर्मूला वन रेस देखने पहुंचे

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय क्रिकेट के पूर्व महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर बहुप्रतीक्षित फॉर्मूला वन रेस के लिए हैदराबाद पहुंचे। यह शहर के हुसैन सागर और एनटीआर मार्ग पर स्थापित स्ट्रीट सर्किट में भारत में पहली बार फॉर्मूला वन कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है। दौड़ नौवें सीज़न का चौथा दौर है, और 11 टीमें और 22 चालकों ने शीर्ष स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा में भाग लिया।

भारतीय कंपनियां महिन्द्रा, टाटा और टीसीएस प्रतियोगियों में शामिल होंगी। सर्किट 2.8 किमी मापता है और इसमें 18 मोड़ हैं, और 20,000 दर्शकों की बैठने की क्षमता की व्यवस्था की गई है। क्वालीफाइंग दौर आज सुबह हुआ, जिसमें मुख्य दौड़ दोपहर 3 बजे शुरू हुई और डेढ़ घंटे तक चली। मंत्री केटीआर, राम चरण, सचिन तेंदुलकर, नम्रता शिरोडकर, नारा ब्राह्मणी और लक्ष्मी प्रणति सहित कई हस्तियां और वीआईपी उपस्थिति में हैं।

इंटर की प्रायोगिक परीक्षाएं 15 फरवरी से

हैदराबाद, 11 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए सामान्य और व्यावसायिक दोनों पाठ्यक्रमों के लिए प्रायोगिक परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होंगी। परीक्षाएं 2 मार्च तक दो सत्रों में यानी सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएंगी। तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीएसबीआईई) ने सभी जूनियर कॉलेजों को निर्देश दिया है कि वे कॉलेज शुल्क के भुगतान के लिए दबाव डाले बिना छात्रों को हॉल टिकट जारी करें। प्रायोगिक परीक्षाओं के बाद बोर्ड 4 मार्च को नैतिकता और मानव मूल्य की परीक्षा और 6 मार्च को पर्यावरण शिक्षा की परीक्षा आयोजित करेगा। दोनों परीक्षाएं सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएंगी। इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षाएं (आईपीई), मार्च, 15 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित होने वाली हैं।

इस बीच, बोर्ड ने आईपीई और इंटरमीडिएट सार्वजनिक उन्नत पूरक परीक्षा (नैतिकता सहित व्यावहारिक और सिद्धांत दोनों) आयोजित करने के लिए 33 जिलों के लिए जिला मध्यवर्ती शैक्षिक अधिकारियों / नोडल अधिकारियों को संयोजक और प्रिंसिपल और जूनियर लेक्चरर को जिला परीक्षा समितियों (डीईसी) के सदस्य के रूप में नियुक्त किया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.